हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची • शुक्रवार • 07.03.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 224 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

मुखिया ने 30 लोगों को गांव से किया 'बहिष्कृत' एनएचआरसी ने लिया स्वतः संज्ञान

नयी दिल्ली : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने एक मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें एक गांव के मुखिया ने एक परिवार के सभी सदस्यों को बहिष्कृत कर दिया। इस परिवार ने तमिलनाडु के तेनकासी जिले के संबावरवदकरई शहर में भूमि अतिक्रमण को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की थी। इस परिवार का समर्थन करने पर सात अन्य परिवारों को भी बहिष्कृत कर दिया गया। बहिष्कार के खिलाफ जिला कलेक्टर के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने कथित तौर पर 8 परिवारों के 30 लोगों को गिरफ्तार किया था। आयोग ने पाया है कि समाचार रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है तो यह पीड़ित परिवारों के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। इसलिए आयोग ने तमिलनाडु में तेनकासी के जिला कलेक्टर को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। 20 फरवरी, 2025 को प्रसारित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित परिवारों को स्थानीय दुकानों, अन्य सुविधाओं तक पहुंचने और अन्य निवासियों के साथ संवाद करने से रोक दिया गया था।

रसोइयों को मिलेगा 3000 रुपया प्रतिमाह मानदेय, मिली स्वीकृति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में कार्यरत रसोइयों को अब मानदेय के रूप में 3000 रुपया प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। तृतीय अनुपूरक बजट में इसके लिए स्वीकृति मिल गयी है। इस आशय की जानकारी आज विधानसभा में मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने दी। सुदिव्य ने बताया कि रसोइयों को पहले 2000 रूपया मानदेय दिया जाता था। अब इसे बढाकर 3000 कर दिया गया है। कहा कि राज्य सरकार इन इसका निर्णय लिया है। मंत्री ने बताया कि पहले मिलने वाले 2000 रुपये में 600 रुपये केंद्र देता था और इसमे 1400 रुपये राज्य सरकार का योगदान रहता था। अब हेमन्त सोरेन सरकार ने इसे बढ़ाकर 3000 करने का निर्णय लिया है।

सहारा इंडिया के निवेशकों का पैसा लाने के लिए झारखंड से अधिकारी भेजेगी सरकार

पोड़ैयाहट के विधायक और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से सदन इस मामले को उठाते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस पर निर्णय दिया है लेकिन दो साल के बाद भी झारखंड के निवेशकों का पैसा नहीं मिला है। विधायक प्रदीप यादव के ध्यानाकर्षण पर जवाब देते हुए वित मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन को बताया कि इस संदर्भ में सेंट्रल रजिस्ट्रार को कई बार पत्र लिखा गया। 6 बार पत्राचार किया गया लेकिन कोई जवाब नहीं आया। वित मंत्री ने कहा कि हम फिर पत्र लिखेंगे। हम राज्य के किसी अधिकारी को दिल्ली भेजने की भी तैयारी कर रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के 1800 मल्टीपर्पस वर्कर्स को मिलेंगे ₹25000 एरियर

रांची : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और सांसद राहुल गांधी के मार्गदर्शन में इंडी गठबंधन की झारखंडी सरकार राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने और स्वास्थ्य मानकों में झारखंड को अग्रणी बनाने के लिए कृत संकल्पित है। चिकित्सकीय समुदाय के हितों के संरक्षण के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उनकी सुविधाओं और हितों की रक्षा के लिए हर स्तर पर निर्णय लिये जा रहे हैं। होली और रमजान के इस पवित्र महीने में राज्य के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 1800 मल्टी पर्पस वर्कर्स को तोहफे के रूप में मानदेय की राशि ₹5000 में बढ़ोत्तरी कर सौगात देने का काम किया हूं। अब टढह कर्मियों को एरियर के रूप में ₹25,000 की राशि दी जायेगी। सभी कर्मचारी जान हथेली पर रखकर जनता की सेवा कर रहे हैं। हमारी सरकार उनकी मेहनत और समर्पण का पूरा सम्मान करती है। यह केवल वेतन वृद्धि नहीं, बल्कि उनके अद्वितीय योगदान को सलाम करने का एक प्रयास है।

कल्पना सोरेन ने अंतर्राज्यीय बॉर्डर पर चेक पोस्ट का उठाया मामला

रांची : झारखंड विधानसभा में गुरुवार को अंतर्राज्यीय बॉर्डर में कॉमर्शियल वाहनों के लिए चेक पोस्ट का मामला उठा। गांडेय की विधायक कल्पना मूर्मू सोरेन ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से इसे सदन में उठाया। कल्पना सोरेन ने कहा कि पिछले 7-8 सालों से यह बंद है जिससे राज्य के राजस्व का नुकसान हो रहा है। कल्पना सोरेन के ध्यानाकर्षण पर जवाब देते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने सदन को बताया कि विभाग जल्द व्यवस्था फिर से शुरू करेगा। उन्होंने सदन को बताया कि ये प्रावधान 2017 से ही बंद था। आने वाले तीन माह में इसे फिर से शुरू किया जाएगा। इसी पर वित और संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि विधायक कल्पना मूर्मू का ध्यानाकर्षण राज्य के हित से जुड़ा हुआ है। राजस्व से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए इसे जल्द ही शुरू किया जाएगा।

सीएम से झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची, झारखंड के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी के साथ अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट करने वालों में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू, वरीय उपाध्यक्ष मोहम्मद महताब आलम, उपाध्यक्ष रोहित कुमार रजक, महामंत्री संजीव कुमार, वरीय संयुक्त सचिव संतोष कुमार महतो एवं राकेश कुमार पांडेय, संगठन सचिव मंटू कुमार, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य मोहम्मद कमाल, भागवत मुर्मू, करण कुमार और नितिन रवि, झारखंड पुलिस मेन्स एसोसिएशन के महामंत्री रमेश उरांव, उपाध्यक्ष देवचंद मुंडा, उपाध्यक्ष परमेश्वर महतो, कोषाध्यक्ष गुलाब महतो, सहायक महामंत्री लालेश्वर राम, सहायक महामंत्री तपेश्वर यादव, पूर्व मेन्स अध्यक्ष नरेंद्र कुमार, पूर्व वरीय उपाध्यक्ष और अखिलेश्वर पांडेय तथा झारखंड पुलिस एसोसिएशन, रांची शाखा के अध्यक्ष आनंद राज खलखो, अनीश कुजूर, देवता चरण उपाध्याय एवं उपाध्यक्ष ठाकुर दयाल महतो मौजूद थे।

ईडी ने एसडीपीआई के 12 दफ्तरों पर की छापेमारी

नयी दिल्ली : ईडी ने सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े 12 ठिकानों पर छापेमारी की है। केंद्रीय जांच एजेंसी की ये छापेमारी एसडीपीआई मुख्यालय समेत दिल्ली में दो जगहों पर चल रही है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि ईडी ने एसडीपीआई के करीब 12 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की है। केंद्रीय जांच एजेंसी की यह छापेमारी नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश के लखनऊ, तमिलनाडु के चेन्नई, झारखंड में पाकुड़, केरल में एसडीपीआई मुख्यालय तिरुवनंतपुरम और मलप्पुरम, कर्नाटक के बेंगलुरु, आंध्र प्रदेश के नांदयाल, महाराष्ट्र के ठाणे, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और राजस्थान के जयपुर में चल रही है। जानकारी के मुताबिक ईडी की छापेमारी प्रतिबंधित पीएफआई की सहयोगी संस्था सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट एम. के फैजी की गिरफ्तारी के उपरांत हुई पूछताछ के बाद की जा रही हैं। फैजी को ईडी ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया था, जिसको पटियाला हाउस कोर्ट में 6 दिन की रिमांड पर भेज दिया था।

झारखंड में बाबूलाल मरांडी बने नेता प्रतिपक्ष भाजपा विधायक दल की बैठक में हुआ चयन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुना गया है। गुरुवार को भाजपा विधायक दल की बैठक में यह निर्णय सर्वसम्मति से लिया गया। भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद डॉ. के. लक्ष्मण पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में पार्टी विधायकों ने रायशुमारी के बाद बाबूलाल मरांडी को नेता प्रतिपक्ष के रूप में चुना।

इस अवसर पर बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी नेतृत्व और विधायकों की पूर्ण सहमति से मुझे यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मैं इसके लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को धन्यवाद देता हूं। बाबूलाल मरांडी झारखंड की राजनीति में एक प्रमुख चेहरा रहे हैं। वे झारखंड के पहले मुख्यमंत्री भी थे और 2000 में राज्य गठन के बाद उन्होंने इस पद की जिम्मेदारी संभाली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मरांडी 1998 में कोडरमा लोकसभा सीट से सांसद चुने गये थे। मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बाद उन्होंने 2006 में भाजपा से अलग होकर झारखंड विकास मोर्चा (प्रजातांत्रिक) नाम से अपनी पार्टी बनाई। हालांकि, 2020 में वे फिर से भाजपा में शामिल हो गये और उन्हें पार्टी की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी। झारखंड की राजनीति में उनकी मजबूत पकड़ और व्यापक अनुभव को देखते हुए भाजपा ने अब उन्हें विधायक दल का नेता चुना है।

राहुल गांधी ने मुंबई में धारावी चमड़ा उद्योग के श्रमिकों से की मुलाकात

एजेंसी

मुंबई : लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को मुंबई में धारावी चमड़ा हब का दौरा किया और चमड़ा उद्योग के श्रमिकों से बातचीत की। राहुल गांधी ने इन श्रमिकों को समस्याओं को समझने की कोशिश की।

राहुल गांधी गुरुवार को दिल्ली से मुंबई पहुंचे तो मुंबई एयरपोर्ट पर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल, कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ सहित तमाम कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद राहुल गांधी धारावी में जाकर चमड़ा उद्योग से जुड़ी कंपनियों का दौरा किया और उनसे बातचीत की। राहुल गांधी ने एक कंपनी में जाकर चमड़े की बैग को भी सिया। इसके बाद एक चर्मकार के स्टुडियो में गए और स्टुडियो मालिक और श्रमिकों से चर्चा की। कांग्रेस नेता की इस यात्रा का उद्देश्य चमड़ा हब के कार्यबल के सामने आने वाली चुनौतियों को समझना था।

रांची में दो लोगों की गोली मारकर हत्या

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के चान्हो थाना क्षेत्र के चामा स्थित एक आश्रम में बुधवार देर रात दो लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गुरुवार सुबह घटना सामने आई। मृतकों की पहचान राजेंद्र यादव और महेश के रूप में हुई है, जो आश्रम में रह रहे थे।

जानकारी के मुताबिक, रात करीब एक बजे कुछ हथियारबंद लोग आश्रम पहुंचे और राजेंद्र यादव को निशाना बनाकर फायरिंग की। गोलीबारी की आवाज सुनकर महेश जब उसकी ओर बढ़ा, तो अपराधियों ने उसे भी गोली मार दी। घटना के बाद हमलावर फरार हो गए। ग्रामीणों ने खून से लथपथ दोनों को देखा और पुलिस को सूचना दी। महेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राजेंद्र यादव ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि हत्या के मामले की जांच जारी है और आरोपितों को पकड़ने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है।

पुलिस ने डबल मर्डर का किया खुलासा हत्या के भय से अपहतों ने किया सरेंडर

पलामू : पुलिस ने मनातू थाना क्षेत्र के जंगल में हुई दो लोगों की हत्या का खुलासा कर दिया। इसमें दो अपहरणकताओं की हत्या अपह्नतो ने ही कर दी थी। जिसमें चार लोगों ने अपनी हत्या के डर से मनातू थाना में सरेंडर कर दिया, जबकि दो फरार हैं। उनकी तलाश की जा रही है। थाना प्रभारी निर्मल उरांव ने बताया कि 19 फरवरी को राजखेता टोला के अमवातरी के जंगल में दो व्यक्तियों के शव मिले थे। जिसमें से एक की पहचान चुनका गांव के दिनेश यादव के रूप में हुई थी, जबकि दूसरे की पहचान अब तक नहीं हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के फलेन्दा गांव के रहने वाले रामलाल यादव, विकास गंझू, राजगीर गंझू, नौडिहा बाजार के अंता गांव के विसम्बर यादव, मनातू के नागद गांव निवासी बसंत सिंह और कुंडीलपुर निवासी ईश्वरी सिंह का अपहरण अफीम के खेत से किया गया था।

प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाने पर दिया जोर, बोले- कोई ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि उत्तराखंड में कोई भी मौसम ऑफ सीजन नहीं होना चाहिए और पर्यटन को यहां हर मौसम में चालू रहना चाहिए। उन्होंने राज्य में बारहमासी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उत्तराखंड के हर्षिल में ट्रेक और बाइक रैली को हरी झंडी दिखाने के बाद शीतकालीन पर्यटन कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रधानमंत्री ने उत्तरकाशी जिले के हर्षिल में उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने माणा गांव में हुई हिमस्खलन की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में देश के लोग प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में विविधता लाना और इसे सालभर चलने वाली गतिविधि बनाना उत्तराखंड के लिए महत्वपूर्ण और आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कोई ऑफ-सीजन नहीं होना चाहिए और पर्यटन को हर मौसम में फलना-फूलना चाहिए। वर्तमान में पहाड़ों में पर्यटन मौसमी है, जिसमें मार्च, अप्रैल, मई और जून के दौरान पर्यटकों की अच्छी-खासी आमद होती है। हालांकि, इसके बाद पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आती है, जिससे सर्दियों के दौरान अधिकांश होटल, रिसॉर्ट और होमस्टे खाली हो जाते हैं। इस असंतुलन के कारण उत्तराखंड में साल के एक बड़े हिस्से में आर्थिक स्थिरता बनी रहती है और पर्यावरण के लिए भी चुनौतियां पैदा होती हैं।

मोदी ने कई देशों में शीतकालीन पर्यटन की लोकप्रियता को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि उत्तराखंड अपने शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उनके अनुभवों से सीख सकता है। उन्होंने उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र के सभी हितधारकों, होटल और रिसॉर्ट मालिकों से इन देशों के मॉडल का अध्ययन करने का आग्रह किया। उन्होंने उत्तराखंड सरकार से ऐसे अध्ययनों से प्राप्त कार्रवाई योग्य बिंदुओं को सक्रिय रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने स्थानीय परंपराओं, संगीत, नृत्य और व्यंजनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के गर्म झरनों को वेलनेस स्पा में विकसित किया जा सकता है और शांत, बर्फ से ढके क्षेत्रों में शीतकालीन योग रिट्रीट की मेजबानी की जा सकती है। उन्होंने योग गुरुओं से उत्तराखंड में सालाना योग शिविर आयोजित करने का आग्रह किया। उन्होंने उत्तराखंड की एक विशिष्ट पहचान स्थापित करने के लिए सर्दियों के मौसम में विशेष वन्यजीव सफारी के आयोजन का भी सुझाव दिया। उन्होंने इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 360 डिग्री दृष्टिकोण अपनाने और हर स्तर पर काम करने पर जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुविधाओं के विकास के साथ-साथ जागरुकता फैलाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है और उन्होंने देश के युवा कंटेंट क्रिएटर्स से उत्तराखंड की शीतकालीन पर्यटन पहल को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने में कंटेंट क्रिएटर्स के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख करते हुए मोदी ने उनसे उत्तराखंड में नए गंतव्यों की खोज करने और अपने अनुभवों को जनता के साथ साझा करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य सरकार को उत्तराखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कंटेंट क्रिएटर्स द्वारा लघु फिल्में बनाने की प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया।

बिहार में आर्केस्ट्रा समूहों पर छापे, 42 बच्चियां हुईं मुक्त

पटना : बाल मजदूरी, बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल यौन शोषण के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। बाल अधिकार संगठन एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) की सूचना पर बिहार के रोहतास जिले की पुलिस ने आर्केस्ट्रा पार्टियों पर छापे मारे। इस दौरान 42 लड़कियों और तीन लड़कों सहित 45 बच्चों को मुक्त कराया। इनमें से ज्यादातर लड़कियां छत्तीसगढ़ की हैं। मुक्त कराए गए सभी बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया गया, जहां आगे की कार्रवाई जारी है। इन बच्चियों को मुक्त कराने के लिए 'आपरेशन नटराज' के तहत जिले के पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार की अगुआई में नौ थानों की पुलिस, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) सहित पूरे जिले का पुलिस अमला शामिल था। इस दौरान पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ जारी है।

पीडीएस का चावल लेकर जा रही टैक्टर ट्राली पलटी, चार की मौत, 12 घायल

एजेंसी

नारायणपुर : छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के ग्राम ओरछा से पीडीएस का चावल लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली के पटल जाने से उसमें सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि वहीं 05 महिला, 06 पुरुष एवं 01 बच्ची घायल हैं। गुरुवार सुबह एक व्यक्ति ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस तरह से इस हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गयी है। यह दुर्घटना बीती रात की है। जिले के ग्राम ओरक्षा से ग्राम तोयामेटा, कावानार, मुसनार गांव के लिए पीडीएस का चांवल लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली बीती रात लगभग साढ़े 10 बजे बजे ग्राम मडोनार के आगे नाला के पास पलट गयी, जिससे इसमें सवार 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक ने उपचार के दौरान आज सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस तरह से इस हादसे में मरने वालों की संख्या चार हो गयी है। छोटे

डोंगर पुलिस ने सभी घायलों को स्वास्थ्य केन्द्र लायी। छोटे डोंगर पुलिस के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर ट्राली में सोलह महिला/पुरुष और बच्चे बैठे हुए थे। इसमें से 5 महिला, 6 पुरुष और एक बच्ची घायल हो गई हैं। 12 घायलों को छोटे डोंगर प्राथमिक स्वास्थ केन्द्र लाया गया। उनका इलाज जारी है। इसमें से दो गंभीर रूप से घायलों को छोटेडोंगर पीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर नारायणपुर जिला अस्पताल लाया गया है। बाकी सभी घायलों की स्थिति सामान्य है। मृतकों में 40 वर्षीय घसिया, 35 वर्षीय फूलमती और लच्छनदई की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि घायल मंगरी ने अस्पताल में दम तोड़ा।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने समग्र शिक्षा अभियान के गतिविधियों, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, खेलो झारखंड एक्सपेंडिचर, यूको क्लब एक्सपेंडिचर, विद्यालय में बच्चों की इनरोलमेंट, पोषाक वितरण, डिजिटल शिक्षा, साइकिल वितरण, कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालय में सत्र 2024-25 का नामांकन, स्कूल कीट, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में सीबीएसई के माध्यम से चयन, आईसीटी प्रोग्राम एवं स्मार्ट क्लास, छात्रवृति, विद्यालयों लायब्रेरी की

उपलब्धता व मध्याह्न भोजन से संबंधित समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को वर्तमान में जिला शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं से अवगत कराया गया। बैठक में उपायुक्त ने बच्चों का आधार बेसिस अपार आईडी बनाने में आ रही है समस्या से अवगत हुई एवं इसे दूर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देशित किया। उपायुक्त ने यूनिफॉर्म के लिए कक्षा 3 से 12 के छात्र-छात्राओं का शत प्रतिशत आंकड़ा जिला में 2 दिन के अंदर उपलब्ध करवाने का निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिया। उन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारी से कहा मध्यान भोजन मेन्यू के अनुसार उपलब्ध करवाने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। मध्यान भोजन से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो इसकी रिपोर्ट करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। संबंधित अधिकारी विद्यालय में शिक्षा से संबंधित सामग्रियों की आपूर्ति और ससमय काउंसलिंग करवाना सुनिश्चित करेंगे। उपायुक्त नैंसी सहाय ने कहा कि बच्चों को पढ़ाने के अलावा उनके समग्र विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है। बच्चों को शिक्षित करने में किसी भी प्रकार की कोई कमी ना रहे इसके लिए सीएसआर, योजना विभाग एवं डीएमएफटी फंड के माध्यम से जिले में शिक्षा के स्तर पर कई योजनाएं चलाई जा रही है। प्रखंड स्तर से सभी संबंधित अधिकारी अपने स्तर से समय-समय पर संचालित योजनाओं की मॉनिटरिंग करना सुनिश्चित करेंगे ताकि बच्चों के शैक्षणिक ज्ञान के स्तर को बढ़ाया जा सके। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारी को निर्देशित किया कि गुरु गोष्ठी के माध्यम से शिक्षकों को भी मोटिवेट किया जाए कि शिक्षक बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ उनके लिए उपलब्ध कराई जा रहे शिक्षा सामग्रियों का सही इस्तेमाल कराना भी आवश्यक समझें। शिक्षकों को बच्चों को पढ़ाने के अलावा शिक्षा से संबंधित प्रत्येक बिंदुओं पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

एक नजर

114 आश्रितों के बीच मुआवजा के लिए स्वीकृति पत्र का किया गया वितरण

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रमेश घोलप के जरिये प्राकृतिक आपदा प्रबंधन अंतर्गत विभिन्न घटनाओं में मृत कुल 114 आश्रितों के बीच मुआवजा भुगतान के लिए स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। वज्रपात से मृत 33 पशुओं के कुल 19 लाभुकों को 1075000 रुपये, वज्रपात से मृत सात व्यक्तियों के आश्रितों के बीच 2800000, सड़क दुर्घटना के 27 मृत्य व्यक्ति के आश्रितों को 2700000, सर्पदंश से मृत तीन व्यक्तियों के आश्रितों के बीच 12 लाख, अतिवृष्टि से क्षतिग्रस्त पूर्ण कच्चा मकानों की मरम्मती पुनर्निर्माण के लिए 47 लाभुकों के बीच 8.18 लाख, अग्निकांड से क्षतिग्रस्त कच्चा मकानों की मरम्मती एवं पुनर्निर्माण के लिए पांच लाभुकों के बीच 5.24 लाख, अग्निकांड से मृत दो पशुओं के लाभुकों के बीच 72000 रुपये मुआवजा भुगतान के लिए स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। वहीं प्रतापपुर प्रखंड के हिंदिया कला गांव में उग्रवादी हिंसा में मारे गए दो व्यक्ति के आश्रितों को दो लाख, लावालौंग प्रखंड ग्राम लावालौंग अंतर्गत उग्रवादी हिंसा में मृत के आश्रित को एक लाख, टंडवा प्रखंड के ग्राम कोईलड़ा उग्रवादी हिंसा में मृत के आश्रितों को दो लाख कुल चार लाख और प्रतापपुर प्रखंड के भरही ग्राम के जेल में एक मृत व्यक्ति के आश्रितों के बीच मानवाधिकार के तहत पांच लाख रुपये का मुआवजा भुगतान के लिए स्वीकृति पत्र का वितरण किया गया। एक सप्ताह के अंदर कुल एक करोड़ 89 हजार रुपया लाभुकों के खाते में हस्तांतरित कर दी जाएगी।पूर्व में वज्रपात से हुए पांच व्यक्ति के मृत्यु के आश्रितों के खाते में कुल 20 लाख रुपया हस्तांतरित की जा चुकी है। उपायुक्त ने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है तथा अगर किन्हीं के यहां आपदा से संबंधित कोई घटना घटी है तो अपने अंचल में संपर्क कर आवेदन दे। हर संभव जिला प्रशासन की ओर से सहायता की जाएगी।

पुलिस ने 17 हजार किलो जावा महुआ और 2000 लीटर महुआ शराब किया नष्ट

हजारीबाग : शराब बनाने का खतरनाक तरीका सामने आया है। उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की तो उनके भी होश उड़ गए। जमीन के अंदर गड्ढा बनाकर शराब तैयार किया जा रहा था। गड्ढे के ऊपर से लगा हुआ स्लैब जब हटाया गया तो 10 फीट गड्ढे में बना हुआ शराब पाया गया। हजारीबाग उत्पाद विभाग होली को लेकर अवैध शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में उत्पाद विभाग ने चौपारण थाना क्षेत्र के भगहर, भंडार एवं परसतारी क्षेत्र में अवैध शराब व्यावसायिक के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें करीब 17000 किलो अवैध जावा महुआ, 1200 लीटर अवैध महुआ शराब को विनिशट किया गया। दो दर्जन के करीब अवैध रूप से महुआ शराब बनाने के लिए बने हुए भट्ठी को ध्वस्त किया गया। संचालक को किसी तरह भनक लग गयी और वो भागने में सफल रहा। संचालक के गिरफ्तारी के लिए उत्पाद विभाग छापेमारी कर रही है। शराब माफिया शराब का अवैध कारोबार करने का तरीका जो प्रकाश में आया है वह काफी अधिक खौफनाक है। जमीन के अंदर गड्ढे करके शराब रखे गए थे। उत्पाद विभाग ने उसे गड्ढे को तोड़कर शराब नष्ट किया है। बताया जाता है की जमीन के अंदर लगभग 10 फीट गड्ढा किया गया था। उसके ऊपर स्लैब लगा दिया गया था । ताकि किसी की नजर नहीं पड़े। उत्पाद विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है।

प्रेमिका को पुणे भगा ले गया युवक परिजनों ने वापस बुलाकर की धुनाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : प्यार में दीवाने हुए युवक और युवती रामगढ़ से भाग कर पुणे पहुंच गए थे। लेकिन उनके परिजनों ने प्यार का भूत बड़ी फिल्मी तरीके से उतारा। युवक के परिवार वाले पहले पुणे पहुंचे और फ्लाइट से प्रेमी युगल को रामगढ़ ले आए। इसके बाद युवक की जमकर धुनाई कर दी। साथ ही लड़की को छोड़कर चले गए। अब अपने प्रेमी को दुबारा पाने के लिए प्रेमिका थाने का चक्कर लगा रही है। गुरुवार को पीड़िता रामगढ़ महिला थाने पहुंची। अब इस पूरे मामले की जांच रामगढ़ पुलिस कर रही है। महिला थाने में पदस्थापित सब इंस्पेक्टर रंथु राम ने बताया कि पूरे मामले की जांच करने के बाद ही कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता ने थाने के बाहर मीडिया से बात की और पूरी आप बीती सुनाई। उसने बताया कि वह 24 साल की है और वेस्ट बोकारो ओपी क्षेत्र के केदला तीन नंबर की रहने वाली है। उसे बोकारो थर्मल निवासी 25 वर्षीय अमरजीत के साथ प्रेम हुआ था। अमरजीत ने भाग कर शादी करने का प्लान बनाया। दो मार्च को वे लोग रामगढ़ से निकलकर पुणे के लिए रवाना हो गए। चार मार्च को जैसे ही वे लोग पुणे पहुंचे अमरजीत के परिजन भी शाम में पुणे पहुंच गए। वहीं से तत्काल फ्लाइट बुक की और प्रेमी युगल को रांची एयरपोर्ट ले आया गया। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही अमरजीत की पिटाई शुरू हो गई। वे लोग लड़के को लेकर अपने घर चले गए। लड़की को रामगढ़ में सड़क के किनारे छोड़ दिया। बाद में पीड़िता ने अपनी मां को फोन कर बुलाया और घर पहुंची।

दुकानदार निर्देशों का करें पालन वरना होगी कड़ी कार्रवाई : सीओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन की ओर से चौपारण में फूड सेफ्टी की जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान सीओ संजय यादव और जिला से आए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने होटल, फास्ट फूड ठेला का निरीक्षण किया।जांच के दौरान अधिकारियों ने खासतौर पर मुर्गा दुकानों और फास्ट फूड स्टॉल्स पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने दुकानदारों को निर्देश दिया कि खाद्य पदार्थों को साफ-सुथरी स्थिति में रखने के लिए काउंटर और स्टॉल्स को शीशे से कवर करें, ताकि खाने की चीजों पर धूल और मक्खियां न बैठें। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि दुकानदार निर्धारित निर्देशों का पालन नहीं करते हैं, तो उन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अब देखना यह होगा कि दुकानदार प्रशासन की इस सख्ती को कितनी गंभीरता से लेते हैं और निर्देशों का पालन करते हैं या नहीं।

महूदी विवाद को लेकर सक्रिय हुए सांसद मनीष जायसवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के महुदी में रामनवमी जुलूस को लेकर विवाद है जिसके कारण पिछले कई वर्षों से महुदी का जुलूस का आयोजन नहीं हो पा रहा है। महूदी विवाद को सुलझाने के प्रयास को लेकर गुरुवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के नेतृत्व में महुदी एवं बड़कागांव के जनप्रतिनिधियों का एक प्रतिनिधिमंडल हजारीबाग की उपायुक्त नैंसी सहाय से मिला और उनके साथ एक बैठक हुई । सांसद मनीष जायसवाल के पहल पर जिला प्रशासन द्वारा सामाजिक पहल के द्वारा इस विवाद को सुलझाने एवं महुदी की जुलूस को हर्षोल्लासपूर्वक आयोजित कराने का आश्वासन उपायुक्त नैंसी सहाय द्वारा दिया गया। मौके पर विशेषरूप से बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, सांसद प्रतिनिधि सत्येन्द्र नारायण सिंह, भाजपा बड़कागांव पूर्वी के मंडल अध्यक्ष खेमलाल महतो, बड़कागांव के पूर्व प्रमुख टुकेश्वर प्रसाद, बड़कागांव के उप- प्रमुख बचन देव कुमार, महुदी के ग्राम अध्यक्ष सीताराम राणा, महुदी के भाजपा नेता राज कुमार राणा व महुदी के स्थानीय ग्रामीण जन उपस्थित रहें।

एनटीपीसी आईटीआई कॉलेज में राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड के ढेंगा स्थित संचालित एनटीपीसी माइनिंग एंड इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट , बड़कागांव में राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 (4 से 10 मार्च) का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सीआईएसएफ यूनिट, एनटीपीसी पीबीसीएमपी के उप कमांडेंट सुरेश गोगुलुथु के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर एनटीपीसी के प्राचार्य, इंजी. मिथलेश उपाध्याय ने मुख्य अतिथि एवं उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह 2025 की थीम ₹सुरक्षा और कल्याण-विकसित भारत के लिए अनिवार्य₹ निर्धारित की गई है। कार्यक्रम के दौरान एनटीपीसी के सुरक्षा टीम द्वारा सड़क सुरक्षा पर नुक्कड़

नाटक का आयोजन किया गया, जिसमें सड़क सुरक्षा नियमों के महत्व और सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर बल दिया गया। मुख्य अतिथि सुरेश गोगुलुथु ने उपस्थित प्रशिक्षुओं और स्टाफ को सुरक्षा की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में उन्होंने जीवन में शॉर्टकट तरीकों से बचने, सुरक्षा, प्रोटोकॉल का पालन करने और कार्यस्थलों पर सतर्कता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने आईटीआई के प्रशिक्षुओं एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए संस्थान की सुरक्षा प्रशिक्षण प्रणाली की प्रशंसा की। कार्यक्रम में सीआईएसफ इंस्पेक्टर उदय कुमार, एनटीपीसी सेफ्टी अधिकारी अनूप कुमार और आईटीआई के सभी प्रशिक्षु,संकाय सदस्य, कार्यक्रम एंकर प्रदीप कुमार, के सुरक्षा अधिकारी शिवलाल, श्रीनाथ, अमरेश, विकास, उपेंद्र, इरफान, शाहिद, संजीत, प्रदीप, सुनील सिंह, रवि, सभी सफाई कर्मी एवं सुरक्षा कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई।

डीडीसी ने स्मार्ट क्लास और मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत एचडीएफसी बैंक और सपोर्ट संस्था के तत्वावधान में गुरुवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित उमाकांत खेल मैदान में परियोजना उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।समारोह में बीडीओ कलिन्द्र साहू, सीओ उदल राम, प्रमुख मनिषा कुमारी, मुखिया महेश दांगी, कुमारी संगीता सिंहा, राधिका देवी, क्लस्टर हेड एचडीएफसी बैंक सौरभ रंजन, ब्रांच मैनेजर एचडीएफसी बैंक

आशुतोष विमल, सपोर्ट संस्था के सचिव भवानी शंकर गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे। इस मौके डीडीसी अमरेन्द्र सिंहा ने कहा कि एचडीएफसी बैंक के सीएसआर मद एवं सपोर्ट संस्था के सहयोग से क्षेत्र में विकास की गति में रफ्तार तेज होगी। नई तकनीक से शिक्षा को बढावे, कृषि कार्य में किसानो को सहयोग का अवसर निश्चित प्रदान होगी। क्षेत्र के महिलाओं के आजीविका वर्धन के लिए इस प्रकार का परियोजना सार्थक सिद्ध होगा। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र में अविलंब स्थल चयन कर कोल्ड स्टोरेज बनाने की घोषणा भी किए। साथ ही उप विकास आयुक्त की ओर से एचडीएफसी बैंक के वित्तीय सहयोग और सपोर्ट संस्था से एचआरडीपी परियोजना अंतर्गत सिरकोल गांव में स्मार्ट क्लास और पत्थलगडा गांव में मॉडल आंगनबाडी का उद्घाटन फीता काटकर किया। बीडीओ ने कहा कि संस्था और एचडीएफसी बैंक के जरिये पत्थलगडा के चार पंचायतों के पंद्रह गांव में कार्य किया जा रहा है। क्लस्टर हैड एचडीएफसी बैंक सौरभ रंजन ने परियोजना के बारे विस्तृत जानकारी दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अभिषेक शंकर, परियोजना प्रबंधक कौशिक कुमार सहित अन्य का विशेष योगदान रहा।

संक्षिप्त खबरें

श्री श्याम रंगीलो फागन निशान यात्रा में शामिल भक्तों का अभिषेक अग्रवाल ने जताया आभार

हजारीबाग : अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष अभिषेक अग्रवाल ने श्री श्याम रंगीलो फागन निशान यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्याम भक्तों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा भक्ति, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है, जिसमें सभी श्रद्धालु हृदय से जुड़े हुए थे। इस दौरान विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा निशान यात्रा का जगह-जगह स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के स्वागत में फूलों की वर्षा, भजन-कीर्तन, जलपान एवं प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की गई थी। अभिषेक अग्रवाल ने उन सभी संस्थानों और नागरिकों का भी आभार प्रकट किया, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।इसके साथ ही, उन्होंने प्रेस एवं मीडिया कर्मियों का भी विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिन्होंने यात्रा की सजीव कवरेज कर इसे जन-जन तक पहुंचाया। साथ ही, उन्होंने जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के प्रति भी कृतज्ञता व्यक्त की, जिन्होंने यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया और श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी।अग्रवाल युवा मंच के अध्यक्ष ने आगे कहा कि आगामी वर्षों में इस आयोजन को और भी भव्य और दिव्य रूप दिया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक श्रद्धालु इसमें शामिल होकर भक्ति व प्रेम की भावना को मजबूत कर सकें। उन्होंने सभी भक्तों से अपील की कि वे आने वाले आयोजनों में भी इसी प्रकार बढ़-चढ़कर भाग लें और समाज में धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यो को बढ़ावा दें।

किसान का बेटा बना प्रशिक्षण अधिकारी

पदमा : पदमा प्रखंड करर गांव के शंकर कुमार मेहता पिता फागु महतो, ग्राम करर पोस्ट सरैया थाना पदमा जिला हजारीबाग निवासी का चयन प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर हुआ है। इन्हें मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के द्वारा प्रोजेक्ट भवन सभागार धुर्वा राँची में नियुक्ति पत्र दिया गया। शंकर के पिताजी किसान हैं एवं माताजी गृहणी हैं एक साधारण परिवार से है इन्होंने मेहनत करके घर चलाने के साथ साथ बेटे को भी पढ़ा लिखाकर इस मुकाम तक पहुँचाया है। इनकी प्रारंभिक शिक्षा मैट्रिक प्रोजेक्ट उच्च विद्यालय गौरियाकरमा, इंटरमीडिएट इंटर साइंस कॉलेज हजारीबाग, बी ए संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग, आईटीआई सरकारी आईटीआई हजारीबाग एवं सीआइटीएस की पढ़ाई एनएसटीआई दासनगर हावड़ा से की है। इनकी सफलता से पूरी गाँव एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता, गुरुजनों और मित्रों को दिया है। पिन्डारकोन पंचायत के मुखिया श्रीमती सुनीता देवी, सरपंच त्रिवेणी मेहता, बनवारी मेहता (बीसीसीएल), नागेश्वर महतो (पूर्व मुखिया),सुभाष कुमार मेहता (बिआरओ), संतोष कुमार, भीम महतो(प्रशिक्षण अधिकारी) अजित कुमार (अनुदेशक), सुनील कुमार (अनुदेशक) ने बधाई दी है।

जिला स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रही बालिका विद्यालय चरही की छात्रा

हजारीबाग : परियोजना बालिका विद्यालय चरही में बुधवार को विद्यालय प्रबंध समिति और अभिभावकों की बैठक हुई। बैठक में चार विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए जिला स्तर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान पर रहने वाली कक्षा नौ की छात्रा को सम्मानित किया गया। सुमन कुमारी को मोमटो और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में 16 प्रखंड से कक्षा नौ से 12 के लिए प्रतिभागी पहुंचे थे। सुमन कुमारी ने शानदार प्रदर्शन कर उप विजेता बनी थी। वहीं दूसरी ओर प्रबंध समिति के बैठक में विद्यालय के जमीन पर अवैध कब्जा का घर कमरा बना देने का मामला उठाया गया। तय किया गया कि इस मामले में प्रबंध समिति प्राथमिकी दर्ज कराएंगी और सीसीएल को पत्र लिखकर अवैध कब्जा हटाने को लेकर आवेदन देगी। बैठक में हाल के दिनों में विद्यालय में किए गए भवन निर्माण, चाहरदीवारी की चर्चा की गई और आवेदन देकर कराए गए काम की जांच कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में चाहरदीवारी छोटी होने के कारण आपराधिक किस्म के लोगों द्वारा चाहरदीवारी फांद कर तोड़ फोड़ करने को लेकर क्षोभ व्यक्त किया गया और काटों का तार लगाने का निर्णय लिया गया। वहीं कबाड़ के निष्पादन करने का भी प्रस्ताव पर सहमति प्रदान की है। बैठक में अध्यक्ष गुलशन नाज, मंसूर अंसारी, सचिव अंजनी कुमारी, रेखा देवी , वार्ड सदस्य संगीता देवी, मानो देवी, मो. इम्तियाज, अंजु देवी, सोनी देवी, सरिता देवी सहित अन्य उपस्थित थे। विद्यालय में प्रबंध समिति के अलावा स्वच्छता समिति की बैठक हुई। बैठक में विद्यालय में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि आगामी प्रबंध समिति की बैठक में सम्मान और प्रोत्साहन के साथ साथ नामांकन को लेकर विशेष बैठक की जाएंगी। वहीं प्रबंध समिति ने इस दौरान विद्यालय का निरीक्षण किया और लगाए गए लैब, नए भवन के निर्माण कार्य को भी देखा। स्वच्छता की बैठक में सुप्रिया मिंज, सुमन कुमारी, नूरी प्रवीण, अनीशा प्रवीण, रुकसार खातुन, आरती कुमारी, कुमकुम कुमारी, सृष्टी कुमारी, निकीता कुमारी, आफिया अंजुम, सना अंजुम, नीकिता सोरेने, प्रिया कुमारी, रंगीला कुमारी, आफरीन जहां, सलीना खातुन, नंदनी कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने पंचायत स्तरीय सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हजारीबाग : उपायुक्त नैंसी सहाय ने गुरुवार को समाहरणालय परिसर से पंचायत स्तरीय सड़क सुरक्षा अभियान 2025 को लेकर जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मौके पर उपायुक्त ने बताया कि यह रथ हजारीबाग जिले में 05 मार्च 2025 से 30 अप्रैल 2025 तक तिथि वार लगने वाले पंचायत स्तरीय सड़क सुरक्षा अभियान- 2025 को लेकर रवाना किया गया है। उन्होंने बताया कि सड़क सुरक्षा से संबंधित पंचायत में लगने वाले शिविर में लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की विशेष जानकारी दी जाएगी। इस नेक कार्य को कर रहे सदस्य एवं सभी सहयोगी धन्यवाद के पात्र हैं। रोड सेफ्टी हिट एंड रन के सदस्य सुनील कुमार ने स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि पंचायत स्तरीय सड़क सुरक्षा अभियान- 2025 को लेकर पंचायत में लगने वाले शिविर में अधिक से अधिक लोग शामिल होकर सड़क सुरक्षा मानकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वहीं इच्छुक व्यक्ति अपना-अपना ड्राइविंग लाइसेंस एप्लीकेशन फॉर्म अप्लाई करें एवं दूसरे लोगों को भी शिविर में शामिल होने हेतु प्रेरित करें। मौके पर सदर एसडीओ लोकेश बारंगे, अपर समाहर्ता संतोष सिंह, उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देव प्रिया, नगर आयुक्त- नगर निगम हजारीबाग, यातायात थाना प्रभारी एवं रोड सेफ्टी हिट एंड रन के सदस्य सुनील कुमार, जिला ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष धनेश्वर राणा एवं कोषाध्यक्ष रंजय कुमार भारती एवं समिति के सभी सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे।

एक नजर

झारखंड के तापमान में आज से फिर होगी वृद्धि

रांची: देश के उत्तरी-पश्चिमी दिशा में हुई बर्फबारी की वजह से झारखंड के विभिन्न इलाकों में तापमान में हो रही गिरावट शुक्रवार से थम जाएगी। तापमान में शुक्रवार से फिर से बढ़ोतरी होने लगेगी। यह जानकारी मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने गुरुवार को दी। उन्होंने बताया कि बुधवार की तुलना में गुरुवार को तापमान में एक डिग्री की ही वृद्धि होगी। झारखंड के सभी जिलों में तापमान में धीरे धीरे वृद्धि होगी। अभिषेक आनद ने गुरुवार को बताया कि झारखंड में इस वर्ष भी गर्मी औसत से थोड़ी अधिक पड़ेगी।

कचहरी चौक के शौचालय के बाहर गंदगी का अंबार, पानी की सुविधा भी ठप

रांची: रांची के कचहरी चौक पर नगर निगम के कार्यालय से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित सार्वजनिक शौचालय बदहाल स्थिति में है। शौचालय के बाहर गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जिससे आम लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। इसके अलावा, शौचालय में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से ठप है। दरवाजे की हालत इतनी खराब है कि उसे अंदर से बंद नहीं किया जा सकता। ऐसे में लोग इस शौचालय का इस्तेमाल करने से कतराने लगे हैं। यह केवल कचहरी चौक के शौचालय की समस्या नहीं है, बल्कि पूरे शहर के सार्वजनिक शौचालयों का यही हाल है। अधिकांश शौचालयों में सफाई की व्यवस्था बेहद लचर बनी हुई है। नगर निगम इस गंभीर समस्या पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आम लोगों का कहना है कि अगर शौचालय की सफाई और बुनियादी सुविधाओं पर ध्यान नहीं दिया जाता, तो इनका होना, ना होना बराबर है। लोग मजबूरी में खुले में शौच के लिए विवश हो रहे हैं, जिससे स्वच्छता और स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ रहा है। शहर के नागरिकों ने नगर निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द शौचालयों की नियमित सफाई कराई जाये और बुनियादी सुविधाएं बहाल की जायें।

खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के कर्मियों ने की बैठक

रांची : खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के कर्मियों ने अपनी एकसूत्री मांग को लेकर बंदोबस्त कार्यालय में बैठक की। इस दौरान कर्मियों ने बताया कि खतियान लेखन सफाई मोहर्रिर के 89 कर्मी खतियान लेखन का काम करते थे और फाइनल खतियान तैयार करते थे। लेकिन अभी तक उनका समायोजन नहीं किया गया है। कर्मियों ने बताया कि वे अपनी मांग को लेकर एक साल तक राजभवन के समक्ष धरना दे चुके हैं और इसके लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के निदेशक को दिशा-निर्देश दिए थे, लेकिन विभाग ने सरकार को गलत सूचना दी।

कृषि विभाग के 24.21 अरब का बजट विधानसभा से पारित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : बजट सत्र के दौरान गुरुवार को भोजनवकाश के बाद कृषि और पशुपालन विभाग का 24 अरब 21 करोड़ आठ लाख और 16 हजार रुपए का बजट ध्वनिमत से पारित हो गया। इस दौरान विपक्ष अनुपस्थित रहा। विपक्ष पहली पाली में सदन में वॉक आउट किया था। वहीं कृषि विभाग के बजट पर हुए वाद-विवाद पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए कृषि मंत्री शिल्पी ने कहा कि यह चिंता का विषय है कृषि जैसे महत्वू पर्ण विभाग पर चर्चा हो रही है और विपक्ष अपनी अंर्तकलह के कारण सदन में मौजूद नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार आलोचना सुनना चाहती है। मंत्री ने कहा कि सरकार ने हाल के दिनों में कृषि के क्षेत्र में सुधार के प्रयास किए हैं, लेकिन अभी लक्ष्य काफी दूर है। उन्होंने कहा कि झारखंड की भौगोलिक स्थति के चलते यहां के किसान विपरीत परिस्थितयों में भी जीडीपी में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर जिले में 5000 एमटी क्षमता के कोल्ड स्टोरेज का निर्माण कर रही है, लेकिन हमारा प्रयास है कि किसानों की खेतों के नजदीक छोटे-छोटे कोल्ड स्टोरेज का निर्माण करें। ताकि किसानों को अपने उत्पादों को दूर ले जाकर नहीं रखना पड़े। इससे किसानों पर आर्थिक बोझ कम पड़ेगा और उन्हें खेतों से दूर के कोल्ड स्टोरेज में अपने उत्पादों को नहीं ले जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य के किसानों के समक्ष चार प्रमुख समस्याएं हैं, जिसमें बीज, सिंचाई की सुविधा, लोन और उत्पादों को रखने के लिए स्टोरज शामिल है। कृषि मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के पांच लाख किसानों में एक लाख क्विंटल से अधिक बीज बांटा जो पूर्व के 14 प्रतिशत के मुकाबले 36 प्रतिशत है।

बरसाती नदियों का पानी खेतों में पहुंचाएंगे

कृषि मंत्री ने कहा ने कहा कि बरसाती नदियों का पानी सीधे खेतों में पहुंचाने के लिए बिरसा पक्का चेक डैम योजना की शुरूआत की गई है। उन्होंने बताया कि सरकार ऐसे किसानों की भी कर्ज माफी करेगी जिनका खाता एनपीए की सूची में है। मौजूदा समय में ऐसे किसानों का कर्ज माफ हुआ है जिन्होंने पूर्व के कर्ज को लौटा दिया है। मंत्री ने बताया कि सरकार केसीसी के किसानों के हिस्से का दो प्रतिशत हिस्सा भी खुद चुकाएगी।

100 बिरसा कृषि पाठशाला के जरिए किसान होंगे ट्रेंड

मंत्री ने कहा कि राज्य में सरकार 100 बिरसा कृषि पाठशाला खोलेगी। इससे किसान कृषि से जुड़ी जानकारियों को सीख सकेंगे। उन्होंने बताया कि फिलहाल 50 पाठशालाओं में किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि जहां एनपीके को खेतों में 3:2:1 के अनुपात में इस्तेमाल करना चाहिए। ताजुब है कि यहां के किसान प्रशिक्षण के अभाव में खेतों में इसे 27:17:1 के अनुपात में खेतों में डाल रहे हैं।

पारस हॉस्पिटल में नि:शुल्क डॉक्टर परामर्श कल से 12 मार्च तक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर धुर्वा स्थित पारस हॉस्पिटल, एचईसी में महिलाओं के लिए आठ से 12 मार्च तक निःशुल्क डॉक्टर परामर्श दिया जाएगा। यह परामर्श सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक दिया जाएगा। सभी विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा महिलाओं को निःशुल्क परामर्श दिया जाएगा। इस पहल के तहत, निःशुल्क डॉक्टर परामर्श लेने के बाद ओपीडी की जांच पर 50% की छूट और हेल्थ पैकेज पर भी 50% की छूट दी जाएगी। इसके अलावा, विशेष जानकारी के लिए आप 7282010101 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। पारस हॉस्पिटल के जोनल हेड श्रीकांत सुबुद्धि ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर पारस हॉस्पिटल ने एक पहल की है। जिसमें महिलाओं के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए निःशुल्क डॉक्टर्स परामर्श दिया जाएगा। महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच करवाना जरूरी है। खासकर हार्मोनल संतुलन, हृदय स्वास्थ्य, हड्डियों की मजबूती और मधुमेह जैसी बीमारियों की जांच के लिए। महिला दिवस पर महिलाएं खुद से यह वादा करें कि अपनी सेहत को प्राथमिकता देंगी। पारस हॉस्पिटल एचईसी के मार्केटिंग हेड मानस लाभ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के इस खास मौके पर महिलाओं के सम्मान में पारस हॉस्पिटल निःशुल्क डॉक्टर परामर्श उपलब्ध करा रहा है। यह एक बेहतरीन अवसर है, जहां महिलाएं अपने स्वास्थ्य की देखभाल करवा सकती हैं और विभिन्न जांचों एवं पैकेजों पर छूट का लाभ उठा सकती हैं।

मंईयां योजना पर उठे सवाल, कांग्रेस विधायक ने अपनी ही सरकार को घेरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के आठवें दिन गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान गढ़वा से भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने विधवा, दिव्यांग, रसोईयां और स्वास्थ्य सहियाओं को भी मंईयां योजना का लाभ देने की मांग उठाई। मामले पर जवाब देते हुए मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि मंईयां योजना का उद्देश्य पीढ़ी दर पीढ़ी सुधार लाना है और इसे विधवा या वृद्धा पेंशन से तुलना नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से कुपोषण की रोकथाम, बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार तथा पलायन पर नियंत्रण संभव हो रहा है। चमरा लिंडा ने उदाहरण देते हुए कहा कि आदिवासियों में कुपोषणा का मामला अधिक है। मंईयां योजना के पैसे से मां और बच्चे दोनों के कुपोषण को रोका जा सकेगा। वहीं स्वास्थ्य पर बात करते हुए कहा कि मां के पास पैसा होगा तो वो अपने बच्चों का इलाज करा पायेगी। एजुकेशन पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि अगर एक मां अपने बच्चे को पढ़ाना चाहती है तो यह तभी संभव है, जब उसके पास पैसा होगा। चमरा लिंडा ने कहा कि मंईयां योजना के पैसे से पीढ़ी दर पीढ़ी को बेहतर करने वाली योजना है। इस योजना से राज्य में व्यापक परिवर्तन आयेगा। आने वाले कल में झारखंड से गरीबी, कुपोषण और स्वास्थ्य बेतहर होगा। विधवा या वृद्धा पेंशन एकल योजना है। लेकिन मंईयां योजना का पैसा पूरे समाज के लिए है। एक महिला अगर बेहतर होगी तो पूरा समाज बेहतर होगा, लेकिन एक पुरुष बेहतर होता तो सिर्फ उसका घर बेहतर होता है।

रसोईयां और स्वास्थ्य सहियाओं के साथ भेदभाव का आरोप

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने सदन में सवाल उठाया कि रसोईयां और स्वास्थ्य सहियाओं को कम जबकि बिना काम करने वाली महिलाओं को अधिक लाभ क्यों दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस असमानता के कारण महिलाओं में विवाद उत्पन्न हो रहा है। भाजपा विधायक के सवालों का समर्थन करते हुए सत्ता पक्ष के कांग्रेस विधायक रामेश्वर उरांव ने भी अपनी ही सरकार से जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सैलरी काम के आधार पर और पेंशन प्रोत्साहन के लिए दी जाती है, लेकिन मंईयां योजना में बिना काम करने वाली महिलाओं को 2500 रुपये और काम करने वाली महिलाओं को कम राशि मिलना अनुचित है।

ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल झारखंड पुलिस का जवान समेत तीन गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ब्राउन शुगर कारोबार में शामिल झारखंड पुलिस का जवान समेत तीन व्यक्ति गिरफ्तार किए गए हैं। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए जैप का सिपाही रमीज रजा के अलावा राजा साहा और सुजीत कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके पास पुलिस ने 11.27 ग्राम ब्राउन शुगर, 1.98 लाख रुपया समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि गोंदा थाना क्षेत्र के धावननगर से गांधीनगर की तरफ आने वाल रोड से स्कूटी पर सवार लोगों के नशीला पदार्थ के कारोबार और लाने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान धावननगर से गांधीनगर की तरफ से आते एक स्कूटी को रोका गया। स्कूटी पर सवार दोनों युवक ने अपना अपना नाम रमीज रजा और राजा साहा बताया। विधिवत तलाशी लेने पर दोनों के पास ब्राउन शुगर बरामद हुआ। राजा साह के द्वारा ब्राउन शुगर ओमनगर, धावननगर के सुजीत कुमार के पास से लाने की बात बताने पर सुजीत कुमार के घर पर भी छापेमारी और तलाशी की गयी। तलाशी की कार्रवाई पर सुजीत कुमार के पास से ब्राउन शुगर और 1.98 लाख रूपया मिला। जिसे ब्राउन शुगर के कारोबार से उगाही करने को लेकर रुपए जब्त किए गए।

भाजपा ने अपना नेता चुनने के लिए सदन से किया वॉक आउट : शिल्पी नेहा तिर्की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने विधानसभा में भाजपा के वॉक आउट पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि भाजपा को किसानों की चिंता नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल का वॉक आउट केवल अपने नेता को चुनने के लिए था, जबकि राज्य के किसानों को मदद की जरूरत थी। मंत्री शिल्पी ने कहा,किसान की चिंता सिर्फ मौसम विभाग पर टिकी रहती है, अगर बारिश नहीं हुई तो ऋण की भरपाई कैसे होगी। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा 1 लाख क्विंटल बीज का वितरण किए जाने की जानकारी दी और कहा कि 36 प्रतिशत बीज की मांग इस वक्त सरकार पूरी कर रही है। शिल्पी ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने बिरसा पक्का चेक डैम योजना के तहत जल संचयन का काम शुरू किया है और कोल्ड स्टोरेज की स्थापना के लिए प्रक्रिया जारी है, जिससे किसानों को अधिक सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि छोटे कोल्ड स्टोरेज का प्रावधान भी रखा गया है और FPO/SHG गठन की प्रक्रिया चल रही है। मंत्री ने पशु धन योजना के तहत पलामू जिले में भेड़ वितरण की घोषणा की और कहा कि 5 रुपए प्रति लीटर प्रोत्साहन राशि राज्य के गोपालकों को दी जा रही है। यह भारत में ऐसा पहला राज्य है, जहां ऐसा किया जा रहा है। राज्य सरकार किसानों के साथ-साथ सहकारिता क्षेत्र में भी काम कर रही है और वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट के फॉमूर्ले पर काम कर रही है। शिल्पी ने कहा, अगर केंद्र सरकार राज्य का पैसा लौटाए तो हम बहुत कुछ कर सकते हैं।

राज्यपाल ने गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि खेलकूद अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देता है। यह शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल गुरुवार को धुर्वा स्थित झारखंड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने झारखंड गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा विभाग के जरिए अपने जवानों के स्वास्थ्य और मनोबल को बढ़ाने के लिए इस तरह के आयोजन की सराहना की। राज्यपाल ने गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा के जवानों की ओर से राज्य की आंतरिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन में निभाई जा रही भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे अग्निशमन कर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना आगलगी की घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार की ओर से झारखंड अग्निशमन विभाग को 150 करोड़ रुपये आवंटित किए जा रहे हैं, जिससे इस विभाग की तकनीकी दक्षता और प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। राज्यपाल ने विगत वर्ष राष्ट्रपति द्वारा वीरता पुरस्कार से सम्मानित अग्निशमन कर्मी को बधाई दी। राज्यपाल ने कहा कि झारखंड गृह रक्षा वाहिनी के जवान राज्य के विभिन्न प्रतिष्ठानों की सुरक्षा, ट्रैफिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रियाओं में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गृह रक्षकों के मानदेय में वृद्धि होने से उनके पारिवारिक जीवन और बच्चों की शिक्षा में सहायता मिल रही है।

शिक्षा और रोजगार के मुदों पर आइसा के शिष्टमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

रांची : गुरुवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन झारखंड की राज्य समिति के एक शिष्टमंडल ने राजभवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से भेंट की और राज्य में शिक्षा एवं रोजगार से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर एक ज्ञापन सौंपा। शिक्षा सुधार और रोजगार नीति की मांग शिष्टमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि झारखंड में स्थानीयता और नियोजन नीति को शीघ्र लागू किया जाए, ताकि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। साथ ही, परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कानून बनाने की मांग की गई। छात्रों के हितों को लेकर कई अहम सुझाव आइसा प्रतिनिधियों ने राज्यपाल से झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों में छात्र संघ चुनाव कराने, प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज और छात्रावास स्थापित करने, विश्वविद्यालयों में नियमित सत्र संचालन और छात्रवृत्ति का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

श्री राधा वल्लभ मंदिर में 10 मार्च को श्री श्याम फाल्गुन उत्सव

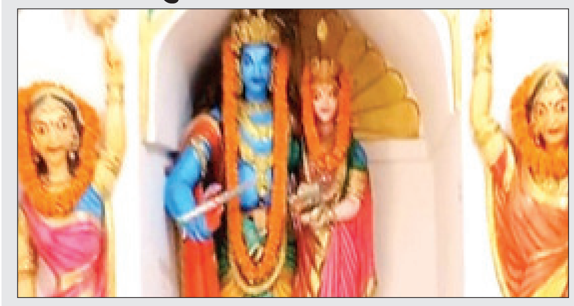

रांची: श्री श्याम संघ रांची की ओर से 10 मार्च को अपर बाजार स्थित श्री राधा वल्लभ मंदिर में भव्य श्री श्याम फाल्गुन उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर एकादशी के दिन निशान शोभा यात्रा निकाली जाएगी। संघ के अध्यक्ष कमलेश संचेती ने बताया कि उत्सव की शुरूआत सुबह 7 बजे गणेश पूजन से होगी। मुख्य यजमान निवर्तमान उप महापौर संजीव विजयवर्गीय अपने परिवार के साथ निशान पूजन करेंगे। इसके बाद मंदिर से 301 निशानों के साथ शोभा यात्रा निकलेगी, जो नगर भ्रमण के पश्चात अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर में समाप्त होगी। उसी दिन शाम सात बजे से श्री राधा वल्लभ मंदिर में श्याम प्रभु का नयनाभिराम शृंगार किया जाएगा और अखंड ज्योत प्रज्वलित करने के बाद सवामणि प्रसाद के साथ फूलों की होली होगी। उन्होंने बताया कि कोलकाता से आ रही प्रख्यात भजन गायिका प्रिया पोद्दार बाबा के दरबार में भजन प्रस्तुत करेंगी। रात में श्याम प्रभु को खीर चूरमा का भोग लगाया जाएगा। महा आरती के साथ महोत्सव का समापन होगा। श्री श्याम संघ के संरक्षक विष्णु लोहिया और अध्यक्ष कमलेश संचेती ने श्याम भक्तों से बढ़-चढ़कर भाग लेने का आग्रह किया है।

रांची में संविधान रक्षा सम्मान यात्रा कल

रांची: एससी, एसटी और ओबीसी सामाजिक संगठन के आरपी रंजन, पूर्व कमिश्नर डीसी दास, दशरथ चंद्र दास, राम लाल दास और गोवर्धन दास ने गुरुवार को प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि आठ मार्च को पुरानी विधानसभा मैदान से संविधान रक्षा सम्मान यात्रा निकाली जाएगी, जो शहर और गांव के विभिन्न मुहल्लों से होते हुए 14 अप्रैल तक जारी रहेगी। इस यात्रा के माध्यम से लोगों को संविधान के बारे में जागरूक किया जाएगा, क्योंकि आज संविधान पर छेड़छाड़ हो रही है। संविधान समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के आधार पर बनाया गया था। जिसमें समतामूलक समाज की स्थापना की गई थी। लेकिन आज समाज को तोड़ने का प्रयास हो रहा है। एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है और उनके संवैधानिक अधिकारों को समाप्त करने की साजिश रची जा रही है।

बरियातु रोड पर चला नगर निगम का बुलडोजर सड़क किनारे से गुमटी-दुकानें हटाई गई

रांची : रांची नगर निगम की इनफोर्समेंट टीम ने गुरुवार को बरियातु रोड पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत अवैध रूप से सड़क किनारे लगाए गए गुमटी और अस्थायी दुकानें हटाई गईं। निगम अधिकारियों ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में दोबारा अतिक्रमण किया गया तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान कई दुकानदारों ने विरोध जताने की कोशिश की, लेकिन नगर निगम की टीम ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई पूरी की। स्थानीय लोगों ने इस अभियान को समर्थन दिया और कहा कि अतिक्रमण से सड़क पर जाम की समस्या बढ़ती थी। नगर निगम ने साफ कर दिया है कि शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

राष्ट्रीय पार्टी बनने की दिशा में झामुमो, 14-15 अप्रैल को होगा महाधिवेशन

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा अब क्षेत्रीय दल की छवि से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार करने की रणनीति बना रहा है। इसी को लेकर 14 और 15 अप्रैल को रांची के खेलगांव में पार्टी का महाधिवेशन आयोजित किया जाएगा। झामुमो महासचिव विनोद पांडे ने बताया कि इस महाधिवेशन में झारखंड के साथ-साथ बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु, बिहार और छत्तीसगढ़ के 3,600 प्रतिनिधि शामिल होंगे। महाधिवेशन में बनेगी नई केंद्रीय समिति विनोद पांडे ने बताया कि महाधिवेशन की शुरूआत अंबेडकर जयंती से की जाएगी। इस दौरान झामुमो की केंद्रीय समिति को भंग कर नई समिति का गठन किया जाएगा। महाधिवेशन के लिए अप्रैल के पहले सप्ताह में प्रतिनिधियों का पंजीयन और शुल्क जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी। सदस्यता अभियान का नया लक्ष्य 60 लाख झामुमो ने इस बार सदस्यता अभियान का लक्ष्य 60 लाख रखा है, जो पिछले अभियान के 50 लाख से अधिक है। झामुमो महासचिव के अनुसार, पार्टी को लगातार बढ़ता जनसमर्थन मिल रहा है, जिसे देखते हुए इस बार सदस्यता अभियान को और विस्तृत किया गया है। संगठनात्मक ढांचे को किया जा रहा मजबूत झामुमो ने 16 जनवरी से पंचायत समिति से लेकर जिला समिति तक सभी संगठनात्मक इकाइयों को भंग कर दिया था। इसके बाद से नए सिरे से सदस्यता अभियान और संगठनात्मक ढांचे के पुनर्गठन का कार्य जारी है। 31 मार्च तक सभी जिला, ब्लॉक और मंडल कमेटियों का गठन पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। महाधिवेशन के बाद 15 अप्रैल से फिर से नया सदस्यता अभियान शुरू किया जाएगा।

एक नजर

गिट्टी लदे 407 मालवाहन गिरा कूएं में

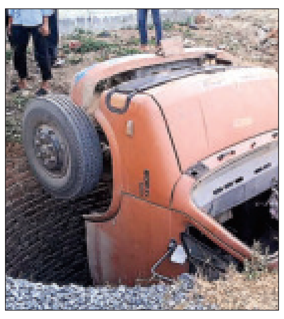

कसमार : थाना क्षेत्र के रांगामाटी गांव में गुरुवार को एक गिट्टी लदा 407 मालवाहक वाहन कुएं में गिर गया। घटना में वाहन चालक बाल-बाल बच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार कुएं के सामने सड़क पर पीसीसी ढलाई का कार्य चल रहा था। जिसके कारण मंजूरा की तरफ से आ रहा वाहन पीछे मोडकर डायवर्सन से होकर पार करना चाह रहा था। पीछे मोड़ने के क्रम में वाहन का पिछले हिस्से का दोनों चक्का कुएं में आ गया। जिससे गिट्टी भरा वाहन पीछे की ओर से कुएं में गिर गया। हालांकि कुएं में ज्यादा पानी नहीं था। कूंए में गिरने के साथ ही वाहन चालक सामने का ग्लास तोड़कर बाहर निकल आया। वाहन में सिर्फ चालक ही था। बता दें कि ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल बोकारो की ओर से मंजूरा कालेज मोड़ से रांगामाटी तक पथ का मजबूती एवं मरम्मतीकरण कार्य किया जा रहा है। रांगामाटी में पीसीसी ढलाई किया जा रहा है। जिसके कारण वाहन डायवर्सन से होकर पार हो रहे हैं।

रेलवे स्टेशनों पर संताली भाषा में नामपट्ट और उदघोषणा की मांग

बोकारो : आदिवासी सेंगेल अभियान की तरफ से बोकारो सेंगेल जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू के नेतृत्व में संताली भाषा के ओलचिकी लिपि से रेलवे स्टेशनों में नामपट्ट अंकित और उदघोषणा के लिए बोकारो स्टील सिटी स्टेशन मैनेजर अजय कुमार हालदर के मार्फत आद्रा रेलवे मंडल प्रबंधक के नाम ज्ञापन पत्र सुपूर्द किया। बोकारो सेंगेल जिला अध्यक्ष सह बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने कहा कि झारखंड राज्य के बोकारो जिला के आद्रा जोन के शेष रेलवे स्टेशन बोकारो स्टील सिटी,तुपकाडीह और राधागांव स्टेशन के इर्द गिर्द क्षेत्रों में संताली भाषा-भाषी प्रेमी लोगों का निवास है। अत : आपसे आग्रह है कि इन रेलवे स्टेशनों में संताली भाषा के ओलचिकी लिपि से रेलवे स्टेशन में नामपट्ट अंकित किया जाए एवं संताली भाषा से उदघोषणा की व्यवस्था की जाए। इससे संताली भाषा का बढ़ावा और उदघोषणा से जन उपयोगी होगा। संताली भाषा 22 दिसंबर 2003 को आठवीं अनूसूची में शामिल राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त भाषा है। संताली भाषा कि महान उपलब्धि में संताली भाषा मोर्चा का योगदान ऐतिहासिक रहा है। जिसका नेतृत्व सेंगेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू ने किया था।

रैयतों की मांगों पर त्रिपक्षीय वार्ता, 25 मार्च तक समाधान का आश्वासन

बोकारो : शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत टाईगर फोर्स नेता अविनाश सिंह के नेतृत्व में स्थानीय रैयतों द्वारा नियोजन की मांग को लेकर ईस्टर्न इंडिया सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के समक्ष अनिश्चितकालीन गेट बंदी किया जा रहा था जिसके बाद कंपनी प्रबंधक, जिला प्रशासन के दंडाधिकारी एवं रैयत नेतृत्वकर्ता अविनाश सिंह के साथ त्रिपक्षीय वार्ता हुई। जिसमें कंपनी प्रबंधन द्वारा 25 मार्च तक मांगो को लेकर सकरात्मक पहल किया जायेगा अगर कम्पनी मांगे नही मानती है तो उग्र प्रदर्शन किया जायेगा मुख्य रूप से उपस्थित टाईगर फोर्स नेता संजय रजक, जितेंद्र गोस्वामी, मिंटु चक्रवर्ती, समर ठाकुर, संजय महतो, अमन मण्डल , रोशन ,सहित सैकड़ो युवा साथी उपस्थित हुए।

ईएसआईसी से बाहर स्किल्ड मजदूरों के ईलाज की व्यवस्था जल्द करेगा बीएसएल : राजेंद्र

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : इस्पात संयंत्र प्रबंधन के नकारात्मक नीतियों के खिलाफ क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ द्वारा चरणबद्ध आन्दोलन के प्रथम चरण मे आहुत 7 मार्च के हड़ताल के मद्देनजर लगातार तीन दिनो तक चली युनियन एवं प्रबंधन की वार्ता में आखिरकार अधिशासी निदेशक के हस्तक्षेप के बाद सहमती के साथ खत्म हुई। वार्ता दौ दिन मुख्य महाप्रबंधक कार्यालय पर हुई, जिसमे प्रबंधन की ओर से मुख्य महाप्रबंधक मानव संसाधन के साथ, महाप्रबंधक प्रभारी, संकार्य, महाप्रबंधक ठेका मजदूर प्रकोष्ठ संकार्य, महाप्रबंधक सी एण्ड आई. टी,अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, बोकारो जेनरल

अस्पताल, महाप्रबंधक सुरक्षा विभाग, सहायक महाप्रबंधक औद्योगिक संबंध तथा वरीय प्रबंधक, औद्योगिक संबंध मौजूद रहे वहीं युनियन की ओर से महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस राजेंद्र सिंह के साथ आर.के.सिंह, रमेश राय, शशिभूषण, सुभाष चंद्र कुंभकार और विपिन कुमार सिंह शामिल रहे। पहले दोनो दिनो की वार्ता बेनतीजा रही,अधिकारियो के सभी प्रस्ताव को युनियन ने ठुकराते हुए कहा कि बैठक मे टालमटोल नहीं चलेगा, ठोस और निर्णायक प्रस्ताव है तो सहमती होगी अन्यथा हड़ताल, फैसला आपका। फिर आज अधिशासी निदेशक के नेतृत्व में प्रबंधन तथा महामन्त्री के नेतृत्व में पुनः वार्ता हुई। एक तरफ वार्ता चल रही थी तो दूसरी तरफ हड़ताल की सफलता हेतु कोक ओवन एवं धमन भट्ठी के मजदूर फ्लैग मार्च कर रहे थे। आखिरकार 1 बजे दिन में वार्ता खत्म हुई। वार्ता के उपरान्त श्री सिंह ने दोनो विभागो मे जाकर मजदूरो को संबोधित करते हुए कहा कि आपकी एकता ने फिर जीत हासिल की है।मेडिकल चेकअप के काले कानून के आड़ में जो मजदूरो को काम से बैठाने षड्यंत्र चल रहा था अब खत्म हो गया, ई डी वर्कस ने साफ शब्दो मे कहा है आप प्लांट चलने दीजिए प्रबंधन की ओर से मेरा वादा है कि एक भी मजदूर मेडिकल चेकअप के कारण काम से बाहर नहीं होगा। हम घोषणा करते हैं कि आज से मेडिकल चेकअप का गेट पास से किसी प्रकार का लिंक नहीं रहेगा। ईएसआईसी की सीमा से बाहर हो चुके मजदूरो के ईलाज पर भी सहमती बन गई है,प्रबंधन ने वादा किया है कि मार्च तक अगर ईएसआईसी 21000/ रुपए की सीमा को आगे नहीं बढ़ाती है तो अप्रैल से मजदूरो के ईलाज की जवाबदेही बोकरो स्टील प्लांट की होगी। वहीं इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम पर बोलते हुए श्री सिंह ने कहा कि प्रबंधन ने वादा किया जितना जल्द हो सकता है हम नवीकृत इन्सेंटिव रिवार्ड स्कीम को लागू करेंगे। वार्ता के दौरान हीं ई.डी वर्क्स ने कमिटी से फोन से बात कर जल्द से जल्द निर्णय लेने का आदेश भी दिया।

बोकारो स्टील कर रहा गरगा से जलकर की अवैध वसूली : मंटु यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य मंटू यादव ने राज्य के जल संसाधन मंत्री मो. हफिजुल हसन को ज्ञापन सौंपकर बोकारो स्टील (सेल) द्वारा जल संसाधन का अनुचित दोहन और जलकर की अवैध वसूली का मुद्दा उठाया है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई की जाए ताकि राज्य के जल संसाधनों का उचित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। बोकारो स्टील ने गरगा नदी पर बिना राज्य सरकार की अनुमति के डैम का निर्माण किया और इसके परिणामस्वरूप, जलकर की अवैध वसूली की जा रही है। यह वसूली लंबे समय से राज्य सरकार और जिला प्रशासन की अनुमति के बिना जारी है। इसके अलावा, वर्ष 2011 में तत्कालीन उपायुक्त अमिताभ कौशल ने जब इस मामले की जांच कराया तो बोकारो स्टील पर 400 करोड़ रुपये का बकाया जलकर पाया गया था, जो अब बढ़कर 600 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। सरकार को राशि देने के बजाय बोकारो स्टील ने जलकर जमा करने के बजाय इस मुद्दे को उच्च न्यायालय में लंबित करवा दिया, और बिना किसी सरकारी अनुमति के गरगा डैम का संचालन रेलवे को सौंप दिया, जिससे राज्य सरकार का राजस्व सीधे रेलवे और सेल के अधिकारियों के हाथों में चला गया है।

बिना ठोस कारण के रिजेक्ट नही करें पीएम-एफएमई व अन्य योजना के आवेदन : एडीएम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री पीयूष सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना (पीएम विश्वकर्मा), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएम-एफएमई) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। पीएम-एफएमई योजना की समीक्षा करते हुए एडीएम ने शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने बैंक वार लंबित आवेदनों की समीक्षा की। बिना किसी ठोस कारण आवेदन रिजेक्ट नहीं करने तथा अधिक से अधिक लाभुकों को इस योजना से लाभान्वित करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभाग और बैंक के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। जिससे जिले में

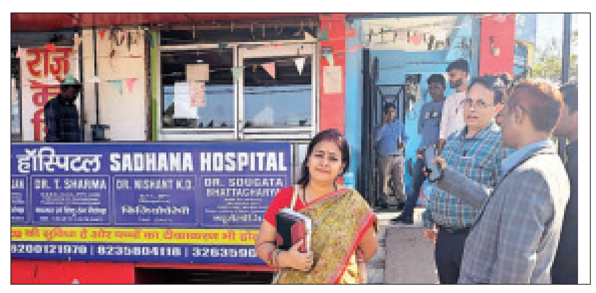

योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए लाभार्थियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जा सकें। वहीं पीएम विश्वकर्मा योजना की समीक्षा कर लाभुकों के निबंधन से संबंधित कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने फर्स्ट स्टेज पर मुखिया के लॉगिन में लंबित आवेदन की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ ही सभी आवेदनों को समय पर फॉरवर्डिंग करने के लिए मुखिया को आवश्यक निर्देश देने की बात कही। एडीएम ने पीएम विश्वकर्मा योजना की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह योजना जिले के हजारों कारीगरों और शिल्पकारों को उनकी पारंपरिक कला और विरासत को संरक्षित करने में मदद करेगी। योजना कारीगरों को विश्वकर्मा के रूप में मान्यता देने में सहायक होगी और उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएगी।

नेतृत्व क्षमता विकसित करने को लेकर प्रशिक्षण आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : लड़कियों का नेतृत्व क्षमता विकास के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण का आयोजन आज सहयोगिनी द्वारा आज कसमार के खैराचातर पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने कहा कि लड़कियों को सरकारी योजना से जोड़ना हमसभी स्टेकहोल्डर की जिम्मेदारी है। किशोरियों के पास जानकारी का अभाव होने के कारण जीवन में आगे नहीं बढ़ पा रही है। सहयोगिनी द्वारा दिया जा रहा लाइफ स्किल प्रशिक्षण से उन्हें जीने के तरीको की जानकारी मिल रहा है तथा उन्हें अपने भविष्य में आगे बढ़ने में काफी मदद मिलेगा। प्रशिक्षक प्रेम कुमार महतो ने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से लड़कियां अपना भविष्य में सफलता प्राप्त कर सकती है। सहयोगिनी समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि कसमार प्रखंड के 7 पंचायत के 30 गांव में किशोरी क्लब बनाकर उनके नेतृत्व क्षमता विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। साथ ही उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने तथा उनके साथ महिला हिंसा रोक थाम पर काम किया जा रहा है। एनिमेटर प्रतिमा सिंह ने कहा कि किशोरियों का क्षमताविकास हेतु प्रशिक्षण, किशोरी क्लब का संचालन, कानूनी प्रशिक्षण, पियर लीडर के माध्यम से गतिविधि जैसी विभिन्न गतिविधिया आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम के दौरान समन्वयक प्रकाह कुमार महतो, अनुष्का राय, वैष्णवी कुमारी ,सूजा कुमारी, न्यासा खुशी, बरसा कुमारी, एकता कुमारी, सानिया सोम, टिंकी कुमारी, मालती कुमारी आदि उपस्थित थी।

जगदंबा ज्वेलर्स में चोरी की घटना का खुलासा, एक गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 1, राम मंदिर के पास जगदंबा ज्वेलर्स में अज्ञात चोरों द्वारा सेंधमारी कर लाखों का ज्वेलरी चोरी कर लिया गया है। बोकारो पुलिस ने उद्भेदन करते हुए सोनु कुमार पिता रामानन्द सिंह सा० सेक्टर 1सी विकास नगर थाना बी०एस० सिटी जिला बोकारो को गिरफ्तार किया जो सेक्टर 1 में राशन का दुकान चलाया करता था.. सोनू के द्वारा इस काण्ड में अपनी संलिप्ता को स्वीकार किया गया और बताया कि ये अपने पिताजी का करीब 9 लाख रूप्या, ऑनलाईन गेम खेलने में हार गये थे... इस बात की जानकारी घर वालों को नहीं थी। और हारे हुए पैसे की भरपाई करने के लिए यह अपने दुकान के नजदीक जगदम्बा ज्वेलर्स में चोरी करने का योजना बनाया और अकेले ही जगदम्बा ज्वेलर्स में सेंधमारी कर जेवरात की चोरी की और अपने दुकान के नजदीक पुराने

फल दुकान में छुपाकर रख दिया। ताकि सही समय पाकर चुराये जेवरात को बेच सके। इसके बयान के आधार पर जगदम्बा ज्वेलर दुकान में चोरी गये सभी जेवरातों को बरामद कर लिया गया। इस काण्ड का उद्भेदन एवं चोरी गये जेवरातों की बरामदी हेतु पुलिस अधीक्षक बोकारो मनोज स्वर्गीयारी द्वारा पुलिस उपाधीक्षक नगर आलोक रंजन के नेतृत्व में एस०आई०टी० का गठन किया गया। एस०आई०टी० टीम द्वार गुप्त सूचना एवं तकनिकी साक्ष्य के आधार इसकी गिरफ्तारी हो सकी। अपराधी का पुराना अपराधिक इतिहास रहा है।

उपायुक्त ने रजिस्टरी ऑफिस की जर्जर हालत पर जताई चिंता, नए एसडीओ ऑफिस में शिफ्ट करने की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के उपायुक्त जाघव विजया नारायण राव से मिले बोकारो विकास फोरम के अध्यक्षअनिल सिंह कांग्रेस के वरीय नेता रास नारायण सिंह समाजसेवी धनंजय सिंह उपायुक्त ने कहा जिले में रजिस्टरि ऑफिस काफी जर्जर होने के कारण उस कार्यालय को नए एसडीओ ऑफिस में शिफ्ट करना चाहती हूं जहां पर लोग अपनी धर्मपत्नी के नाम पर रजिस्ट्री कराने आते और सरकार को लाखों में राजस्व देते हैं वहां ना तो महिलाओं को शौचालय पानी और ना ही बैठने का व्यवस्था है जहां घंटों महिलाओं को लाइन में खड़ा

रहना पड़ता है मैं एक महिला उपायुक्त हूं महिलाओं का दर्द समझते हुए जर्जर निबंधन कार्यालय को नए अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में शिफ्ट करना चाहती थी जिसमें बोकारो विधायक ने हस्तक्षेप कर कहा कि बिना मुझसे पूछे आप निबंधन कार्यालय कैसे वहां ले जा रही हैं जिस पर उपायुक्त महोदय विधायिका जी को बताया कि मैडम कार्यालय का हालत काफी जर्जर हो चुका है कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है हमारी जिम्मेवारी है और पुराने कार्यालय में ना तो महिलाओं को बैठने पानी और शौचालय की व्यवस्था है यह सारी आधुनिक सुविधा से नया निबंधन कार्यालय सुसज्जित है मैं चाहती हूं कि नए कार्यालय का भी उद्घाटन आप ही के द्वारा करवाया जाए लेकिन इस पर बोकारो विधायक ने अपनी असहमति और कहा कि निबंधन कार्यालय वहीं रहेगा और हमारे अनुमति के बगैर कोई परिवर्तन नहीं होगा बोकारो विकास फोरम के अध्यक्ष अनिल सिंह ने कहां की बोकारो में पहली बार कोई महिला जिला उपायुक्त अच्छी सूझबूझ और जनहित में सही फैसला लेने वाली है जो विकास के साथ-साथ अपने कार्यकाल में गंगा जमुना तहजीब के साथ जिले में आपसी भाईचारा और प्रेम के साथ सुहादपूर्ण वातावरण में चुनाव के साथ-साथ त्योहार भी बिना किसी दबाव के शांतिपूर्ण वातावरण से निकलती है जिसके कारण बहुत सारे राजनेताओं के आंख की किरकिरी बनी हुई है लेकिन बोकारो उपायुक्त के साथ बोकारो जिला की पूरी जनता खड़ी है हम राज्य सरकार को बोकारो उपायुक्त की सारी उपलब्धियां की जानकारी बहुत जल्द विधानसभा अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री से मिलकर देंगे।

संक्षिप्त खबरें

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने शुरू किया देशव्यापी मेगा एमएसएमई आउटरीच अभियान

धनबाद : भारत सरकार के विकसित भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने गुरुवार से देशव्यापी मेगा एमएसएमई आउटरीच अभियान की शुरूआत की। इस अभियान का उद्घाटन पशुपति नाथ सिंह द्वारा चंद्रशेखर अग्रवाल, अमरेश सिंह, दीपमाला लकड़ा की उपस्थिति में धनबाद में किया गया। इस अभियान के अंतर्गत बैंक के उद्यमिता को प्रोत्साहित करने वाले एमएसएमई उत्पादों को प्रदर्शित किया गया, जिनमें एमएसएमई सुपरफास्ट, युवाशक्ति, यूनियन नारीशक्ति एवं अन्य योजनाएं शामिल हैं। साथ ही, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और वित्तीय समावेशन पहलों की भी जानकारी दी गई। इस आयोजन में 400 से अधिक उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजीएस) एवं अन्य संगठनों ने भाग लिया। बैंक द्वारा कुल 25 करोड़ राशि के ऋण स्वीकृत किए गए, जिससे राज्य के विकास लक्ष्यों के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, धनबाद क्षेत्र, सभी छोटे एवं मध्यम उद्यमियों को निरंतर समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस अभियान के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है।कार्यक्रम में क्षेत्रीय कार्यालय धनबाद से उप क्षेत्र प्रमुख उमेश चंद्र, मुख्य प्रबंधक आनंद कुमार, मुख्य शाखा प्रबंधक धनबाद शाखा सोनल गौतम, शाखा प्रबंधक डीजीएमएस शाखा अरविंद कुमार सिंह, शाखा प्रबंधक लुबी सर्कुलर रोड शाखा अनिल कुमार एवं धनबाद के अन्य सारे शाखा प्रमुख उपस्थित थे।

होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन यदुवंशी परिवार ने दी होली की अग्रिम बधाई

बोकारो : दूंदीबाग बाजार में होली मिलन समारोह का आयोजन यदुवंशी परिवार की और से किया गया इस मौके पर समिति की सदस्याओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली की अग्रिम बधाई व शुभकामनाएं दीं। होली गीतों का गायन भी हुआ। सभी ने होली गीत पर नृत्य भी प्रस्तुत किए। यदुवंशी परिवार के सदस्य अवधेश यादव ने कहा कि होली समाज में प्रेम व सदभावना को बढ़ावा देने वाला त्योहार है। यह त्यौहार आपसी भाईचारो का प्रतीक है। होली में सभी लोग एक ही रंग में रंग जाते हैं जिससे या पता नहीं चलता कि कौन किस जाति व धर्म का है यह एक मेल एवं आपसी सौहार्द का त्यौहार है इसलिए हम लोग प्रत्येक वर्ष या कार्यक्रम आयोजित करते हैं हम सब एक रंग में रंग जाते हैं फ्री में और हमारे देश और समाज की यही खूबसूरती है। इस होली मिलन में बोकारो जिला के सभी खटाल के लोग सम्मिलित हुए हैं। इस कार्यक्रम में अवधेश यादव, विनोद यादव, विजय यादव अखिलेश यादव विजय यादव शंभू यादव वकील यादव संजय यादव तिलेश्वर यादव लाल यादव विधान यादव रामपानी यादव अवधेश कुमार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

बीएसएल के आरएमएचपी विभाग में टिपलर नंबर 3 का किया गया नवीनीकरण

बोकारो : आरएमएचपी विभाग के नवीनीकृत टिपलर नंबर 3 का उद्घाटन अधिशासी निदेशक सी आर महापात्रा के द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य महाप्रबंधक धनञ्जय कुमार, मुख्य महाप्रबंधक श्री पी के बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश तिवारी, मुख्य महाप्रबंधक पीताम्बर चौधरी, मुख्य महाप्रबंधक शालिग्राम सिंह, मुख्य महाप्रबंधक जे वी शेखर, के साथ आरएमएचपी विभाग के वरीय अधिशासी कर्मचारीगण तथा संविदाकर्मी उपस्थित थे। उद्घाटन के बाद आरएमएचपी विभाग में टिपलर नंबर 3 का आज से सुचारू एवं सुरक्षित संचालन का शुभारम्भ हो गया है। आरएमएचपी विभाग में कुल पांच टिपलर का उपयोग होता है तथा कोयले के अलावा इस्पात उत्पादन की प्रक्रिया के उपयोग में आने वाले सभी तरह के कच्चे मॉल जैसे कि आइरन ओर, लाइम स्टोन, डोलोमाइट, पैलेट, सिंटर इत्यादि को आरएमएचपी विभाग में रेलवे वैगन के द्वारा लाया जाता है। टिपलर्स के द्वारा रेलवे वैगन के कच्चे माल को हॉपर में डालते हैं, जहां से बे-फीडर के द्वारा इसका अलग अलग बेड्स में ब्लैंडिंग और स्टैकिंग्स किया जाता है। ब्लेंडेड कच्चे माल को ब्लास्ट फर्नेस, सिंटर प्लांट या आरएमपी विभाग की जरुरत के हिसाब से इसे कन्वेयर बेल्ट के द्वारा संबंधित विभाग तक पहुंचाया जाता है. वर्ष 2025 के जनवरी माह में आरएमएचपी विभाग ने 10,18,791 टन कच्चे मॉल का डिस्पैच कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। 10 फरवरी को टिपलर नंबर 3 को कैपिटल रिपेयर के लिए शटडाउन में लिया गया था तथा आरएमएचपी के मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और ऑपरेशन सेक्शन के अलावा बी एस एल के जनरल मेंटेनेंस, हैवी मेंटेनेंस, ट्रैफिक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग आदि के टीम भावना के साथ पुरे सामंजस्य के साथ काम करके आज इसे संचालित किया गया।

होली मिलन समारोह अनेकता मे एकता को दर्शाता है : बिके चौधरी

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज कार्यालय सेक्टर-9 मे आज युनियन एवं सखा सहयोग सुरक्षा समिति का संयुक्त बैठक महामंत्री बि के चौधरी के अध्यक्षता मे हुआ। जय झारखंड मजदूर समाज एवं सखा सहयोग सुरक्षा समिति के पदाधिकारीयों ने सर्व धर्म होली मिलन समारोह और रमजान के पवित्र महिना मे दावत ए इफ्तार का भव्य आयोजन पर बिचार बिमर्श किया एवं अपने अपने बिचार ब्यक्त किया। महामंत्री बि के चौधरी ने अपने सम्बोधन मे कहा कि निश्चित रूप से समाज के अनेकता को एकता का शूत्रधार होली मिलन जैसे अनेक कार्यक्रम समाज मे होता रहा है जिसमे सखा सहयोग सुरक्षा समिति बर्ष 1996 से इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन करता रहा है समाजिक दायित्वों का निर्वाहन मे अपनी भूमिका देते रहा है। जिसके लिए जय झारखंड मजदूर समाज और सखा सहयोग सुरक्षा समिति के नेता और कार्यकर्ता धन्यवाद के पात्र हैं ।

एक नजर

जमीन विवाद में हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास

कोडरमा : जमीन विवाद में टांगी से मारकर हत्या करने के मामले की सुनवाई करते हुए अपर जिला और सत्र न्यायाधीश तृतीय राकेश चंद्रा की अदालत ने आरोपित शाहिद खान (42) को गुरुवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 10 हजार जुमार्ना लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर छह माह अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में अजारूल हक, मकसूद खान, गुलाम मुस्तफा खान, नदीम खान एवं फिरोजा खातून को बरी कर दिया। यह मामला वर्ष 2021 का है। इसे लेकर जयनगर थाना में मृतक की बेटी नगमा बाहर एवं मृतक की पत्नी परवीन बेगम ने मामला दर्ज कराया था। जयनगर थाना कांड संख्या 86/ 2021 दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक शिवशंकर राम ने किया। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता अनवर हुसैन ने दलीलें पेश की।

मंईयां योजना की तरह दिव्यांग, विधवा और वृद्धों को भी मिले राशि : डॉ नीरा

कोडरमा : राज्य में मंईयां सम्मान योजना की तरह दिव्यांग, विधवा और वृद्धों को भी 2500 प्रति महीने की राशि मिलनी चाहिए। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने गुरुवार को विधानसभा में इस आशय की मांग करते हुए सवाल किया कि इनसे राज्य की हेमंत सरकार की क्या दुश्मनी है। उन्होंने आरोप लगाया कि दरअसल लोगों को लॉलीपॉप देकर हेमंत सरकार ठगती रही है। सरकार को चाहिए कि मंईया सम्मान योजना की तरह ही सभी दिव्यांग, विधवा और वृद्धों को भी पेंशन का भुगतान करे। एक अन्य मामले में उन्होंने कहा कि जब राज्य की हेमंत सरकार सवालों पर या जनमुद्दों पर जवाब नहीं दे पाती तो सिर्फ केंद्र पर बकाया का भ्रम फैलाती है। यदि बकाया है तो विपक्ष भी साथ देने को तैयार है, पर हकीकत यही है कि पब्लिक सेक्टर उपक्रम पर कथित बकाया को केंद्र पर बकाया बताकर जनता को भरमाने का काम किया जा रहा है।

पशुपालन, गव्य विकास, मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को दें केसीसी का लाभ : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले के वैसे किसानों को केसीसी का लाभ मिलना चाहिए, जो पशुपालन, गव्य विकास और मत्स्य पालन से जुड़े हुए हैं। यह बातें गुरुवार को समाहरणालय सभागार में बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कही। कृषि और अन्य संबद्ध विभागों की ओर से किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान डीसी ने वर्ष 2024- 2025 में सभी संबंधित विभागों की योजनाओं की अद्यतन जानकारी ली और अब तक किए गए कार्यों में व्यय की समीक्षा की। उन्होंने कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी परियोजना निदेशक से ली गई। डीसी चंदन कुमार ने किसानों को योजनाओं से जोड़ने और जागरूक करने के लिए परियोजना निदेशक को कृषि मेला आयोजित करने का निर्देश दिया। कृषि योजना के तहत खरीफ फसल योजना 2024 - 25 में चल रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में संबंधित अधिकारियों को योजना पर विशेष ध्यान देते हुए अभियान मोड में योग्य लाभुकों को योजना से जोड़ने को कहा। झारखंड कृषि ऋण माफी योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने लंबित ई केवाईसी का कार्य तत्काल रूप से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उपायुक्त ने पीएम किसान योजना के तहत स्वयं से पंजीकरण करने वाले लाभुकों की जांच कर स्वीकृति देने तथा उनका ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड उपलब्ध कराने के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मत्स्य पालन से जुड़े किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड के लाभ से आच्छादित करने को कहा। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना सहित पशुपालन से जुड़ी अन्य योजनाओं के लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने को लेकर जिला अग्रणी प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के अलग-अलग क्षेत्र में निर्मित कोल्ड स्टोरेज, मिनी कोल्ड स्टोरेज की जानकारी लेने के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी को वर्तमान में कोल्ड स्टोरेज संबंधित कई निर्देश दिया। उपायुक्त ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को मत्स्य पालन से जुड़े लाभुकों को केसीसी उपलब्ध कराने तथा जिले के अलग-अलग खनन प्रभावित क्षेत्रों में बंद पड़ी खदानों में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए माइनिंग कोलपिट की पहचान कर संबंधित प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने उद्यान, मत्स्य, भूमि संरक्षण सहित अन्य कृषि संबद्ध विभागों की ओर से विगत वित्तीय वर्ष तथा वर्तमान वित्तीय वर्ष में किया गए कार्यों एवं लक्ष्य के अनुरूप प्राप्ति सुनिश्चित करने को लेकर महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त रॉबिन टोप्पो, कृषि और अन्य संबद्ध विभागों के जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मारशली पहाड़ को पर्यटन स्थल का रूप दिया जाय : राजेश कच्छप

अनगड़ा : मार्शली पहाड़ रांची का एक पर्यटन स्थल के रूप मे जाना जाता है। जो पूरे देश और यहां तक कि विदेशों से भी लोगों को आकर्षित करता है और अपने आश्चर्यजनक दृश्यों, शांत वातावरण और हरे-भरे वातावरण के लिए जाना जाता है। वर्ष 2021 में मेरे अनुशंसा द्वारा इसे राज्य स्तरीय पर्यटन स्थल का दर्जा दिया गया है। चार वर्ष बीत चुके लेकिन उक्त स्थल पर किसी भी प्रकार का पर्यटन, कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के द्वारा विकसित कार्य नहीं किया गया। आज बजट सत्र पर सदन में शून्य काल के दौरान पुनः मामले को संज्ञान में दिया और विधायक राजेश कच्छप ने आसन के माध्यम सरकार से मार्शली पहाड़ को विकसित करने की मांग रखा।

असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे अटल बिहारी वाजपेयी : अजय मारू

खूंटी : भाजपा के कार्यालय खूंटी में अटल बिरासत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनसंघ काल, 74 आंदोलन और वनांचल आंदोलन से जुड़े हुए लोगों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू उपस्थित थे। मौके पर मारु ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी विराट व्यक्तित्व, ईमानदार, कुशल नेतृत्वकर्ता कहा जाए तो वे असाधारण व्यक्तित्व के धनी थे। 25 दिसंबर 1924 में उनका जन्म हुआ था। मात्र 18 वर्ष की उम्र में राजनीति में आ गए थे। 1942 में जब भारत छोड़ो आंदोलन हुआ तब अटल वाजपेयी को उस वक्त 24 दिनों के लिए जेल में रहना पड़ा। आरंभ से वे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता से ओतप्रोत थे। वे अपना आरंभिक जीवन एक पत्रकार के रूप में शुरू किया था। राष्ट्र धर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन जैसे अखबारों का संपादन किया था। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर से अटल वाजपेयी पहली बार चुनाव जीतकर आए और 9 बार हमारे महान देश के सांसद बन कर रहे। वह भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य तो थे ही 1968 से 1972 तक जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रहे। 1975 में जब देश में इमरजेंसी लागू हुआ अटल वाजपेयी को कई महीने जेल में रहना पड़ा। 1977 में जब जनसंघ और समाजवादी विचारधारा के जनता दल की गैर कांग्रेसी सरकार का गठन हुआ तब प्रधानमंत्री के रूप में मोरारजी देसाई बने। मोरारजी देसाई मंत्रिमंडल में अटल वाजपेयी को विदेश मंत्री का प्रभार दिया गया।

वाजपेयी के जीवन का एक-एक क्षण था राष्ट्र को समर्पित : यदुनाथ पांडेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

लोहरदगा : भाजपा की ओर से खेमराज स्मृति धर्मशाला में गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर अटल विरासत सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अटल वाजपेयी की तस्वीर पर पुष्प चढ़ाकर और दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित जनसंघ और अटल वाजपेयी के साथ पार्टी संगठन में कार्य कर चुके लगभग एक सौ वरिष्ठ कार्यकर्ताओ को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि हजारीबाग के पूर्व सांसद यदुनाथ पांडेय ने कहा कि अटल जी के जीवन का एक - एक क्षण राष्ट्र को समर्पित था। उनके विचार में राष्ट्र हमेशा सर्वोपरी रहा। वाजपेयी एक ऐसे राजनेता थे जो सर्वमान्य थे। उन्होंने 24 दलों को लेकर सहज तरीके से सरकार चलाई। पांडेय ने कहा कि अटल वाजपेयी का कृतत्व एवम ब्यक्तित्व की जितनी तारीफ की जाय कम है। वे निश्छल, निष्कपट, सरल, सहज, सादगी और अग्रसोची स्वभाव के धनी थे। अटल वाजपेयी हमेशा परिवार वाद से ऊपर उठ कर राष्ट्र के लिए काम किया। उन्होंने बिना किसी का परवाह किये निर्भीक हो कर परमाणु परीक्षण कर देश को शक्तिशाली राष्ट्र की पंक्ति में खड़ा किया। पांडेय ने अपने संबोधन में अटल वाजपेयी के साथ बिताए पलों को संस्मरण करते हुए कहा कि उनके जीवन से हमे ऊर्जा मिलती है। अटल ने लोगो की भावनाओ को समझते हुए एक साथ तीन राज्यो को अलग कर उनकी मुराद पूरी की। उन्होंने कहा कि अटल वाजपेयी के जरिये किये गए कार्य की लिस्ट बहुत लंबी है। जो कार्य उनके द्वारा अधूरी रह गयी उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरी कर रहे है। मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

जुबली पहाडी में लगी भीषण आग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

गिरिडीह : सीसीएल बनियाडीह स्थित कोलियरी के जुबली पहाड़ी में गुरुवार को भीषण आग लग गई ।गुरुवार की दोपहर लगी आग धीरे-धीरे पहाड़ी के कई हिस्सों में फैल गई । आग की लपटे पहाड़ी के ऊपर स्थित मैगजीन हाउस तक पहुंचने लगी, जिसके बाद जिला प्रशासन और सीसीएल प्रबंधन सक्रिय हुआ तुरंत अग्निशमन विभाग को दलबल के साथ भेजा गया। मौके पर पहुंची दमकल की टीम आग को बुझाने में लगी । बताया गया कि जिस पहाड़ी में आग लगी है उस इलाके में वन विभाग के जरिये हजारों पौधे लगाए गए पौधे झुलस गए है। एक अनुमान के अनुसार आग लगभग दो किलोमीटर एरिया में लगी है । बताया गया कि जुबली पहाड़ी का इलाका काफी संवेदनशील है। पहाड़ के ऊपर में सीसीएल का मैगजीन हाउस है, जहां पर बारूद रखा जाता है । पहाड़ की तलहटी में सीसीएल डीएवी पब्लिक स्कूल अवस्थित है । दमकल कर्मियों ने बताया कि शरारती तत्वों की ओर से यह आग लगाई गई है जो धीरे-धीरे फैल गई।

कार्यालय, जिला शिक्षा अधीक्षक, गुमला

अत्यावश्यक सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि जिले के सभी राजकीयकृत प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों के ग्रेड–4 में प्रोन्नति हेतु दिनांक 10.01.2025 को अपलोड की गयी वरीयता सूची पर शिक्षकों द्वारा की गयी दावा/आपत्ति का निराकरण कर शिक्षकों को सूचनार्थ प्रति अधिकारिक वेबसाईट https://gumla.nic.in पर अपलोड कर दिया गया है।

जिला शिक्षा अधीक्षक,
गुमला

PR 347956 Jharkhand Education Project Council (24-25)_D

कार्यालय, उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी, रॉंची (खनन शाखा)

निदेशानुसार एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के खान निरीक्षक द्वारा रांची जिला के पुन्दाग ओ0पी0 थानान्तर्गत मौजा–पुन्दाग के मौर्या एलाईट के पीछे अवैध रुप से भण्डारित 3000 (तीन हजार) घनफीट एवं बेड़ो थानान्तर्गत घाघरा पंचायत के डुमरदोन बस्ती में (Lat-23.257549N, 84.926269E) में अवैध रुप से भण्डारित 15000 (पन्द्रह हजार) घनफीट बालू खनिज को जप्त करने के फलस्वरुप झारखण्ड लघु खनिज समनुदान नियमावली, 2004 यथा संशोधन नियमवली, 2017 एवं झारखण्ड लघु खनिज समनुदान (संशोधन) नियमावली, 2019 के नियम 54A के तहत जो जहाँ है उसी स्थिति में आम निलामी दिनांक 19.03.2025 को समय 03:00 बजे अपराह्न में अपर समाहर्त्ता (नक्सल), रॉंची की अध्यक्षता में समाहरणालय ब्लॉक 'ए', कमरा नं0 207 में सम्पन्न की जाएगी। आवेदन सहित अन्य वांछित कागजात दाखिल करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.03.2025 के 05:00 बजे अपराहन् तक है। भण्डारण की विवरणी, लोक निलामी की प्रक्रिया की शर्तें website www.prdjharkhand.in एवं कार्यालय सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है।

अपर समाहर्त्ता (नक्सल),
विधि व्यवस्था, रॉंची

PR347948 (District)24-25*D

बिरसा कॉलेज में चित्रांकन, श्लोगन और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को बिरसा कालेज खूंटी में एनएसएस के छात्र-छात्राओं के बीच चित्रांकन, श्लोगन और नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। श्लोगन एवं चित्रांकन का मूल्यांकन कर्ता डॉ पीएस सांगा, डॉ प्रियंका कुमारी थी। नुक्कड़ नाटक का मूल्यांकन डॉ अभिषेक कुमार, डॉ सुधांशु शर्मा कर रहे थे। भाषण में प्रथम दीक्षा कुमारी द्वितीय अल्बिना गुड़िया, तृतीय रशिम सांगा रही। निबंध में प्रथम दीक्षा कुमारी, द्वितीय मनीषा बरला, तृतीय पार्वती बड़ा युद्ध, श्लोगन में प्रथम अनामिका कुमारी, द्वितीय ईभा तोपनो, तृतीय चंदन हजाम, चित्रांकन में प्रथम असरीन मारकी द्वितीय शिल्पी टूटी, तृतीय अल्बिना गुड़िया रही। नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान हिन्दी विभाग, द्वितीय स्थान अर्थशास्त्र विभाग को मिला। कार्यक्रम में प्राचार्या प्रो जी किड़ो, प्रोग्राम अफसर डॉ पी सुरीन, प्रो तारीफ लुगून, डॉ पीएस सांगा, डॉ प्रियंका कुमारी, डॉ अभिषेक, डॉ सुधांशु शर्मा और अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

जिला शिक्षा अधीक्षक से मिला प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ का प्रतिनिधिमंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रतिनिधि मंडल ने जिला अध्यक्ष संजय कुमार पाठक के नेतृत्व में गुरुवार को जिला शिक्षा अधीक्षक से मूलाकात और मानदेय भुगतान को लेकर आवेदन दिया। उल्लेखनीय है कि जीरो आपार आईडी के कारण सहायक अध्यापकों का माह जनवरी से मानदेय भुगतान नहीं किया गया, जबकि अभी सामने होली है। होली जैसा त्यौहार में शिक्षकों का मानदेय रोकना उनके साथ सौतेला व्यवहार के समान है। आपार आईडी का कार्य प्रारंभ है, पर बहुत सी तकनीकी अड़चन के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन बच्चों का आधार नहीं है उनका आपार नहीं बन पाता है और आधार के लिए जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की भी समस्या है। सहायक अध्यापक अपने कार्य के प्रति समर्पित हैं, हमारा संगठन कार्य नहीं करने वाले शिक्षकों की पैरोकार नहीं है, किंतु जो कार्य करते हैं अल्प मानदेय में अपना भरण पोषण कर रहे हैं। उन्हें भुगतान मिलना चाहिए। जिला सचिव नेली लुकस ने कहा कि मानदेय रोकना कहीं से उचित नहीं। यदि होली से पहले मानदेय भुगतान नहीं किया गया तो संगठन बैठक कर आगे की रणनीति तैयार करेगी और धरना प्रदर्शन के लिए बीबस होंगे।

कार्यालयः-जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा

मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार का पत्रांक सं0 j–01013/48/2024–Fy दिनांक– 14.01.2025 एवं मत्स्य निदेशालय, झारखण्ड, रॉंची का पत्रांक सं0 148, दिनांक– 29.01.2025 के आलोक में **भारत सरकार द्वारा केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY) के अधीन जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा "धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (Dharti Aaba Janjatiya Gram Utkarsh Abhiyan-DAJGUA)" नई योजना वित्तीय वर्ष 2024–25 से 2028–29** के लिए प्रारंभ की गई है। इसमें केन्द्र प्रायोजित प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित भारत सरकार के विभिन्न योजनाओं के समन्वित दृष्टिकोण और अभिशरण के माध्यम से बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आजीविका में महत्वपूर्ण अंतराल को दूर करके जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों के व्यापक विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य जनजातीय बहुल गाँव और आकांक्षी प्रखण्डों (Aspirational Block) जनजातीय परिवारों को अधिकाधिक कवरेज करते हुए उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार करना है। इस योजना हेतु दिनांक 20.03.2025 तक आवेदन आमंत्रित की जाती है। आवेदन पत्र कार्यालय अवधि में प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन वांछित दस्तावेजों के साथ समर्पित कर सकते हैं। दस्तावेजों की सूची (आवश्यकता अनुसार):– जमीन का अंचल अधिकारी द्वारा निर्गत/सत्यापित भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र, आवेदक के साथ जमीन का GPS फोटो, वंशावली, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय/स्थानीय निवास प्रमाण पत्र, मत्स्य विभाग से प्रशिक्षण प्राप्त करने का प्रमाण पत्र इत्यादि।

क्र0 सं0	योजना का नाम	इकाई	इकाई लागत (लाख रू0 में)	सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान की राशि (लाख रू0 में) अनु0ज0जा0 (इकाई लागत का 90%)	अंशदान (इकाई लागत का 10%)
1	कार्प हैचरी अधिष्ठापन कार्य	सं0 में	25.00	22.50	2.50
2	नए रियरिंग तालाब का निर्माण (नर्सरी/बीज रियरिंग तालाब)	हे0 में	7.00	6.30	0.70
3	नये ग्रो आउट तालाब का निर्माण	हे0 में	7.00	6.30	0.70
4	मिश्रित मत्स्य पालन, पंगेशियस एवं तिलापिया पालन आदि के लिए इनपुट (उपरोक्त अंकित नये ग्रो–आउट तालाबों का निर्माण में)	हे0 में	4.00	3.60	0.40
5	बायोफ्लॉक तालाबों का निर्माण (4 लाख रू0 प्रति हे0 इनपुट सहित)	0.1 हे0	14.00	12.60	1.40
6	बैकयॉर्ड सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	सं0 में	3.00	2.70	0.30
7	माध्यम आकार के सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछलियों की रियरिंग इकाई	सं0 में	8.00	7.20	0.80
8	माध्यम आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (कम से कम 30 घन मीटर प्रति क्षमता वाले 06 टन/ 10 टन/कार्प मछली उत्पादन की क्षमता)	सं0 में	25.00	22.50	2.50
9	04 मी0 व्यास एवं 1 मी0 ऊँचाई के 25 टैंक वाले माध्यम बायोफ्लोक की स्थापना कुल क्षमता	सं0 में	25.00	22.50	2.50
10	छोटे आकार के आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना (100 घन मीटर क्षमता का 01 टैंक)	सं0 में	7.50	6.75	0.75
11	04 मी0 व्यास एवं 1.5 मी0 ऊँचाई के 7 टैंक वाले बायोफ्लॉक की स्थापना	सं0 में	7.50	6.75	0.75
12	बैकयॉर्ड मिनी आर0ए0एस0 (रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम) इकाई की स्थापना	सं0 में	0.50	0.45	0.05
13	जलाशयों में केज अधिष्ठापन	सं0 में	3.00	2.70	0.30
14	आर0एफ0एफ0/पेन कल्चर द्वारा मत्स्य पालन	हे0 में	3.00	2.70	0.30
15	कम से कम 10 टन क्षमता वाले शीत गृत (कोल्ड स्टोरेज आई सप्लांट निर्माण)	सं0 में	40.00	36.00	4.00
16	रेफ्रिजेरेटर वाहन (6–10 मेट्रिक टन क्षमता)	सं0 में	25.00	22.50	2.50
17	इन्सुलेटेड वाहन (6–10 मेट्रिक टन क्षमता)	सं0 में	20.00	18.00	2.00
18	आईसबॉक्स के साथ मोटर साइकिल	सं0 में	0.75	0.675	0.075
19	आईस बॉक्स के साथ साईकिल	सं0 में	0.10	0.09	0.01
20	मछली बिक्री के लिए आईस बॉक्स के साथ तीन पहिया वाहन (ई–रिक्शा) भी	सं0 में	3.00	2.70	0.30
21	जिंदा मछली बिक्री केन्द	सं0 में	20.00	18.00	2.00
22	लघु फीश फीड मिल (प्रतिदिन 02 टन उत्पादन क्षमता प्रतिदिन)	सं0 में	30.00	27.00	3.00
23	फिश कियोस्क का निर्माण (सजावटी/रंगीन/अलंकारी मछली एवं एक्वेरियम सहित)	सं0 में	10.00	9.00	1.00
24	Bivalve cultivation (पर्ल कल्चर) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत किए जाने पर	सं0 में	0.20	0.18	0.02
25	जलाशयों में मत्स्य अंगुलिकाओं का संचयन @1000 अंगुलिकाऐं प्रति हे0 (3.00 रू0 प्रति अंगुलिकाओं हेतु)	हे0 में	Rs.@03/ Fingerling	Rs.@2.70/ Fingerling	Rs.0.30/ Fingerling
26	मछली का मूल्य संवर्धित इकाई (फिश वैल्यु एडेड इन्टरप्राइजेज)	सं0 में	50.00	45.00	5.00
27	Traditional Fishermen के लिए नाव (replacement) एवं जाल	सं0 में	5.00	4.50	0.50

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 347962 Simdega(24-25).D

हमारा देश जेनेरिक दवा की आपूर्ति के मामले में अहम स्थान रखता है : रितु सहाय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : हमारा देश जेनेरिक दवा की आपूर्ति के मामले में अहम स्थान रखता है। हमने कोविड के दौरान इस दिशा में दुनिया भर में वैक्सीन की सप्लाई की। हाल के वर्षों में कई सरकारी योजनाओं से भी देश में दवाओं के उत्पादन को बढ़ावा मिला और इस दिशा में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए। यह बातें आज स्टेट ड्रग्स कंट्रोल डायरेक्टरेट की निदेशक रितु सहाय ने कहीं। वे आज सरला बिरला विश्वविद्यालय में नेशनल फामेर्सी एजुकेशन डे के अवसर पर मनाए गए कार्यक्रम 'फार्मा अन्वेषण 2025' के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर बोल रही थी। उन्होंने छात्रों से आधुनिक तकनीकों को उपयोग कर अपना हुनर बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने इस कार्यक्रम के लिए झारखंड के एकमात्र विवि के तौर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के चयन और इस निमित्त मिलने वाले अनुदान पर विवि के फामेर्सी विभाग को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपस्थित श्रोताओं को डॉक्टर रेड्डी लैब के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. राकेश्वर बंदीछोर, पीसीआई के सेंट्रल काउंसिल मेंबर डॉ. आकाश वेद के अलावा बीआईटी, मेसरा के डिपार्टमेंट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेस के प्रोफेसर डॉ. वी. प्रकाश एवं सैमिरा इनोफार्म के जीएम जय गणेश एएस ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में एसबीयू के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने आंत्रप्रेन्योरशिप में उपलब्ध अवसरों, फामेर्सी की भूमिका और इसके इतिहास पर संक्षेप में प्रकाश डाला। कुलपति प्रो सी जगनाथन ने शिक्षा के उद्देश्यों पर बात की। उन्होंने दवाओं की आवश्यकता को शिक्षा के मूल सत्व से जोड़ते हुए छात्रों को इसकी जरूरत के विषय में बताया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सरला बिरला विश्वविद्यालय के फामेर्सी विभाग के इंचार्ज डॉ. शुभ्रजीत मंत्री और धन्यवाद भाषण निशा सिंह ने दिया। इस अवसर पर डॉ. सुभानी बाड़ा, प्रो. विजय कुमार सिंह, आशुतोष द्विवेदी, डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. शैलेश नारायण, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. सविता, सुरुचि गुप्ता, पल्लवी रानी, अंजलि मिश्रा, पवन महतो, संतोष कुमार समेत विवि के अधिकारी एवं छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ट्रंप की गणित, दुनिया भ्रमित

दुनिया तेजी से बदलती है...। और उससे भी ज्यादा तेजी से बदलते हैं वे देश, जो अपने हित के लिए पूरी व्यवस्था बदलने का माद्दा रखते हैं। अमेरिका इस मामले में अकेला देश है, जो खेल का नियम अपने लाभ के लिए बनाता है। राष्ट्रपति ट्रंप अकेले उदाहरण नहीं हैं। कुछ लोग भले ही उनको सनकी मान रहे हों, पर इसके पहले भी अमेरिका फर्स्ट के नारे को साधने के लिए नियमों के साथ खिलवाड़ अमेरिकी हुक्मरानों ने किया है। पिछले चार दशकों में अमेरिकी मनमानेपन के शिकार कई देश हुए हैं। इराक, अफगानिस्तान, ईरान जैसे देश कुछ तो अपने कारण, और बहुत कुछ वाशिंगटन नीति के कारण ही तबाह हुए।

पिछली सदी के 90 के दशक में यह अमेरिका और उसके साथ जुड़े कुछ खास दोस्त ही थे, जिन्होंने डंकल प्रस्ताव लाकर पूरी दुनिया के व्यापार को एक साथ अपने इशारे पर चलने का कुचक्र रचने का सफल प्रस्ताव किया, कृषि पर ट्रिप्स और व्यापार पर ट्रिम्स लागू कर सभी देशों को अपने हिसाब से चलाने की कोशिश की गई। ट्रिप्स प्रावधानों में यहां तक ज्यादती की गई, कि इन समझौतों पर हस्ताक्षर करने वाला देश अपने गरीब किसानों को कोई सब्सिडी न देने पाए। एक तरफ अमेरिका और यूरोप अपने उत्पादों को दुनिया के बाजार में आसानी से उतारने के लिए अपने यहां भारी इनसेंटिव दे रहे थे और दूसरी तरफ भारत जैसे विकासशील देशों पर तरह के प्रतिबंध लगा रहे थे। जब देश में प्रधानमंत्री के रूप में भाजपा के सर्वशक्तिमान नेता अटल बिहारी वाजपेयी विराजमान थे, तब अमेरिका ने मात्रात्मक प्रतिबंध नियमों के बहाने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। तब मदनलाल खुराना संसदीय कार्य मंत्री थे। उन्होंने मात्रात्मक प्रतिबंध का अमेरिकी फैसले का पुरजोर विरोध किया था, तब उनको अपना पोर्टफोलियो खोना पड़ा था। अमेरिका तब पाकिस्तान के प्रेम में था और अपना प्रभाव पाकिस्तान को भारतीय कोप से बचाने में भी करता था। तब जार्ज बुश ने पाकिस्तान को तो अपने हित साधने के लिए एफ 16 युद्धक विमान दे दिया, लेकिन भारत के लिए इनकार कर दिया।

राष्ट्रपति ट्रंप व्यापार के नए नियम बनाना और चलाना चाहते हैं। उनके लिए कोई देश उनका अपना नहीं है, भारत भी नहीं। तमाम विशेषज्ञों ने ये दावे किए थे कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को निभाते हुए ट्रंप भारत के खिलाफ कोई आक्रामक रुख अख्तियार नहीं करेंगे। पर ये सारे कयास धरे के धरे रह गए। जो व्यवहार ट्रंप ईर्ष्यावश मैक्सिको के साथ कर रहे हैं, वही व्यवहार वह भारत के साथ भी करते दिख रहे हैं। जिस तरह से अमानवीय व्यवहार भारत के गैरकानूनी प्रवासियों के साथ ट्रंप प्रशासन ने किया, उसके बाद यह अपेक्षा बेमानी है कि ट्रंप, मोदी सरकार को कोई विशेष छूट देने की सोच भी रहे हैं। वह कोई मौका नहीं चूक रहे हैं, जहां भारत को लेकर चेतावनी वाले लहजे की गुंजाइश बनती हो। वह प्रधानमंत्री मोदी को अपने से ज्यादा हार्ड बार्गेनर तो बताते हैं, लेकिन यह कहना भी नहीं चूकते कि वह जल्दी ही इंपोर्ट ड्यूटी नई दिल्ली के खिलाफ भी लगाने जा रहे है। ट्रंप की नजर में भारत का ऑटो सेक्टर, इंजीनियरिंग सेक्टर, केमिकल इंडस्ट्री और कपड़ा इंडस्ट्री चुभ रही है। वह इन सभी क्षेत्रों पर अलग ड्यूटी बढ़ाने की धमकी दे रहे है। यह धमकी सच साबित हुई तो, संभव है कि भारत का निर्यात 30 प्रतिशत तक घट जाए। यह एक बड़ा झटका साबित हो सकता है। अगले साल तक भारत की अर्थव्यवस्था पांच ट्रिलियन की बनाने की मोदी की योजना को भी झटका लग सकता है।

ट्रंप की एकतरफा कार्रवाई, अमेरिका के लिए कितनी लाभकारी होगी, इसे लेकर बहुत सारी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। ट्रंप ने जो भी कदम उठाए हैं, वे अभी तक फलीभूत नहीं हो पा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा कारण यह है कि सभी फैसले बिना सोच विचारे किए जा रहे हैं। किसी भी देश के साथ ट्रेड ड्यूटी या शुल्क को लेकर ट्रंप प्रशासन ने कोई वार्ता या समिट भी नहीं की है। इसलिए जिन देशों के खिलाफ ट्रेड ड्यूटी बढाई गई हैं, वे भी अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की तैयारी में हैं। कनाडा ने तो अमेरिका के कई प्रांतों को अपने यहां से दी जा रही बिजली रोकने की धमकी दी है। चीन भी अमेरिका को परेशान करने वाले कदमों की तैयारी कर रहा है। ट्रंप चाहे जितना शोर मचा ले, अंत में अकेले रहने का जोखिम नहीं उठा सकते। भारत में मोदी सरकार अभी खामोशी अख्तियार किए हुए है। सभी संदर्भित मंत्रालय अपनी-अपनी तैयारी में लगे है।

सूडोकु नवताल- 7362

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 7361 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

महिलाओं के प्रति नजरिया बदलने का वक्त

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत वह देश है जहां महिलाओं की सुरक्षा और इज्जत का खास ख्याल रखा जाता है। अगर हम 21वीं सदी की बात करें तो यहां की महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला काम कर रही है। अब तो भारत की संसद ने भी महिलाओं के लिए लोकसभा व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पास कर दिया है। इससे आने वाले समय में भारत की राजनीति में महिलाओं की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण होनी तय है। देश में महिलाओं को अब सेना में भी महत्वपूर्ण पदों पर तैनात किया जाने लगा है। यह महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम है।

यहां महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार है। महिलायें देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं तथा विकास में भी बराबर की भागीदार हैं। आज के युग में महिला पुरुषों के साथ ही नहीं बल्कि उनसे दो कदम आगे निकल चुकी है। महिलाओं के बिना समाज की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के अनुसार महिलाओं को भी पुरुषों के समान जीवन जीने का हक है। भारत में नारी को देवी के रूप में देखा गया है। कहा जाता है कि जहां नारी की पूजा होती है वहां देवता निवास करते हैं। प्राचीन काल से ही यहां महिलाओं को समाज में विशिष्ट आदर एवं सम्मान दिया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर साल 08 मार्च 1911 से पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और राजनीतिक उपलब्धियों का जश्न मनाना है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम है- कार्रवाई में तेजी लाना।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के मुताबिक साल 2023 में भारत में महिलाओं के खिलाफ कुल 4,05,861 अपराध दर्ज किए गए। इनमें सबसे ज्यादा घरेलू हिंसा और यौन उत्पीड़न के मामले हैं। यह आंकड़े समाज में महिलाओं की सुरक्षा के प्रति समाज और परिवार की उदासीनता को दर्शाते हैं। 2022 में 4,45,256 मामले, 2021 में 4,28,278 मामले 2020 में 3,71,503 मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक प्रति एक लाख आबादी पर महिला अपराध की दर 66.4 फीसदी रिकॉर्ड की गई।

भारतीय दंड संहिता के तहत महिलाओं के खिलाफ सबसे ज्यादा 31.4 फीसदी जुर्म पति या उसके रिश्तेदारों की क्रूरता के हैं। इसके बाद अपहरण के 19.2 फीसदी, शील भंग करने के इरादे से हमले के 18.7 फीसदी और दुष्कर्म के 7.1 फीसदी मामले हैं। पिछले साल देश में जितने मामले सामने आए उनमें से 2,23,635 यानी 50 फीसदी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश में दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश में 2021 में महिला अपराध के 56,083 और और 2020 में 49,385 मामले दर्ज किए थे। इसके बाद राजस्थान (40,738 और 34,535), महाराष्ट्र (39,526 और 31,954), पश्चिम बंगाल (35,884 और 36,439) और मध्य प्रदेश (30,673 और 25,640) रहे थे।

भारत में वर्षों से महिला सुरक्षा से जुड़े कई कानून हैं। इसमें हिंदू विडो रीमैरिज एक्ट 1856, इंडियन पीनल कोड 1860, मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट 1861, क्रिस्चियन मैरिज एक्ट 1872, मैरिड वीमेन प्रॉपर्टी एक्ट 1874,चाइल्ड मैरिज एक्ट 1929, स्पेशल मैरिज एक्ट 1954, हिन्दू मैरिज एक्ट 1955, फॉरेन मैरिज एक्ट 1969, इंडियन डाइवोर्स एक्ट 1969, मुस्लिम वुमन प्रोटेक्शन एक्ट 1986, नेशनल कमीशन फॉर वुमन एक्ट 1990, सेक्सुअल हर्रास्मेंट ऑफ वुमन एट वर्किंग प्लेस एक्ट 2013 आदि। इसके अलावा 7 मई 2015 को लोक सभा ने और 22 दिसम्बर 2015 को राज्य सभा ने जुवेनाइल जस्टिस बिल में भी बदलाव किया है। इसके अन्तर्गत यदि कोई 16 से 18 साल का किशोर जघन्य अपराध में लिप्त पाया जाता है तो उसे भी कठोर सजा का प्रावधान है।

राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे रहा। देश भर से पूरे साल में महिलाओं के खिलाफ अपराध की 28,811 शिकायतें मिलीं। इसमें 16 हजार से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश राज्य से आए । दूसरे नंबर पर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 2,411 मामले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र में 1,343, बिहार में 1,312 और मध्य प्रदेश में 1,165 इतने मामले दर्ज किए गए हैं।

2023 के 12 महीने बाद जारी किए गए इस रिपोर्ट में महिलाओं के प्रति हो रहे अपराध में दहेज उत्पीड़न और दुष्कर्म जैसे अपराध दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की यह रिपोर्ट महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता दिखाती है। आंकड़ों के मुताबिक देश भर में यौन उत्पीड़न के 805 मामले, साइबर अपराध के 605 मामले, पीछा करने की 472 मामले और सम्मान से जुड़े अपराध के खिलाफ 409 शिकायतें दर्ज कराई गईं। आंकड़ों के मुताबिक, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बलात्कार के मामले भी शामिल हैं। साल 2023 में बलात्कार और बलात्कार के प्रयास के 1,537 मामले दर्ज किए गए। इसके बाद गरिमा के अधिकार के तहत 8,540, घरेलू हिंसा के 6,274, दहेज उत्पीड़न के 4,797, छेड़छाड़ के 2,349,और महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता के 1,618 मामले दर्ज किए गए।

2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले 2022 की तुलना में कम हुए हैं। 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 30,864 मामले दर्ज किए गए थे। जबकि 2023 में यह संख्या घटकर 28,278 हो गई। यह एक सकारात्मक संकेत है लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। साल 2022 के बाद से शिकायतों की संख्या में कमी देखी गई है। जब 30,864 शिकायतें प्राप्त हुई थी, जो 2014 के बाद से सर्वाधिक आंकड़ा था। जहां तक बात महिलाओं की सुरक्षा की आती है तो पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अभूतपूर्व निर्णयों से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई प्रबंध किए हैं। आज भारत में महिलाएं पहले की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षित है।

हम एक तरफ महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का दर्जा देकर उन्हे आगे बढ़ा रहें है। वहीं दूसरी तरफ उनके साथ अत्याचार की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आये दिन हमें महिलाओं के साथ बलात्कार, दुर्व्यवहार होने की घटनाये सुनने को मिलती रहती है। ऐसी घटनाओं से महिला सशक्तीकरण के अभियान को धक्का लगता हैं। देश में महिलाओं के प्रति खराब होते माहौल को बदलने की जिम्मेदारी सिर्फ सरकार की ही नहीं अपितु हर आम आदमी की भी है। हम सभी को आगे आकर महिला सुरक्षा की लड़ाई में महिलाओं का साथ देना होगा तभी देश की मातृ शक्ति सर उठा कर शान से चल सकेगीं। अब महिलाओं को समझना होगा कि आज समाज में उनकी दयनीय स्थिति समाज में चली आ रही परम्पराओं का परिणाम है। इन परम्पराओं को बदलने का बीड़ा स्वयं महिलाओं को ही उठाना होगा। तभी समाज में उनके प्रति सोच बदल पाएगी।

त्रिभाषा नीति और चुनौतियां

प्रियंका सौरभ

देश में भाषा शिक्षा को लेकर चर्चा जारी है। तमिलनाडु में त्रिभाषा नीति का कड़ा विरोध भाषायी पहचान और केंद्र की नीतियों के बारे में महत्वपूर्ण चिंता को उजागर करता है। वास्तविक शैक्षिक सुधार के लिए भाषा शिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाना आवश्यक है, न कि केवल नीतिगत ढांचों पर ध्यान केंद्रित करना है। केंद्र और राज्य के बीच सकारात्मक बातचीत और व्यावहारिक समझौता ही आगे का सबसे अच्छा रास्ता है। आपातकाल के दौरान शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया गया था, जिसका अर्थ है कि यह एक संयुक्त जिम्मेदारी है। त्रिभाषा (तीसरी भाषा) से सम्बंधित विवादों के कारण समग्र शिक्षा, जो एक आवश्यक शिक्षा पहल है, के वित्तपोषण में बाधा नहीं आनी चाहिए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बहुभाषी शिक्षा को बढ़ाने और भाषायी विविधता की सुरक्षा के उद्देश्य से त्रिभाषा ढांचा प्रस्तुत करती है। आठवीं अनुसूची में मान्यता प्राप्त 22 आधिकारिक भाषाओं और बोलियों की समृद्ध विविधता के साथ, क्षेत्रीय आवश्यकताओं और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन हासिल करना काफी चुनौतीपूर्ण है। गैर-हिन्दी भाषी राज्यों की चिंताएं कथित भाषायी प्रभुत्व से सम्बंधित मुद्दों और इस नीति को कार्यान्वित करने में व्यावहारिक कठिनाइयों पर जोर देती हैं।

त्रिभाषा नीति का लक्ष्य बहुभाषिकता को प्रोत्साहित करना है, जिससे राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा और भारत का भाषायी परिदृश्य समृद्ध होगा। उदाहरण के लिए, उत्तर भारतीय स्कूलों में तमिल पढ़ाने से सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा मिल सकता है और क्षेत्रीय अंतर को पाटने में मदद मिल सकती है।

अनेक भाषाओं, विशेषकर क्षेत्रीय भाषाओं में दक्षता से सरकारी नौकरियों, अनुवाद और पर्यटन में विभिन्न कैरियर के रास्ते खुलते हैं। इसके अलावा, कूटनीति और बहुराष्ट्रीय निगमों में पदों के लिए बहुभाषी कौशल अकसर आवश्यक होते हैं। नीति में यह अनिवार्य किया गया है कि सीखी जाने वाली कम से कम दो भाषाएं भारत की मूल भाषाएं हों, जिससे देश की भाषाई विरासत और साहित्य का संरक्षण हो सके। देश की शास्त्रीय और क्षेत्रीय भाषायी परंपराओं को बनाए रखने के लिए संस्कृत, बंगाली, तेलुगु और मराठी जैसी भाषाओं का प्रचार-प्रसार अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, तमिलनाडु, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य इस नीति को हिन्दी को धीरे-धीरे थोपने की नीति के रूप में देखते हैं। चूंकि शिक्षा एक समवर्ती विषय है, इसलिए केंद्रीकृत भाषा सीखने की नीति लागू करना संघीय सिद्धांतों के लिए चुनौतियां उत्पन्न करता है। तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की तीन-भाषा आवश्यकता का पालन नहीं करने का विकल्प चुना है, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्त पोषण में देरी हो रही है।

इसके अतिरिक्त, कई राज्यों को इन अतिरिक्त भाषाओं के लिए योग्य शिक्षकों की कमी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे सरकारी स्कूलों में कार्यान्वयन जटिल हो रहा है। उदाहरण के लिए, ओडिशा और केरल के स्कूलों को सीमित उपलब्धता के कारण हिन्दी शिक्षकों को ढूंढने में संघर्ष करना पड़ रहा है। अतिरिक्त भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने से भी छात्रों पर दबाव बढ़ सकता है, जिससे गणित जैसे आवश्यक विषयों में उनकी दक्षता प्रभावित हो सकती है। क्षेत्रीय दलों का प्रतिरोध भाषा नीतियों को अपनाने में महत्वपूर्ण चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। गैर-हिंदी भाषी राज्यों में राजनीतिक समूह अकसर इन नीतियों को अपने स्थानीय शासन में घुसपैठ के रूप में देखते हैं, जिसके परिणामस्वरूप विरोध होता है। कई ग्रामीण छात्रों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे तीसरी भाषा सीखने की प्रक्रिया जटिल हो जाती है। उदाहरण के लिए, ग्रामीण बिहार में 40 फीसद छात्रों को अंग्रेजी भाषा सीखने में कठिनाई होती है, जिससे उनकी अन्य भाषाएं सीखने की क्षमता में बाधा आती है। राज्य हिन्दी की अपेक्षा अपनी क्षेत्रीय भाषाओं को प्राथमिकता देते हैं, जिससे केंद्रीय नीतियों के साथ उनका सम्बंध टूट जाता है। पश्चिम बंगाल में बंगाली-अंग्रेजी शिक्षा पर अधिक जोर दिया जाता है तथा अनिवार्य हिन्दी शिक्षा को अस्वीकार कर दिया जाता है। सरकारी स्कूलों में, विशेषकर आर्थिक रूप से वंचित राज्यों में, अक्सर भाषा शिक्षकों, संसाधनों और डिजिटल भाषा प्रयोगशालाओं के लिए आवश्यक धन की कमी होती है। पूर्वोत्तर भारत में तीसरी भाषा पढ़ाने के लिए योग्य शिक्षकों की कमी से प्रभावी नीति कार्यान्वयन में बाधा आती है। राज्यों के लिए एक मानकीकृत त्रिभाषा नीति का पालन करने की बजाय अपनी क्षेत्रीय भाषा चुनने की स्वतंत्रता होना अधिक लाभदायक होगा। उदाहरण के लिए, कर्नाटक सरकार हिन्दी लागू करने के बजाय कन्नड़, अंग्रेजी और विद्यार्थी की पसंद की भाषा पढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ावा देना, ई-लर्निंग संसाधनों का विकास करना, तथा भाषा अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करना स्थिति में काफी सुधार ला सकता है।

आंध्र प्रदेश में डिजिटल भाषा प्रयोगशाला पहले से ही प्रौद्योगिकी के माध्यम से स्थानीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने में प्रगति कर रही हैं। छात्रवृत्ति, करियर प्रोत्साहन और व्यावहारिक भाषा प्रशिक्षण की पेशकश से छात्रों को स्वेच्छा से अतिरिक्त भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। यूजीसी संस्कृत, पाली और फारसी में अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करता है, जिससे भाषायी विविधता को बनाए रखने में मदद मिलती है। केंद्र को भाषा नीति पर चर्चा में राज्यों को शामिल करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करती है। संयुक्त शिक्षा समिति की स्थापना से राज्यों को कार्यान्वयन प्रक्रिया में अधिक आवाज मिल सकेगी। मूल समस्या, शिक्षा में भाषा मानक और शिक्षण गुणवत्ता में गिरावट। कोचिंग सेंटरों ने विज्ञान और गणित में बढ़त ले ली है, तथा भाषा शिक्षा को पीछे छोड़ दिया है। यद्यपि कई सरकारी स्कूलों में अंग्रेजी एक अनिवार्य विषय बन गया है, फिर भी प्रवीणता का स्तर निराशाजनक रूप से निम्न बना हुआ है।

शिक्षकों का सीमित अंग्रेजी कौशल सीधे तौर पर छात्रों की पढ़ाई पर प्रभाव डालता है, जैसा कि आंध्र प्रदेश में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा की ओर बदलाव से स्पष्ट है। हिन्दी के लिए भी स्थिति बहुत बेहतर नहीं है। इस भाषा में शिक्षण स्तर का भी उतना ही अभाव है। हिन्दी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को अकसर सक्रिय शिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण के बजाय मात्र सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में देखा जाता है। इसके अतिरिक्त, पढ़ने की आदतों में गिरावट भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अधिक महत्त्वपूर्ण चुनौतियों की ओर इशारा करती है। स्कूलों में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जा रहा है, जिससे अंततः दीर्घकालिक भाषा कौशल पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भारत की विविधता में एकता बनाए रखने के लिए एक समेकित भाषायी ढांचा तैयार करना आवश्यक है। भाषा के चयन में लचीलापन प्रदान करना, शिक्षक प्रशिक्षण को बढ़ाना, तथा क्षेत्रीय भाषा शिक्षा को बढ़ावा देना कार्यान्वयन सम्बंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक हो सकता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंजाब- किसानों का उबाल दमन नहीं, संवाद से थमेगा

ललित गर्ग

पंजाब में आम आदमी पार्टी की नाकामयाबियां, अप्रभावी प्रशासन कौशल, असंवाद, हठधर्मिता एवं दमनात्मक कदमों से अराजकता एवं अशांति का वातावरण उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है आप सरकार के पाप का घड़ा भर चुका है, जनता, किसान एवं अधिकारी सभी कोई त्रस्त एवं परेशान है। इसकी निष्पत्ति के रूप में सामने आ रहा है किसानों का आन्दोलन एवं आम जनता का अंतोष। ये वे ही किसान है जिनको भड़काकर, गुमराह करके एवं गलत दिशाओं में धकेल कर 'आप' पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल ने केन्द्र सरकार के सामने जटिल स्थितियां पैदा की, दिल्ली की जनता का सुख-चैन छीना था एवं खुद किसानों का मसीहा बनने का प्रयास किया था। अब उन्हीं किसानों की समस्याओं को सुनने की बजाय उन पर सख्त दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। नौ सौ चूहे खाय बिल्ली हज को चली कहावत को चरितार्थ करने वाली 'आप' सरकार के लिये पंजाब एक जटिल समस्या एवं चुनौती बनकर खड़ी है। जैसी करनी वैसी भरनी-यही हश्र हो रहा है आप सरकार की कथनी और करनी में फर्क की राजनीति का। पंजाब की आप सरकार पहले किए गए कई चुनावी वादों को पूरा करने नाकाम रही है, हालांकि, नाटकीयता के प्रति उसकी प्रवृत्ति के अलावा, सभी चुनावी वादे एवं घोषणाएं काफी हद तक असफल रही है। पंजाब में मान सरकार के खिलाफ नाराज किसानों ने मोर्चा खोल दिया है, 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के लिए कूच करने वाले किसानों को भले ही पुलिस ने रोक दिया, चंडीगढ़ की सभी सीमाओं पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी हो और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हो। लेकिन बातचीत की बजाय ऐसे दमनात्मक तरीकों से किसान अधिक भडकेंगे। सवाल यह है कि कृषि प्रधान राज्य क्या किसानों के हितों की अनदेखी कर सकता है?

पंजाब में हालात अनियंत्रित, जटिल, अराजक एवं अशांत होते जा रहे हैं। भारतीय किसान यूनियन के एक घटक द्वारा चंडीगढ़ में नये सिरे से आंदोलन शुरू करने की चेतावनी के बाद पुलिस-प्रशासन की सख्ती से बुधवार को सामान्य जीवन व यातायात बुरी तरह से प्रभावित हुआ। चंडीगढ़ से लगते इलाकों में पुलिस के अवरोधों के चलते वाहन घंटों जाम में फंसे रहे। जिन हालातों को दिल्ली की जनता ने लम्बे समय तक झेला, वे ही हालात अब पंजाब के हो रहे हैं। पुलिस आंदोलनकारियों से निबटने के लिये सख्त एवं आक्रामक बनी रही और कई किसान नेताओं को गिरफ्तार किया गया। चंडीगढ़ के अनेक प्रवेश मार्गों को सील किया गया था और भारी संख्या में सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था। सवाल उठाया जा रहा है कि 'आप' सरकार की यह सख्ती क्या हताशा का पर्याय है या समस्याओं से निपटने में उसकी नाकामी को दर्शाता है? बड़ी-बड़ी आदर्श की बातें करने वाली आप पार्टी का दोगला चरित्र ही उजागर हो रहा है। भगवंत मान के नेतृत्व वाली आप पार्टी की सरकार, जिसे कभी बदलाव का अग्रदूत एवं जन-जन का सच्चा हितैषी माना जाता रहा है, अब खुद को प्रमुख हितधारकों- किसानों, राजस्व अधिकारियों और नौकरशाही के साथ उलझी हुई पा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि किसानों का सबसे बड़ी हितैषी मानने वाली सरकार आज किसानों की दुश्मन कैसे हो गयी? कृषिभूमि पंजाब को कैसे अशांत होने दिया जा रहा है?

आप सरकार द्वारा जिस तरह से लंबे समय से आंदोलनरत किसानों की मांगों के प्रति उदासीनता एवं उपेक्षा दशार्यी जा रही है, उससे किसानों की लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर चिंताएं पैदा होती हैं। निश्चित रूप से किसी भी लोकतांत्रिक आंदोलन के दमन से सामाजिक विभाजन और संघर्ष की स्थितियां ही गहराती है, आन्दोलन एवं विद्रोह भावना भड़कती है। दरअसल, पंजाब का संकट सिर्फ हड़ताली अधिकारियों या फिर विरोध करने वाले किसानों को लेकर ही नहीं है। यह असंतोष शासन के दोगलेपन, रीति-नीतियों, झूठे आश्वासनों एवं छलपूर्ण कार्यप्रणाली से जुड़ा है। ये स्थितियां न केवल किसान आंदोलनकारियों से सहज संवाद की कला को खोती हुई प्रतीत हो रही है, बल्कि जिसने पंजाब को नशे का जंगल बना दिया है, आतंकवाद को पनपने दिया एवं महिलाओं को नाराज किया है। निश्चित रूप से अपने राज्य के लोगों के साथ सख्ती का व्यवहार एवं झूठे वायदों ने तंत्र की नाकामी को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से निराशाजनक वातावरण को यथाशीघ्र दूर करने के प्रयास किए जाने चाहिए, अन्यथा पंजाब की अशांति एवं अराजकता प्रांत को न केवल आर्थिक मोर्चे पर बल्कि सुशासन के मोर्चे पर धराशाही कर देगी।

संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर शुरू हुआ किसान आंदोलन अब उग्र से उग्रतर होता जा रहा है। इस आन्दोलन से उपजे हालात से जनजीवन अस्तव्यस्त हो रहा है। जाम की बड़ी समस्या पर आम लोग कह रहे कि जाम किसानों की तरफ से है या सरकार की तरफ से। दरअसल, पंजाब जो लंबे समय से कृषि क्षेत्र में उदार दृष्टिकोण एवं हरित क्रांति वाला राज्य रहा है, तंत्र की संवेदनहीनता और शासन की आक्रामकता के चलते अब अशांत नजर आ रहा है। समय रहते किसानों की मांगों को पूरा न किए जाने और कारगर समाधान के लिये परामर्श न मिल पाने से निराश किसान यूनियनों ने नये सिरे से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। जिसकी परिणति 'चंडीगढ़ चलो मार्च' के रूप में सामने आई है। किसान नेता आरोप लगा रहे हैं कि किसानों की समस्याओं के समाधान पर संवेदनशील रवैया अपनाने के बजाय दमनात्मक कदम उठाये जा रहे हैं। जिसे वे देर रात छापेमारी करके किसान नेताओं की गिरफ्तारी और चंडीगढ़ की सीमाएं सील करने के रूप में देख रहे हैं।

दैनिक पंचांग

7 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

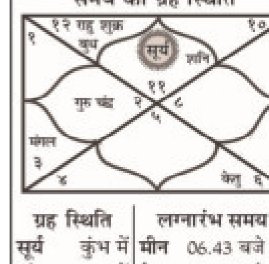

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कुंभ में
चंद्र	वृष में
मंगल	मिथुन में
बुध	मीन में
गुरु	वृष में
शुक्र	मीन में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मीन	06.43 बजे से
मेष	08.13 बजे से
वृष	09.53 बजे से
मिथुन	11.51 बजे से
कर्क	14.05 बजे से
सिंह	16.21 बजे से
कन्या	18.33 बजे से
तुला	20.44 बजे से
वृश्चिक	22.58 ब.से
धनु	01.14 बजे से
मकर	03.19 बजे से
कुंभ	05.06 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 66 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 09.19 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मृगशीर्ष 23.32 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 18.15 बजे को समाप्त।
करण बव 09.19 बजे तदनन्तर बालव 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 07.0 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 05° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872276
जूलियन दिन 2460741.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रमजान
तारीख 06
विशेष मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

बरही में सड़क हादसे में युवक की मौत

बरही : बरही अनुमंडल से रसोइया धमना अपने घर लौट रहे मो शमीम पिता मो. शेर की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बुधवार की देर शाम मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद क्षेत्र में सड़क निर्माण करा रही कम्पनी के खिलाफ भारी आक्रोश का माहौल है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने लापरवाह निर्माण कार्य करा रही कम्पनी और अनियंत्रित यातायात को हादसों की बड़ी वजह बताया। इस दौरान ग्रामीणों ने कुछ देर के लिए सड़क जाम किया। सड़क जाम की जानकारी मिलते ही सीओ अमित किस्कू व इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी आभास कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का पूरा प्रयास किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता सह आजसू नेता संजय मेहता ने हादसे को गंभीरता से लेते हुए कहा कि इस घटना के लिए निर्माण कार्य कर रही कंपनी पर प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बरही और आसपास के इलाकों में लगातार हो रहे सड़क हादसों में कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। लेकिन इसके बावजूद प्रशासन और संबंधित कंपनियों द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की जा रही है। सड़क किनारे सुरक्षात्मक संकेतक नहीं लगाए गए हैं, जिससे रात के समय दुर्घटनाओं का खतरा और बढ़ जाता है। इधर मृतक मो. शमीम के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्यों की उचित निगरानी की जाए और सड़क सुरक्षा उपायों को अनिवार्य किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

जेएसएलपीएस की महिलाओं को टीबी उन्मूलन पर दिया गया प्रशिक्षण

बरही : अनुमंडलीय अस्पताल बरही में 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जेएसएलपीएस की महिलाओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उपाधीक्षक डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने की, जबकि संचालन सीनियर टीबी पर्यवेक्षक रवि कुमार और सीनियर टीबी लैब सुपरवाइजर बिजेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से किया। प्रशिक्षण में जेएसएलपीएस की महिलाओं को गांव-घर में लोगों को टीबी के प्रति जागरूक करने और इसके लक्षणों की पहचान करने की जानकारी दी गई। उन्हें यह भी निर्देश दिया गया कि टीबी के लक्षण दिखने पर इसकी सूचना अस्पताल को दें या स्वयं अस्पताल आकर जांच कराएं। कार्यक्रम के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत हर पंचायत को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प दोहराया गया। इस दिशा में धनवार पंचायत को टीबी मुक्त घोषित किया गया डॉ. प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि समाज के हर व्यक्ति को टीबी उन्मूलन में योगदान देना होगा, ताकि इस बीमारी को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

महिलाओं ने शुरू की होली की तैयारी

रामगढ़ : जेएसएलपीएस (पलाश) की ओर से नन फार्म के अंतर्गत रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड में सामुदायिक प्रबंधन प्रशिक्षण केंद्र में प्राकृतिक गुलाल बनाने के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षित दीदियां होली त्योहार के लिए प्राकृतिक अबीर तथा गुलाल बनाएंगी। प्रशिक्षण में सभी प्रखंड से कुल 32 दीदियां उपस्थित हुई। रांची जिले के बुंडू प्रखंड से लीला देवी तथा संजू देवी की ओर से प्रशिक्षण दिया गया। प्राकृतिक गुलाल बनाने के लिए सूखे हुए पलाश के फूलों का प्रयोग किया जाएगा। इसमें हरा रंग बनाने के लिए सूखा हुआ पालक साग, गुलाबी रंग बनाने के लिए चुकंदर, पीला रंग बनाने के लिए हल्दी का प्रयोग किया जाएगा। आठ मार्च से जिला मुख्यालय तथा सभी प्रखंडों में प्राकृतिक अबीर तथा गुलाब का स्टॉल लगाया जाएगा।

उपायुक्त ने गव्य विकास विभाग का किया औचक निरीक्षण, अनियमितताओं पर लगाई फटकार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती के द्वारा गव्य विकास विभाग का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभाग में कई अनियमितताएं पाई गईं, जिसपर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहीर की। दरअसल गव्य व्यापारी द्वारा उपायुक्त कार्यालय में एक संचिका प्रस्तुत की गई थी, जिसमें गाय वितरण के उपरांत भुगतान नहीं होने एवं अन्य अनियमितताओं की शिकायत की गई थी। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने बिना देर किए गव्य विकास कार्यालय का निरीक्षण करने का निर्णय लिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने लाभुकों को गाय वितरण से संबंधित संचिकाओं की गहन जांच की। इस दौरान उपायुक्त ने लाभुकों को फोन कर गाय प्राप्ति की स्थिति, पशु के स्वास्थ्य एवं दूध उत्पादन की जानकारी ली। कई लाभुकों द्वारा पशु प्राप्ति में देरी एवं गाय के स्वास्थ्य को लेकर नकारात्मक बातें बताई, जिसपर उपायुक्त ने गव्य विकास पदाधिकारी को संबंधित व्यापारी के भुगतान में कटौती करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने गव्य विकास पदाधिकारी को गव्य व्यापारी द्वारा संचिका सीधे उपायुक्त कार्यालय में प्रस्तुत करने के मामले को गंभीर मानते हुए कड़ी फटकार लगाई। साथ ही पदाधिकारी पर आरोप पत्र गठित करने एवं प्रधान लिपिक से स्पष्टीकरण मांगने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कोरंटाइन में रखे गए गायों का भी जायजा लिया। पशुओं के स्वास्थ्य एवं रखरखाव की स्थिति को लेकर संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अलावा उपायुक्त ने मिट्टी जांच प्रयोगशाला कार्यालय, कृषि कार्यालय, भूमि संरक्षण कार्यालय एवं उद्यान कार्यालय का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला गव्य विकास पदाधिकारी संतलाल प्रसाद, योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण भोक्ता सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। उपायुक्त ने कहा कि सरकारी योजनाओं के तहत लाभुकों को दी जाने वाली सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पदाधिकारी एवं कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण का पुलिस केंद्र साहिबगंज में दिया गया प्रशिक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण एवं आधुनिकीकरण) झारखंड रांची के आदेशनुसार पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के निर्देश पर भारत सरकार द्वारा अधिसूचित तीन नए अपराधिक कानून क्रमशः भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, के सफल क्रियान्वयन हेतु गैर पुलिस कर्मियों तथा चिकित्सक, नर्स, एवं पारामेडिक्स इत्यादि को दिनांक 6 मार्च 2025 को पुलिस केंद्र साहिबगंज में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज, पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी नगर, तथा अन्य उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्रदान किए। प्रशिक्षण के दौरान पीड़िता एवं अभियुक्त के मेडिकल जांच एवं अभियुक्त के साक्ष्य संकलन पोस्टमार्टम रिपोर्ट अपंगता एवं मानसिक दुर्बलता संबंधी जांच एवं प्रमाण पत्र सहित अन्य दुर्घटना से संबंधित जांच तथा ससमय और अनुसंधानकर्ता को रिपोर्ट समर्पित करने इत्यादि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया।

महाराजपुर में बिहार के साइबर पुलिस की छापेमारी से मचा हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला के तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर रेलवे स्टेशन के समीप तालझारी थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के सहयोग से बिहार के नवादा साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई की जा रही है। जहां नवादा साइबर थाना के पदाधिकारी सुमित कुमार के नेतृत्व में छापेमारी कर महाराजपुर के एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने छापेमारी कर हिरासत में लिए युवक के पास से दो स्क्रीन टच मोबाइल फोन भी जप्त किया है। वही नवादा साइबर थाना के पदाधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि नवादा के सबसे बड़ा सब्जी मंडी में एक व्यक्ति का मोबाइल फोन गुम हो गया था। इसके बाद पीड़ित युवक ने थाना में लिखित शिकायत किया था, उसी के आधार पर पुलिस मामला दर्ज करके कार्रवाई कर रही है। फिलहाल लोकेशन ट्रेस करके एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। हिरासत में लिए युवक के निशानदेही पर बाकी नेटवर्किंग का भी पता लगाया जा रहा है, इसके बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान तालझारी थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

पुलिस ने अफीम के साथ तीन तस्करों को किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर 2.2 किलो अवैध अफीम के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विकास पांडेय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया प्रदीप कुमार ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध रूप से अफीम की तस्करी कर रहे हैं। इसी के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाया और संदेह के आधार पर स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल (जे एच 02बी - 0834) को रोका। पत्थलगडा के बहेरा से कटकमसांडी पथ में तलाशी लेने पर बाइक सवारों के पास से प्लास्टिक की थैली में रखी 2.2 किलो अफीम बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान दास मुंडा (28) और गरिया मुंडा ग्राम बीघा चौपारण और सावन टुंटी (20) ग्राम बहेरा के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। इनका इस्तेमाल तस्करी में किया जा रहा था। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया के अनुसार आरोपित लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त थे और अफीम को सप्लाई करने की फिराक में थे। फिलहाल पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है। छापेमारी दल में पत्थलगड़ा थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

विधायक सविता महतो ने विस में उठाया चांडिल डैम के विस्थापितों का मामला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ के विधायक सविता महतो नें झारखंड विधानसभा में पूछे जाने वाले तारांकित प्रश्न में चांडिल डैम से हुए विस्थापितो का मामला उठाया। जिसमे उन्होंने चांडिल डैम का निर्माण से हुए विस्थापितों को पुनर्वासित किए जाने हेतु 22 स्थल चिन्हित किया गया है लेकिन उसमें से मात्र 13 स्थान को ही आधा अधूरा विकसित किया गया है। उत्तर स्वीकारात्मक है। किया यह बात सही है कि माकुला, सितु, कुन्द्रीलोंग, घाघारी, बान्दु, झीमरी, मुरगडीह एवं चाकरी गांव को अबतक बिकसित नहीं किया गया है। उत्तर स्वीकारात्मक है। उत्तर में 13 पुनर्वास स्थल में कुल 4342 आवासीय भूखंड है जिसमें से 2641 भूखंड विस्थापितों को आवंटित है एवं 1701 भूखंड शेष है। 13 पुनर्वास स्थल पर रिक्त भूखंड पर पूर्ण आवंटन के पश्चात अन्य 9 पुनर्वास स्थल पर भूखंड आवंटन एवं विकसित करने की कार्रवाई की जाएगी। वही विधायक नें प्रश्न किए कि झारखंड सरकार की पुनर्वास नीति के तहत विस्थापितों को नियोजित किए जाने का प्रावधान है। उत्तर अस्वीकारात्मक। चांडिल डैम के निर्माण के विस्थापितों को वर्ष 1990 तक सरकारी विभागों में नियोजन किया गया है। उत्तर स्वीकारात्म। झारखंड सरकार के सभी विभाग अंतर्गत सभी कार्यालयों में तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग के बहुत सारे पद रिक्त पड़े हुए हैं। उत्तर स्वीकारात्मक। उन्होंने चांडिल डैम से विस्थापित हुए विस्थापितों को चिन्हित कर उनकी योग्यता अनुसार तृतीय एवं चतुर्थ वर्गीय रिक्त पदों पर नियोजित करने का विचार रखती है। उत्तर पुनरक्षित पुनर्वास नीति 2012की कंडिका 6.1 के अनुसार विभाग अंतर्गत सृजित वर्ग 3 एवं 4 के पदों के विरुद्ध नियुक्ति में अधिमानता एवं कंडिका 9.1 के अनुसार 3 वर्ष आयु सीमा में छूट दिए जाने का प्रावधान है।

कस्तूरबा विद्यालय में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाज कल्याण विभाग के निदेशानुसार मंथन संस्था एवं चाइल्डलाइन के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बरहेट में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने योजना की विस्तृत जानकारी देकर किया।

उन्होंने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत वर्ष 2015 में प्रधानमंत्री द्वारा हरियाणा के पानीपत जिले से की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा और शिशु लिंग अनुपात में गिरावट को रोकना है। वहीं चाइल्डलाइन के कोऑर्डिनेटर मोहम्मद इकबाल ने बच्चों को चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई बच्चा रास्ते, ट्रेन या अन्य स्थानों पर खुद को असुरक्षित महसूस करता है तो वह इस नंबर पर कॉल कर मदद ले सकता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्टर के माध्यम से बच्चों को बाल विवाह, बाल शोषण, बाल तस्करी एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित जागरूकता वीडियो दिखाए गए। साथ ही, बच्चों को इन विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।कार्यक्रम के अंत में बच्चों को शपथ दिलाई गई कि वे बाल विवाह, शोषण और तस्करी जैसी कुप्रथाओं के खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके अलावा 5 फलदार वृक्षों का रोपण भी किया गया। इस मौके पर सुमन कुमार, गौतम कुमार, उपेंद्र कुमार समेत कई शिक्षक व छात्राएं मौजूद रहीं।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट के मामले में मुफस्सिल थाने में मामला दर्ज

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मारपीट के मामले में थाने में मामला दर्ज। मिली जानकारी के अनुसार मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत सकरीगली समदा सीज के रहने वाले हरेराम यादव ने अवध यादव, पार्वती देवी, निशा कुमारी पर गाली गलौज एवं मारपीट करने का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में जिक्र किया गया है कि हरे राम यादव ने अंकित करते हुए बताया कि बुधवार की संध्या हर्ष यादव टोटो लेकर आया और मेरी मां के द्वारा सुखाए गए गोबर के गोइठा पर टोटो चढ़ा दिया। मेरी मां के द्वारा मना करने पर गाली देते हुए कहने लगा अभी तो गोइठा पर ही टोटो चलाए हैं ज्यादा बोलोगी तो तुम्हारे ऊपर 10 चकिया ट्रक चढ़ा देंगे। फिर थोड़ी देर बाद अवध यादव, पार्वती देवी, निशा कुमारी आई और मुझे और मेरी मां के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इधर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सांप के काटने से बच्चा हुआ मूर्छित

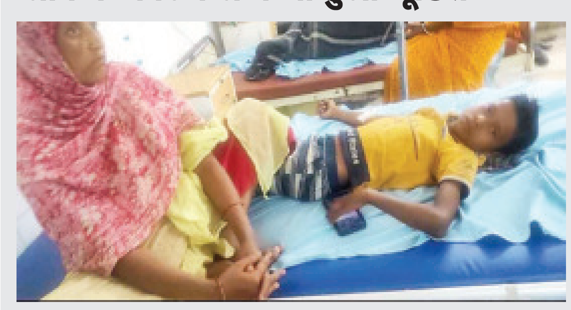

साहिबगंज/राजमहल : प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मजहर टोला गांव में गुरुवार को एक 13 वर्षीय बच्चा को सांप के काट लेने से मूर्छित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार एजाजुल शेख के 13 वर्षीय पुत्र अनवर रजा अपने साथियों के साथ घर से कुछ दूरी पर नदी में मछली मारने गया था। इसी दौरान एक जहरीले सांप ने उसके पैर में काट लिया,जिससे वह मूर्छित होने लगा। जहां दोस्तों के द्वारा इसकी सूचना परिजनों को दिया गया। परिजनों के द्वारा आनन-फानन में इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल राजमहल लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया गया।

युवा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बनी ममता कुमारी

साहिबगंज : भाकियू हलधर के डा० शैलेश कुमार गिरि राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता बिहार झारखंड प्रदेश प्रभारी ने पिछले दो सप्ताहिक किसान पंचायत को ₹ऑनलाइन₹ विडियो कॉल पर सम्बोधन के क्रम में महिला मोर्चा और युवा मोर्चा संगठन विस्तार के लिए आह्वाहन करते आ रहे थे। जिसके परिणामस्वरूप पिछले 2 मार्च रविवार को होने वाले सप्ताहिक बैठक में ममता कुमारी का नाम किसान पंचायत में उपस्थित सभी किसानों के सर्वसम्मति से सामने आया और डा० शैलेश कुमार गिरि ने अपने ऑनलाइन सम्बोधन के क्रम में ममता कुमारी से बात भी की और कहा की मैं और प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनाने के पश्चात ही मनोनयन जारी करेगा। फलतः मुख्य संगठन मंत्री सुनील यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अजय कुमार यादव, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गोप की संस्तुति और राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा की प्रीति कश्यप से भी सहमति प्राप्त होने के बाद आज दिनांक 6 मार्च 2025 दिन गुरुवार को राष्ट्रीय कोर कमेटी उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता व बिहार-झारखंड प्रदेश प्रभारी डा० शैलेश कुमार गिरि ने ₹ममता कुमारी₹ को युवा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष भारतीय हलधर किसान यूनियन के पद पर मनोनयन पत्र जारी किया तथा कहा कि शायद भविष्य में ममता कुमारी झारखंड प्रदेश से किसान यूनियन की बागडोर सम्भालने वाली पहली महिला के नेत्री के रूप में जानी जाएगी और बातों से लगा की ममता कुमारी किसानों के हितार्थ हर वो संघर्ष करने के लिए तैयार है जो संघर्ष करनी चाहिए। डा० शैलेश कुमार गिरि ममता कुमारी को पहले तो किसान यूनियन से जुड़ने के लिए मना किया और कहा अभी आपकी उम्र पढ़ने की हैं यूनियन से न जुड़े , लेकिन ममता कुमारी के जिद्द और दृढ़ संकल्प के आगे एक न चली और प्रक्रिया पूरी कर मनोनयन का भरोसा दिया और ममता कुमारी को किसानों के हितार्थ काम करने की दृढ़ लग्न श्रद्धा व विश्वास को देखते हुए हमेशा ममता कुमारी का विशेष रूप से मार्गदर्शन करता रहेगा। इस ऑनलाइन संबोधन के क्रम में ममता कुमारी और डा० शैलेश कुमार गिरि वार्ता मौके पर साक्षी लक्ष्मण यादव, बचन कुमार पाठक, बासुकीनाथ चौबे, मनु प्रसाद यादव, राम सिहासन यादव ,रामप्रवेश यादव ,फूलचंद रजक उदय कुमार गुप्ता, रामानंद यादव, सुपन रविदास, रामवृक्ष रविदास, जागेश्वर मंडल, उमेश चौधरी रुदल यादव, हृदय कुमार सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

दो मोटरसाइकिल की आमने-सामने की टक्कर में एक घायल

साहिबगंज/बरहेट : थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को बरहेट खेरवा मुख मार्ग स्थित गुमानी बाराज परियोजना कार्यालय के समीप दो मोटरसाइकिल में आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें एक गंभीर रूप से घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार एयरटेल कंपनी में टेक्नीशियन के पद पर काम कर रहे अमित कुमार 36 वर्षीय एयरटेल टावर में कुछ कार्य हेतु बरहेट से रोहड़ा जा रहा था कि खेरवा की ओर से आ रहे दूसरे मोटरसाइकिल चालक से आमने-सामने की टक्कर हो गई। जिससे अमित कुमार का बाया पैर गंभीर रूप से जख्मी होकर टूट गया। वही दूसरा मोटरसाइकिल चालक मौके देखकर घटनास्थल से फरार हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया। प्राथमिक उपचार करने के उपरांत स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। उसके सहयोगी राजेश कुमार ने बताया कि अमित कुमार एयरटेल बरहरवा में टेक्नीशियन का काम करता है। जो टावर के काम से रोहड़ा जा रहा था। संबंधित थाना पुलिस को सूचना दे दी गई और पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

स्पेन में 2025 मोबाइल विश्व कांग्रेस में एक ड्रोन को ड्यूटसे टेलीकोम स्टैंड में प्रदर्शित किया गया। इस मोबाइल विश्व कांग्रेस में कारोबारी जगत के दिग्गजों के अलाव नीति निर्धारक और नई तकनीक तलाशने वाले एक साथ नजर आते हैं।

देश में 2014 से 2024 तक 17.1 करोड़ रोजगार अवसर पैदा हुए: मांडविया

नई दिल्ली।

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि 2014 से 2024 के दशक में देश के भीतर 17.1 करोड़ नौकरियां सृजित हुईं जिनमें से 4.6 करोड़ रोजगार अकेले पिछले साल ही सृजित हुए। मांडविया ने बजट पर आयोजित एक वेबिनार में कहा कि बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। यह 2017-18 के छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में महिला रोजगार 22 प्रतिशत से खासा बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया। श्रम मंत्री ने इन उपलब्धियों का श्रेय सरकार की प्रगतिशील नीतियों को देते हुए कहा कि इससे देश का कार्यबल मजबूत हुआ है। मांडविया ने अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट 2024-26 का हवाला देते हुए सरकार की सामाजिक सुरक्षा पहल के प्रभाव का जिक्र किया। इसमें कहा गया है कि भारत का सामाजिक सुरक्षा 'कवरेज' 24.4 प्रतिशत से दोगुना होकर 48.8 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि ई-श्रम पोर्टल का विस्तार, 30.67 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को कवर करना और पीएमजेएवाई (प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना) के तहत अस्थायी (गिग) श्रमिकों को शामिल करना, कार्यबल कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को बताता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने ई-श्रम पोर्टल के तहत 12 प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं को भी एकीकृत किया है और यह पोर्टल 22 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध है।

टेस्ला इंक मुंबई में खोलेगा पहला शोरूम

- 35 लाख होगा ऑ फिस का मंथली किराया

मुंबई।

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला इंक ने भारत में अपना पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में लीज पर लिया है। इस डील के अनुसार, 881 प्रति वर्ग फुट के रिकॉर्ड किराये पर लीज हुआ, जिसे अब तक का सबसे महंगा माना जा रहा है। टेस्ला ने 2.11 करोड़ रुपए का सिक्योरिटी डिपॉजिट जमा करवाया है और हर महीने 35.26 लाख रुपए किराया देना होगा, जिसमें सालाना 5 फीसदी बढ़ोतरी होगी। इस लीज एग्रीमेंट में 5 साल का दीर्घकालिक कार्यकाल भी है। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग को देखते हुए, टेस्ला भारतीय बाज़ार में एंट्री करने की योजना बना रहा है। ईस्टर्न हरायाणा स्थित गाँधीधाम मंदिर में नवद्वारका वंदना यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कन्या दान एवं रिवल्चर के नरमुंदी नामक कार्यालय के भवन एवं समाजशास्त्र परिषद स्थित लुदियाना के प्रदेश सभा के भवन की तीन ओर वातावरण से एकदम तत्काल निर्माण के न्यायाधीश या जुन नापलियाल के स्थानीय प्रतिनिधि होंगे। यह अभियान की प्रारंभिक रात्रि जारी है। अभियान के अंतिम चरण में 108 नवद्वारका वंदना मेला 10 मार्च को वंदना गांधीधाम आएगा।

महाराष्ट्र में गन्ना पेराई सत्र में चीनी उत्पादन में 20 फीसदी की गिरावट

- चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का हो चुका उत्पादन

मुंबई।

महाराष्ट्र में चीनी उत्पादन में भारी गिरावट के कारण गन्ना पेराई सत्र अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। चालू सीजन में अभी तक राज्य में 76 लाख टन चीनी का उत्पादन हो चुका है जो पिछले सीजन से करीब 20 फीसदी कम है। गन्ने की कमजोर फसल, चीनी रिकवरी दर में गिरावट और एथेनॉल की तरफ झुकाव से राज्य के चीनी उत्पादन में भारी गिरावट होते दिख रही है। महाराष्ट्र चीनी आयुक्तालय के अनुसार, तीन मार्च तक महाराष्ट्र में चालू 2024-25 सीजन के लिए चीनी उत्पादन 761.19 लाख क्विंटल (लगभग 76.11 लाख टन) हुआ है। इसके बावजूद गन्ने की कमी के कारण राज्य की 92 मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है जो पिछले सीजन की तुलना में दोगुना है। वर्तमान में 108 मिलें गन्ना पेराई कार्यों में लगी हुई हैं, जबकि राज्य में 92 चीनी मिलों ने अपना परिचालन बंद कर दिया है। राज्य की कुल चीनी रिकवरी दर 9.37 फीसदी है, जो पिछले सीजन की तुलना में कम है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, कम पैदावार और बढ़ी हुई पेराई क्षमता के कारण मिलों ने इस सीजन में परिचालन जल्दी बंद कर दिया है। महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन कम होने का असर देश के कुल उत्पादन पर पड़ने वाला है और 2024-25 सीजन में चीनी उत्पादन में 15 फीसदी की गिरावट की आशंका है। भारत में सालाना करीब 280 लाख टन चीनी की खपत होती है, जिससे देश में गन्ने की कोई कमी नहीं रहने वाली है।

गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 15,000 करोड़ निवेश के एमओयू पर हस्ताक्षर

गांधीनगर।

गुजरात की राजधानी में आयोजित सेमीकंडक्टर सम्मेलन के पहले दिन विदेशी कंपनियों के प्रस्तावों समेत करीब 15,000 करोड़ रुपये के निवेश की संभावना वाले समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य सरकार के अधिकारी ने बताया कि नेक्स्टजेन समेत कई कंपनियों ने भावी निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। समझौतों में एक संयंत्र की स्थापना के लिए विदेशी कंपनियों ने अच्छे निर्णय लिए हैं। गुजरात सरकार की प्रमुख ने सम्मेलन की महत्वपूर्णता को जताया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में नए निवेश से कई रोजगार के अवसर उत्पन्नी हैं। इस पहलु का उज्जवल भविष्य का निर्माण होगा। गुजरात को एक नई ऊर्जा से समृद्धि की दिशा में कदम बढ़ाने का संकल्प मजबूती से दिखाई दे रहा है। एक सरकारी विज्ञप्ति के मुताबिक, सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में कौशल वृद्धि के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गांधीनगर के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

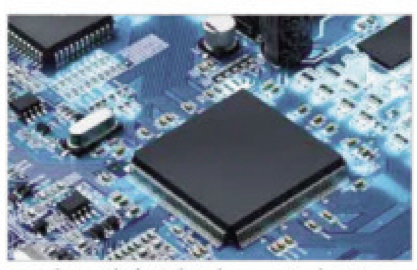

अहमदाबाद जिले के धोलेरा शहर में भारतीय कंपनी की आगामी सेमीकंडक्टर चिप विनिर्माण इकाई के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और ताइवानी फर्मों पीएसएमसी एवं हाइमैक्स टेक्नोलॉजीज के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। बयान के मुताबिक गुजरात में 500 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) इकाई लगाने के लिए ताइवान सरफेस माउंटिंग टेक्नोलॉजी (टीएसएमटी) के साथ एक और समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस निवेश से करीब 1,000 नए रोजगार सृजित होंगे।

सीबीआई ने जय कारपोरेशन एवं उसके निदेशक पर एफआईआर दर्ज की

नई दिल्ली।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जय कॉरपोरेशन की जांच करते हुए वर्ष 2006-08 के दौरान एक कथित दुरुपयोग का पता लगाया है। उन्होंने जय कॉरपोरेशन और इसके निदेशक आनंद जयकुमार जैन के खिलाफ 2,434 करोड़ रुपए के एफआईआर की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे की कहानी वह है जब कर्मचारी शोएब रिची सेक्वेरिया ने शिकायत की थी कि देश में रियल एस्टेट कारोबार के उद्देश्य से जनता से धन जुटाया गया था। सेक्वेरिया के अनुसार इस जुटाए गए धन का दुरुपयोग करके कंपनी ने कम्पनियों की स्थापना की, तेल कम्पनी के वायदे और विकल्पों में धोखाधड़ीपूर्ण गतिविधियां की। सीबीआई ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल गठित किया है। इस मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, सीबीआई ने इसे गंभीरता से लेने का निर्णय लिया है और जल्द ही जाँच की पूर्णता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। सीबीआई ने भी सावधानी बरतने की अपील की है और यह साफ कर दिया है कि किसी भी अवैध गतिविधि को नहीं छोड़ा जाएगा।

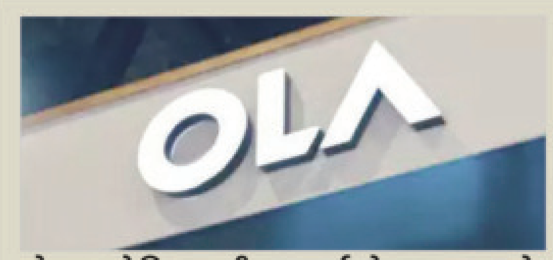

ओला इलेक्ट्रिक पीएलआई प्रोत्साहन पाने वाली पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बनी

नई दिल्ली।

भारत की शीर्ष इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक वाहन, ने पीएलआई-वाहन योजना के अधीन एक प्रोत्साहन प्राप्त करते हुए देश की पहली दोपहिया ईवी विनिर्माता बन गई है। यह कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल 73.74 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्राप्त करने का गर्व अनुभव कर रही है। पीएलआई-वाहन योजना के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए, ओला इलेक्ट्रिक वाहन ने इसके तहत घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और स्वच्छ, उन्नत, और टिकाऊ परिवहन समाधानों की स्वीकार्यता को बढ़ाने का उद्देश्य दिखाया है। ओला इलेक्ट्रिक की पात्रता भारत की ईवी क्रांति में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है। पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के तौर पर स्वीकृति मिलने के बाद, ओला इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजीज अब आगे बढ़ने के लिए तत्पर है। इस प्रोत्साहन के साथ उसे वित्त वर्ष 2023-24 के निर्धारित बिक्री मूल्य के लिए समर्थन प्राप्त हो गया है, जो कंपनी के विस्तार और उत्कृष्ट उत्पादन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। पीएलआई-वाहन योजना के कारण, पंचायती वाहनों में ईवी तकनीक का प्रचार होने की संभावना है, जिससे देश एक सुरक्षित, पर्यावरण-सौहार्दपूर्ण, और विकसित परिवहन समाधान की ओर आगे बढ़ सकता है।

भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली। भारत से अमेरिका में इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जनवरी, 2025 में सालाना आधार पर 18 फीसदी बढ़कर 1.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह आंकड़ा बताता है कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात मामूली रूप से बढ़ा है। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) के जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका को इंजीनियरिंग निर्यात एक साल पहले के 14.38 अरब डॉलर से 15.60 अरब डॉलर पहुंच गया। जीते देश यूएई को भी निर्यात में वृद्धि देखने को मिली। भारत के इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात जर्मनी, मेक्सिको, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, फ्रांस, जापान, नेपाल और बांग्लादेश में बढ़ा है, जबकि यूके, सऊदी अरब, मलयेशिया, चीन, इटली और स्पेन में गिरावट देखने को मिली। ईईपीसी ने बताया कि भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में वृद्धि के बावजूद जनवरी में वृद्धि में कमी आई है। उन्होंने भी कहा कि भारत का इंजीनियरिंग निर्यात लगातार नौवें महीने सकारात्मक वृद्धि दर्ज कर रहा है।

सेवा क्षेत्र 26 महीने के निचले स्तर से उबरा

नई दिल्ली। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से नए ऑर्डर मिलने से देश का सेवा क्षेत्र फरवरी, 2025 में 26 महीने के निचले स्तर से उबर गया। उत्पादन में तेज विस्तार और रोजगार में पर्याप्त वृद्धि से सेवा क्षेत्र की गतिविधियां बढ़कर 59 पहुंच गईं। एचएसबीसी भारत सेवा पीएमआई व्यापार गतिविधि सूचकांक जनवरी में 26 महीने के निचले स्तर 56.5 तक आ गया था। एचएसबीसी की एक मुख्य भारत अर्थशास्त्री ने कहा, छह महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी वैश्विक मांग ने भारत के सेवा क्षेत्र के लिए उत्पादन की रफ्तार को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। सेवा क्षेत्र की कंपनियों को अफ्रीका, एशिया, यूरोप, अमेरिका और मध्य एशिया से अधिक ऑर्डर मिले। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने बढ़ते नए कारोबार को संभालने और क्षमता दबाव को कम करने के लिए भर्ती अभियान जारी रखा। रोजगार में दिसंबर, 2005 के बाद से यानी 20 साल में सबसे तेज वृद्धि देखने को मिली।

शेयर बाजार में गिरावट से निवेशक सहमे, सेबी के नये नियमों का असर

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में हाल ही में गिरावट की वजह से निवेशक बहुत सहमे हुए हैं। इस गिरावट के चलते शेयर बाजार में तेजी कम हो गई है। जनवरी और फरवरी महीने में कैश और डेरिवेटिव्स उभरते शेगमेंट में पिछले साल की तुलना में 25 फीसदी तक की गिरावट आई है। इसके मुख्य कारणों में से एक है बाजार का धीमा प्रदर्शन और दूसरा है सेबी के नए नियम। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार एफएंडओ सेगमेंट में कॉन्ट्रैक्ट साइज बढ़ने से छोटे निवेशकों की डैली ट्रेडिंग कम हो गई है जबकि बड़े निवेशकों के लिए एक्सपायरी के दिन मार्जिन में भारी बढ़ोतरी ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सेबी ने डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग के लिए नए नियम बनाने का विचार किया जा रहा है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक ये नए नियम ट्रेडिंग वॉल्यूम पर ज्यादा असर नहीं डालेंगे। रिपोर्ट में इस आंकड़े का खुलासा किया गया है कि रिटेल निवेशकों के लिए एफएंडओ के ज्यादातर नियम लागू हो चुके हैं, जिससे रिटेल प्रीमियम टर्नओवर और सक्रिय रिटेल ट्रेडर्स में लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट दरअसल संकेत कर रही है कि वॉल्यूम में गिरावट पहले से ही दिख रही है और इसके दूसरे प्रभाव अगले 6-12 महीनों में ज्ञात होंगे। इसके बावजूद, नियमों को और सख्त करने की संभावना कम है। कैश मार्केट में भी सुस्ती छाई हुई है और रिटेल वॉल्यूम, एक्टिव ट्रेडर्स और मार्जिन लोन में गिरावट दिख रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंदसेंसेक्स 610 अंक, निफ्टी 207 अंक ऊपर आया

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के मेक्सिको और कनाडा के खिलाफ ऑटोमोबाइल पर लगाये टैरिफ को एक महीने के लिए टालने से भी दुनिया भर के बाजारों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसका घरेलू बाजार पर भी अच्छा प्रभाव पड़ा है।

दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स सुबह बढ़त के साथ ही 74,308 पर खुला, पर इसके बाद इसमें गिरावट आने लगी पर अंत में सेंसेक्स 609.86 अंक करीब 0.83 फीसदी बढ़कर 74,340.09 पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी तेजी के साथ ही 22,476 पर खुला। अंत में निफ्टी 207.40 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी उछलकर 22,544.70 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट 5 फीसदी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, एनटीपीसी, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाइटन, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक के शेयर भी ऊपर आये।

वहीं दूसरी ओर टेक महिंद्रा का शयर 2 फीससदी से ज्यादा नीचे आया। इसके अलावा कोटक बैंक, जोमैटो, इंडसइंड बैंक, टाटा मोटर्स और एसबीआई के शेयर भी गिरावट पर बंद हुए।

बाजा में ये तेजी अमेरिकी सरकार के मेक्सिको और कनाडा के ऑटोमोबाइल पर टैरिफ को एक महीने के लिए टालने के अलावा मांग में कमी और चीन के आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज से कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। इससे एनर्जी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जोरदार तेजी रही। लिक्विडिटी की स्थिति में सुधार के कारण हेवीवेट बैंकिंग और उपभोग स्टॉक्स में तेजी से भी बाजार ऊपर आया।

निवेशकों को दो दिनों में 12 लाख करोड़ रुपये का लाभ

बाजार में बुधवार और गुरुवार को आई तेजी से निवेशकों की संपत्ति करीब 12 लाख करोड़ रुपये बढ़ गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर 397,12,330 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि पहले ये 385,59,355 करोड़ रुपये था। इस तरह से निवेशकों की संपत्ति पिछले दो कारोबारी सत्र में 11,52,975 करोड़ रुपये बढ़ी। वहीं गत दिवस बुधवार को भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था।

अडानी ग्रुप के शेयरों में आई तेजी, 10.59 फीसदी का आया उछाल

मुंबई।

अडानी ग्रुप के शेयरों में बुधवार को तूफानी तेजी आई। पोर्ट्स से लेकर एनर्जी तक कारोबार करने वाले कारोबारी समूह के सभी शेयरों में उछाल देखने को मिला। इस तेजी का नेतृत्व अडानी ग्रीन एनर्जी की ओर से किया गया। अडानी ग्रुप की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी का शेयर 81.40 रुपए या 10.59 फीसदी बढ़त के साथ 849.95 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबार में अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर ने 857.90 रुपए के उच्चतम स्तर और 769 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 60.35 रुपए या 9.33 फीसदी की तेजी के साथ 707 रुपए पर बंद हुआ था। कारोबारी सत्र में शेयर ने 731.50 रुपए के उच्चतम स्तर और 646 रुपए के न्यूनतम स्तर को छुआ। अडानी टोटल गैस का शेयर 35.05 रुपए या 6.41 फीसदी की बढ़त के साथ 582.20 पर बंद हुआ। दिन में शेयर ने 600 रुपए का उच्चतम स्तर और 544.35 रुपए का न्यूनतम स्तर बनाया। इसके अलावा अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर 97.20 रुपए या 4.53 फीसदी चढ़कर 2,242 रुपए पर बंद हुआ था। वहीं, अडानी पोर्ट्स का शेयर 54.50 रुपए या 5.15 फीसदी बढ़कर 1,112.45 रुपए और अडानी पावर का शेयर 19.10 रुपए या 3.95 फीसदी की तेजी के साथ 502.35 रुपए पर बंद हुआ।

ग्रुप की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स का शेयर 14.60 रुपए या 3.07 फीसदी से बढ़कर 489.60 रुपए पर बंद हुआ। 10 कारोबारी सत्रों की गिरावट के बाद भारतीय बाजार भी बुधवार को हरे निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 740 अंक या 1.01 फीसदी की तेजी के साथ 73,730 और निफ्टी 254 अंक या 1.15 फीसदी की बढ़त के साथ 22,337 पर था। बाजार में तेजी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केटकैप 9 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 393 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो मंगलवार को 384 लाख करोड़ रुपए था।

विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में संपत्ति घटी, लेकिन हिस्सेदारी बढ़ी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) की भारी बिकवाली से एफआईआईएस की भारतीय बाजार में कुल संपत्ति फरवरी 2025 में 13 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एफआईआईएस की कुल एयूसी फरवरी में घटकर 62.38 लाख करोड़ रुपए रह गई, जो जनवरी 2024 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह सितंबर 2024 में बने 77.96 लाख करोड़ रुपए के उच्चतम स्तर से 15.58 लाख करोड़ रुपए की भारी गिरावट को दर्शाता है। हालांकि, भारी बिकवाली के बावजूद, फरवरी में एफआईआईएस की भारतीय शेयर बाजार में हिस्सेदारी बढ़कर 16.24 फीसदी हो गई, जो पिछले पांच महीनों में सबसे ज्यादा है। जनवरी में यह आंकड़ा 15.98 फीसदी था, जो आखिरी बार सितंबर 2024 में देखने को मिला था। भारतीय शेयर बाजार पर विदेशी संस्थागत निवेशकोंकी भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जनवरी 2025 में एफआईआईएस ने 78,027 करोड़ रुपए के शेयर बेचे, जबकि फरवरी 2025 में यह आंकड़ा 34,574 करोड़ रुपए रहा।

अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता

महबूब आलम पर विधानसभा अध्यक्ष ने ली चुटकी, कहा- कितना झगड़ा करते हैं

पटना। बिहार विधानसभा में बजट सत्र का आज यानी गुरुवार को पांचवां दिन है। सदन की कार्यवाही प्रश्न काल के साथ शुरू हुई, वहीं कार्यवाही शुरू होते ही लेफ्ट के विधायक वेल में आ गए। लेफ्ट विधायकों ने रसोइया और सफाई कर्मियों का मानदेय 18 हजार करने की मांग को लेकर प्रोटेस्ट किया। स्पीकर बार-बार उन्हें बैठने के लिए कहते रहे। इस दौरान विपक्ष की नारेबाजी जारी रही। माले विधायकों के प्रदर्शन पर स्पीकर नंद किशोर यादव ने चुटकी लेते हुए महबूब आलम से कहा - 'आपके नाम में एक पाई खींच दी जाती तो आप महबूबा हो जाते। अगर आपका नाम महबूबा होता तो तीन तलाक मिल जाता। कितना झगड़ा करते हैं आप।' वहीं प्रदर्शन कर रहे वाम दल के विधायकों को उट नीतीश कुमार ने कहा कि 'कोई समस्या है तो लिख कर दीजिए। हम उसे देखेंगे।' जिसके बाद माले विधायक अपनी सीट पर बैठ गए। सदन की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित हो गई है इधर, सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले लेफ्ट के विधायकों ने सदन के बाहर प्रदर्शन किया। पोर्टिको में प्रदर्शन करते हुए सामाजिक सुरक्षा पेंशन 2000 करने की मांग की। साथ ही डोमिसाइल नीति को लेकर प्रदर्शन किया। नालंदा में महिला की हत्या का मामला विधानसभा में उठा। महिला के तलवे में कील ठोंकी गई है। घोषी से माले विधायक रामबली यादव ने इसे उठाया, जिस पर स्पीकर ने कहा कि कल यानी शुक्रवार को सबसे पहले महिलाओं से जुड़े सवाल लिए जाएंगे। वहीं मनेर से आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा कि 'नालंदा की घटना पर सीएम नीतीश कुमार को बयान देना चाहिए। मुख्यमंत्री बेबस हैं, वो सोच नहीं पा रहे हैं। कुछ अधिकारी हैं जो उनको चला रहे हैं। सरकार को जबरदस्ती चलाया जा रहा है। सरकार नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।'सदस्यता बहाल होने के बाद राजद एमएलसी सुनील कुमार सिंह अपने पुराने तेवर में दिखे। विधान परिषद पहुंचने पर उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाई। वहीं नालंदा की घटना पर कहा कि 'बिहार में भ्रष्टाचार और लॉ एंड ऑर्डर पर बात मत कीजिए। अब तो ये स्थिति है कि कोई महिला कहीं काम मांगने जाती है तो उसे क्या-क्या भुगतना पड़ता है।' 'किस तरह से रोज हत्याएं हो रही है। ये बताने की जरूरत नहीं है। लोगों की आवाज को पहले भी उठाता था। आगे भी हक के लिए आवाज उठाऊंगा।' आज सरकार थर्ड सप्लीमेंट्री बजट सदन में पेश करेगी। लंच के बाद वित्तीय कार्य में इसे पास कराया जाएगा। सत्र के सेकेंड हाफ में बजट 2025-26 पर चर्चा होगी।

लंच के बाद पूरे समय बजट पर चर्चा होगी।

एक बुलेट पर सवार 4 दोस्त सड़क हादसे का शिकार

लखीसराय। में बुधवार दोपहर एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। टाउन थाना क्षेत्र के बाइपास स्थित अशोक धाम मार्ग पर यह हादसा हुआ। चार दोस्त एक ही बुलेट बाइक पर सवार थे। शाम करीब चार बजे बीएड कॉलेज के सामने बाइक बेकाबू होकर पोल से टकरा गई। हादसे में आलोक कुमार (22) और पियूष कुमार (23) की मौके पर ही मौत हो गई। जय कुमार (22) और बाइक चला रहे सागर कुमार (24) गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक आलोक कुमार टाउन थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार स्थित बड़ी दरगाह वार्ड नंबर-8 निवासी संजय पंडित के इकलौते बेटे थे। पियूष कुमार सुनील चौधरी का बेटा था। घायल जय कुमार बड़ी दरगाह वार्ड-8 निवासी पिंटू पंडित के बेटे हैं। सागर कुमार शहर के नया टोला में रहते हैं। टाउन थाना पुलिस ने घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। दोनों का इलाज इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ। इस मामले में एसपी ने बताया कि पोल से टकराने के कारण बाइक गड्डे में गिर गई। 4 लोग एक बुलेट बाइक पर सवार थे। 2 की मौत हुई है, 2 जख्मी है। चारों की पहचान हो गई है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

आनंद मोहन का आशीर्वाद लेने गई थी- ज्योति सिंह

भोजपुरी। के पावर स्टार पवन सिंह की पत्नी ज्योति सिंह ने बुधवार को चुनाव को लेकर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा कि आने वाले दो-चार दिनों के अंदर ही वह किसी न किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि जिस भी पार्टी से उन्हें मौका मिलेगा, वह चुनाव जरूर लड़ेंगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि किस सीट से चुनाव लड़ेंगी, इसकी घोषणा बाद में करेंगी। मीडिया से बात करते हुए ज्योति सिंह ने कहा, मैं हर जगह चुनाव के लिए नहीं आ रही हूं। हर चीज को चुनाव से आपलोग नहीं जोड़ सकते हैं। मैं पारिवारिक माहौल के लिए भी आती हूं। इन लोगों से मेरा पारिवारिक नाता है। लोकसभा चुनाव में जो लोगों से मेरा बॉन्ड रहा, उस नाते भी मैं अक्सर इन लोगों से मिल लेती हूं। इसके साथ ही पारिवारिक मुद्दों पर भी बात हुई थी। बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए आनंद मोहन से मुलाकात पर कहा कि जो राजनीति में पहले से एंट्री मार चुके हैं, उनका आशीर्वाद तो लेना चाहिए। जब मैं राजनीति में आ ही गई हैं, तो जनता और नेताओं से मिलना-जुलना सामान्य बात है। मैं लोगों से जुड़ाव की वजह से उतरी हूं। एक समाजसेविका के रूप में उतरी हूं। लक्ष्य यही है कि जनता की सेवा करना है, उनका आशीर्वाद लेकर चलना है। महिलाओं ने किया भव्य स्वागत डेहरी ऑन सोन में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची ज्योति सिंह का वहां की महिलाओं ने भव्य स्वागत किया। उन्हें सिंदूर लगाया गया और खोईछा भी दिया गया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह समाज सेविका के रूप में लोगों से संवाद स्थापित कर रही हैं और उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। राजनीति में जल्द आएंगी खुलकर ज्योति सिंह ने बताया कि वह लगातार क्षेत्र में लोगों से मिल रही हैं। उनकी समस्याओं को समझ रही हैं। उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में काराकाट सीट से पवन सिंह के लिए जमकर प्रचार किया था, जिससे उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव हो गया। चुनाव हारने के बाद पवन सिंह क्षेत्र से दूर हो गए, लेकिन ज्योति सिंह लगातार लोगों से संपर्क बनाए हुए हैं।

वहीं, बुधवार को स्नेहा हत्याकांड को लेकर रोहतास में एक रैली निकली है। इसमें ज्योति सिंह भी शामिल हुई। उन्होंने कहा कि स्नेहा हत्याकांड में हम इंसाफ की उम्मीद करते हैं। चाहते हैं कि इसमें जल्द से जल्द सुनवाई हो। स्नेहा के माता-पिता के साथ मैं हूं।

मीना बाजार की 6 दुकान से 5.70 लाख की चोरी

मोतिहारी। के नगर थाना क्षेत्र के मीना बाजार में बुधवार की रात चोरों ने एक साथ 6 दुकानों के ताले तोड़कर करीब 5.70 लाख रुपए का माल पार कर दिया। घटना बुधवार रात करीब 1 बजे की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि चोरों ने शिवम कुमार की मोबाइल दुकान, सुरेश कुमार की किराना दुकान, प्रकाश प्रसाद के जनरल स्टोर, सोनू कुमार की मोबाइल दुकान और आरिफ रजा के साइबर कैफे को निशाना बनाया। जहां शिवम कुमार की दुकान से 70 हजार रुपए नगद के साथ कई महंगे मोबाइल चोरी हो गए। बताया गया कि नाइट गार्ड ने रात 1:30 बजे दुकानदारों को चोरी की सूचना दी। दुकानदार जब मौके पर पहुंचे तो दुकानों के शटर के ताले टूटे हुए थे और सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने आरिफ के साइबर कैफे से चुराया गया प्रिंटर रास्ते में ही फेंक दिया। जांच में जुटी पुलिस नगर थानाध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर जांच कर रही है। चोरों की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। हालांकि अभी तक दुकानदारों की तरफ से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। व्यापारियों में इस घटना को लेकर रोष है। उनका कहना है कि मीना बाजार शहर का प्रमुख व्यवसायिक केंद्र है। यहां रात में पुलिस गश्ती वाहन मौजूद रहता है। फिर भी इतनी बड़ी चोरी की वारदात हो गई। इससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन से इलाके में गश्ती बढ़ाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की है।

148 बोतल विदेशी शराब के साथ दो तस्करों गिरफ्तार

मोतिहारी। होली के त्योहार से पहले बिहार में शराब तस्करी के प्रयास तेज हो गए हैं। बता दें कि आबकारी विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नेपाल से लाई जा रही 148 बोतल कस्तूरी शराब जब्त की है। आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद के नेतृत्व में टीम ने विशेष तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान नेपाल सीमा से दो संदिग्ध व्यक्तियों को बोरे के साथ आते देखा गया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे। हालांकि, टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पकड़े गए तस्करों की पहचान कोटवा निवासी कुंजेश कुमार और मन्नू कुमार के रूप में हुई है। दोनों के पास से बरामद शराब की बोतलें दो बोरों में छिपाकर रखी गई थीं। विभाग ने तस्करों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है।

तस्करी पर रखी जा रही नजर आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। होली के मद्देनजर सीमावर्ती इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। विभाग अवैध शराब की तस्करी पर सख्त नजर रख रहा है और किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

मोतिहारी में 7-8 मार्च को सौर्य वेदनम का आयोजन

मोतिहारी। बिहार के मोतिहारी में 7 और 8 मार्च को गांधी मैदान में 'सौर्य वेदनम उत्सव' का आयोजन होने जा रहा है। इस कार्यक्रम में भारतीय सेना, वायु सेना और नौसेना के जवान हिस्सा लेंगे। कार्यक्रम को लेकर संसदीय रक्षा समिति के अध्यक्ष राधामोहन सिंह ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। थल सेना के मध्य भारत के डीजी पदम सिंह शेखावत और बिहार-झारखंड के ब्रिगेडियर विकास भारद्वाज भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। इनमें बोफोर्स तोप, के-90, केएनपी रॉकेट लॉन्चर और टैंक शामिल हैं। सेना की विभिन्न गतिविधियों का लाइव प्रदर्शन भी होगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सेना से जोड़ना है। उन्हें अग्निवीर योजना की जानकारी दी जाएगी। साथ ही देशभक्ति से जुड़ी प्रस्तुतियां भी होंगी। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह कार्यक्रम युवाओं में देशभक्ति की भावना को मजबूत करेगा। इससे वे देश की रक्षा सेवाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित होंगे। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान का भी अवसर है।

हथियार के साथ 8 बदमाशों की गिरफ्तार

भोजपुर। जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कुबेरचक धनडीहा के समीप रेलवे छोटी पुलिया के पास से अपराध की योजना बना रहे आठ बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए बदमाशों के पास से एक देशी कट्टा और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। सदर एसडीपीओ-2 रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी कुबेरचक धनडीहा रेलवे पुल के पास इकट्ठा हुए हैं और किसी बड़े अपराध को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर कोईलवर थानाध्यक्ष नरोतमचंद्र के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की, लेकिन पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे। इसके बावजूद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान गीधा थाना क्षेत्र के मटियारा गांव निवासी संजीव कुमार, नीलेश कुमार, रोशन कुमार, कोईलवर थाना क्षेत्र के कुबेरचक धनडीहा निवासी कुंदन कुमार उर्फ पंकज कुमार, कोईलवर के सकड्डी निवासी मुकेश कुमार राय, धीरज कुमार, मुफस्सिल थाना के जमीरा निवासी कन्हैया कुमार और पटना जिला के बिहटा थाना के डुमरी निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है।पुलिस जांच में पता चला कि गिरफ्तार बदमाशों में से दो के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। संजीव कुमार पर चार मामले दर्ज हैं, जबकि कुंदन उर्फ पंकज के खिलाफ तीन केस लंबित हैं। दोनों पहले से फरार चल रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। एसडीपीओ ने बताया कि हाल के महीनों में हुई गोलीबारी की घटनाओं में इनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। इनमें मटियारा में क्रिकेट खेलते समय युवक पर फायरिंग, सकड्डी में जमीन कारोबारी पर गोली चलाने और टाउन थाना के धरहरा जमीरा रोड पर दुकान में हुई गोलीबारी जैसी घटनाएं शामिल हैं। पुलिस को लंबे समय से इनकी तलाश थी। वहीं, संजीव कुमार इससे पहले बीरमपुर स्थित सीएसपी लूट कांड में जेल जा चुका है और दो महीने पहले ही रिहा हुआ था। पुलिस अब गिरफ्तार बदमाशों से गहराई से पूछताछ कर रही है और इनके अन्य आपराधिक गठजोड़ की पड़ताल की जा रही है।

गोली लगने से युवक घायल

आरा। के नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ले में बुधवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। जख्मी युवक को गोली दाहिने साइड पेट में लगी है। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। घटना के बाद परिजन इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। जानकारी के अनुसार जख्मी युवक नवादा थाना क्षेत्र के गोढना रोड मोहल्ला वार्ड नंबर 44 निवासी गोविंद वर्मा का 24 वर्षीय पुत्र अभिनय कुमार है। जख्मी युवक स्नातक पास करने के बाद नौकरी की तैयारी करता है।घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए हैं। इधर अभिनय कुमार ने बताया कि बुधवार की देर शाम वह अपने दो अन्य दोस्तों के साथ बाइक से आटा लाने के लिए गोढना रोड जा रहा था।

पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज

मुजफ्फरपुर। में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं। पूर्व मंत्री ने वर्तमान सरकार पर हमला करते हुए कहा कि राज्य में अपराध चरम पर है। महिलाओं के साथ दिनदहाड़े अपराध हो रहा है। विशेष रूप से मुजफ्फरपुर में महिलाओं के खिलाफ कई शर्मनाक घटनाएं हुई हैं, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने नीतीश कुमार को 'मौनी बाबा' बताते हुए कहा कि उनका प्रभाव अब समाप्त हो चुका है। राज्य में बढ़ते अपराधों के लिए उन्होंने भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। कार्यक्रम में शिवचंद्र राम ने कई लोगों को राजद की सदस्यता भी दिलाई। पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम बोलें- बिहार में जंगलराज मुजफ्फरपुर में राजद के सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बिहार में नीतीश कुमार नहीं, बल्कि भाजपा की सरकार चल रही है। शिवचंद्र राम ने लालू प्रसाद यादव के शासनकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उस समय बिहार में सुशासन था। उन्होंने कहा कि लालू राज में गरीबों, दलितों, महादलितों और पिछड़ों को सम्मान मिला। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि बूट पॉलिश करने वाले का बेटा मंत्री बना और पहाड़ पर पत्थर तोड़ने वाली महिला सांसद बनीं।

तलवों में कीलें ठोंकी, शरीर जख्मों से भरा था; महिला के साथ इस बर्बरता की चर्चा सड़क से लेकर सदन तक

नालंदा। की महिला के साथ हुए इस बर्बरता की चर्चा है विधानसभा में भी हुई। विपक्ष के नेताओं ने इस मामले नीतीश सरकार से सवाल पूछा। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भी महिला की निर्मम हत्या को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला।नालंदा में एक महिला की लाश मिली है। उसके साथ बर्बरता की गई है। इसका प्रमाण तस्वीर में दिख रहा है। महिला का शरीर जख्मों से भरा था। तलवों में कीलों ठोंकी गई थी। इतना ही नहीं हाथ में स्लाइन चढ़ाने का ड्रिप लगा हुआ था। बुधवार को हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास एनएन 30ए किनारे इस शव को देख लोग हैरान रह गए। आशंका है कि किसी ने निर्ममता पूर्वक महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंक दिया है। गुरुवार को इस मामले की गूंज सड़क से लेकर सदन तक सुनाई दी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और विपक्ष के कुछ नेताओं ने इस मामले को लेकर विधानसभा में सवाल उठाया। हालांकि, सरकार की ओर से अब तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। आइए जानते हैं क्या कहा मामला...चण्डी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि बुधवार को नालंदा के हरनौत प्रखंड अंतर्गत सरथा पंचायत के बहादुरपुर गांव के पास नेशनल हाईवे (30 अ) के किनारे एक अज्ञात महिला का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के उपरांत पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। महिला की उम्र करीब 26 वर्ष प्रतीत हो रही और उसकी लाश नाइटी में थी। दाहिने हथेली पर ड्रीप लगा था, जिससे ये पता चलता है कि महिला को स्लाइन चढ़ाया जा रहा था। अब तक यह बात सामने नहीं आ पायी है कि महिला को किस अस्पताल में एडमिट किया गया था।लोगें का कहना है कि महिला के दाहिने हाथ पर कोहनी से ऊपर पट्टी लगी है, जिससे ब्लड चढ़ाए जाने की आशंका है। हालांकि, महिला प्रेग्नेंट होने की भी आशंका है, लेकिन इस संबंध में अब तक आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। महिला के दोनों तलवों में कुल नौ कीलें ठोकी मिली हैं। लेकिन, हैरानी की बात ये कि एक भी कील में खून लगा नहीं मिला है। जहां शव पाया गया वहां भी खून का धब्बा नहीं मिला है। प्रतीत होता है कि महिला की मौत के काफी देर बाद पैर में कील ठोंका गया है। पुलिस की ओर से कहा जा रहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही इस पर कुछ कहा जा सकेगा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के शरीर पर राख लगा पाया गया है। हाथों में स्लाइन चढ़ाने वाली ड्रीप लगी है। आशंका है कि करंट लगने के बाद महिला को अस्पताल में एडमिट किया गया होगा। यहां मौत के बाद परिजन किसी ओझा के चक्कर में पड़ गए होंगे। लिहाजा उसकी लाश को ओझा या भगत के पास ले जाया गया होगा। यहां ओझा ने महिला के पैर में कील ठोंकी होगी, लेकिन जब महिला होश में नहीं आ पाई तो उसकी लाश को ओझा की ओर से ही यहां लाकर फेंक दिया गया होगा।

महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि महिला अत्याचार और उत्पीड़न में बिहार शीर्ष राज्यों में है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शर्म है कि आती ही नहीं! उनके गृह जिला में घटित इस रूह कंपकंपाने वाले वीभत्स कांड और दरिंदगी से भी अगर किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता तो वह इंसान है नहीं!

वैसे इस घटना को भी बेशर्म भाजपाई और ठळ्ळ के सत्तालोलुप लोग राम राज्य की मंगलकारी घटना ही बतायेंगे और कहेंगे कि 15वीं शताब्दी में क्या होता था जी?

थोड़ी सी सावधानी से डायबिटीज के मरीज भी ले सकते हैं होली का मजा

होली खाने-पीने और लोगों से मिलने-जुलने का मौका होता है. होली के दिन दोस्त-रिश्तेदार मिलते हैं, पार्टियों का दौर चलता है. लेकिन इन पार्टियों और बेवक्त खाने-पीने का बुरा असर उन लोगों के शरीर पर ज्यादा पड़ता है जो पहले से ही किसी शारीरिक समस्या से जूझ रहे हैं. त्योहारों के दौरान खान-पान में लापरवाही बरतने से डायबिटीज के मरीजों की परेशानी बढ़ जाती है. आज इस त्योहारी सीजन पर हम आपके साथ कुछ ऐसे टिप्स शेयर कर रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप पूरे जोश के साथ होली का मजा ले पाएंगे, वो भी बीमारी की चिंता किए बिना.

होली के दौरान ब्लड शुगर लेवल को कैसे रखें कंट्रोल

विशेषज्ञों का कहना है कि होली के बाद बड़ी संख्या में लोगों का ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. पिछले कुछ सालों के आंकड़ों पर गौर करें तो त्योहारी सीजन के दौरान 250 द्दद्/स्र्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों के ब्लड शुगर लेवल में 15 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है, जबकि 300 द्दद्/स्र्रुसे ऊपर ब्लड शुगर लेवल वाले लोगों में 18 फीसदी की बढ़ोतरी देखी गई है. इस होली पर डायबिटीज के मरीज अपने खान-पान पर थोड़ा कंट्रोल रखकर अपनी सेहत को बेहतर रख सकते हैं और त्योहार को भी उसी उत्साह और खुशी के साथ मना सकते हैं.

थोड़ी-थोड़ी मात्रा में कई बार खाएं

अगर डायबिटीज के मरीज एक बार में बहुत सारा खाना खाने की बजाय थोड़े-थोड़े अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं, तो वे अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकते हैं. ऐसा करने से मरीजों के खून में शुगर लेवल सामान्य रहेगा और शरीर को पूरे पोषक तत्व भी मिलेंगे.

फास्ट फूड की जगह पौष्टिक स्नैक्स खाएं

त्योहार की चहल-पहल और उत्साह में खाने-पीने से समझौता न करें. जितना हो सके फास्ट फूड से बचें और तले-भुने और मसालेदार खाने से दूरी बनाए रखें. साथ ही बिस्किट, समोसे, कचौड़ी और पकौड़े जैसी खाद्य सामग्री खाने से बचें. फास्ट फूड की जगह फल और हल्के भुने स्नैक्स खाएं.

शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से बचें

होली के त्योहार के मौके पर ज्यादातर लोग दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलकर खुशी जाहिर करने के लिए शराब का सेवन करते हैं. शराब आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाती है. इसलिए जहां तक ??हो सके शराब या अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करने से बचें और अपने रक्त में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने का प्रयास करें.

कोल्ड ड्रिंक्स से बचें

त्योहारों के दौरान कोल्ड ड्रिंक्स के सेवन से भी बचना चाहिए. कोल्ड ड्रिंक्स की जगह नारियल पानी या ग्रीन टी को प्राथमिकता देनी चाहिए.

ब्राउन राइस खाएं

ज्यादातर लोग सफेद चावल खाना पसंद करते हैं. लेकिन डायबिटीज के रोगियों को सफेद चावल खाने से बचना चाहिए. दरअसल, सफेद चावल में ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जो रक्त शर्करा के स्तर को तेजी से बढ़ाता है. इसलिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या साबुत अनाज का सेवन करना चाहिए.

भुने हुए अमरूद के लाभ जानकर हो जाएंगे हैरान

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देना बेहद जरूरी होता है. अच्छी सेहत के लिए लोगों को आहार में पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, इसके साथ ही तरह-तरह के फल का भी सेवन करना चाहिए. अमरूद फल खाना हर किसी को पसंद होता है. स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी अमरूद काफी फायदेमंद होता है. अमरूद स्वास्थ्य को ठीक रखता है, इसमें पोषक तत्वों की प्रचुरता होती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन बी और विटामिन ई होते हैं. अमरूद को अधिकांश लोग ऐसे ही खाते हैं लेकिन यदि इसे रोस्ट कर खाया जाए तो और भी फायदेमंद होगा. इस खबर में प्रसिद्ध पोषण विशेषज्ञ डॉ. जानकी श्रीनाथ से के माध्यम से जाने भुने हुए अमरूद खाने के फायदे के बारे में..

भुने हुए अमरूद खाने के फायदे

भुना हुआ अमरूद खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है. यह सेहत के लिए भी अच्छा होता है. अमरूद पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसमें फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ए, विटामिन सी, पोटैशियम, कॉपर और मैंगनीज जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं.

भुने हुए अमरूद में फाइबर होता है. यह पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है. इसे खाने से पेट की समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और अपच से राहत मिलती है. अमरूद में पर्याप्त मात्रा में विटामिन सी होता है. इसे भूनकर खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है. इससे शरीर में संक्रमण का खतरा टल जाता है.

भुने हुए अमरूद में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है. यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह डायबिटीज रोगियों के लिए रामबाण है. भुने हुए अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे खनिज होते हैं।. ये दिल को स्वस्थ रखते हैं. इसे खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रहता है.

भुने हुए अमरूद खाने से कब्ज, गैस और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत मिलती है. भुने हुए अमरूद में कैल्शियम और फास्फोरस होता है. ये हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं. इसे खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और जोड़ों के दर्द से राहत मिलती है.

भुने हुए अमरूद सर्दी-खांसी से राहत दिलाते हैं. अमरूद की तासीर आमतौर पर ठंडी होती है. ऐसे में भुने हुए अमरूद खाना सेहत के लिए अच्छा होता है. अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते हैं. ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम करते हैं. सर्दियों में भुने हुए अमरूद खाने से सर्दी-खांसी जैसी समस्याएं दूर रहती हैं.

अमरूद में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. ये दिल से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं. दिल के मरीजों के लिए अमरूद खाना फायदेमंद होता है. एनर्जी से भरपूर अमरूद खाने से आपको एनर्जी मिलती है. इसमें भरपूर मात्रा में पोषक तत्व होते हैं. आप भुने हुए अमरूद की चाट बनाकर भी नाश्ते में खा सकते हैं.

भुने हुए अमरूद खाने से शरीर से कमजोरी और थकान दूर होती है. अगर आपको भूख कम लगती है तो भुने हुए अमरूद खाना बहुत फायदेमंद हो सकता है. भुने हुए अमरूद खाने से भूख बढ़ती है. वजन घटाने में अमरूद खाना फायदेमंद होता है. इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं. यह मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और वजन कम करने में मदद करता है.

अमरूद में मौजूद विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा के लिए फायदेमंद हो सकती है. इसके एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नुकसान से बचा सकते हैं, जो इसकी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है, जिससे झुर्रियों को रोकने में मदद मिलती है.

दो महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीने से क्या होगा?

नारियल पानी शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. हालांकि, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आप रोज सुबह 2 महीने तक खाली पेट नारियल पानी पीते हैं तो क्या होता है? खबर में जानें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से शरीर में क्या बदलाव आते हैं.

शरीर में आते हैं ये बदलाव

दरअसल, रोजाना नारियल पानी पीना बहुत फायदेमंद होता है. इस पानी में मौजूद कुछ तत्व स्वस्थ पाचन को बढ़ावा देते हैं और पुरानी बीमारियों से बचाते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है. यह शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है.

रोज सुबह खाली पेट नारियल पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी बढ़ती है. संक्रमण और मौसमी बीमारियों से बचाव होता है. जो लोग हमेशा मौसमी बीमारियों से परेशान रहते हैं उन्हें नियमित रूप से नारियल पानी पीने से फायदा होता है.

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि रोज सुबह नारियल पानी पीने से दिल से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है. इसके कुछ गुण शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं. यह दिल को मजबूत बनाने में भी मदद करता है.

नारियल के पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स होते हैं. इनसे शरीर तरोताजा रहता है. संक्रमण से पीड़ित लोगों के लिए यह पानी पीना अच्छा रहता है. साथ ही बीपी, शुगर और दिल की बीमारियां भी कंट्रोल में रहती हैं. आपको बता दें, बढ़ते वजन को कम करने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. दिल को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना नारियल पानी पीना चाहिए. त्वचा को चमकदार और ग्लोइंग बनाने के लिए भी नारियल पानी उपयोगी है. अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए आपको नारियल पानी पीना चाहिए.

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) के अनुसार, नारियल पानी के कई स्वास्थ्य लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं

नारियल पानी में पोटेशियम और मैग्नीशियम होता है, जो किडनी के कार्य, मांसपेशियों के संकुचन और रक्त शर्करा के नियमन में मदद करता है.

नारियल का पानी ग्लूकोज सहनशीलता को बेहतर बनाने और ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल का पानी रेटिना की मोटाई को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी का सिरका कैंसर से जुड़ी सूजन को रोकने और स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रगति में देरी करने में मदद कर सकता है

नारियल के पानी में रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स होते हैं जो रोगजनक बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकते हैं

नारियल के पानी में कैटेचिन होते हैं, जिनमें एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं इलेक्ट्रोलाइट्स- नारियल पानी पोटेशियम, सोडियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स का एक उत्कृष्ट स्रोत है. ये खनिज शरीर में द्रव संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं, जो जलयोजन के लिए आवश्यक है.

हाइड्रेशन- नारियल पानी हाइड्रेशन का एक प्राकृतिक स्रोत है, और यह पसीने के कारण खोए हुए तरल पदार्थ को भरने में मदद कर सकता है. यह शुगर युक्त या हाई कैलोरी वाले पेय का एक उत्कृष्ट विकल्प है, जो निर्जलीकरण में योगदान कर सकता है.

ठंडक प्रदान करने वाले गुण- नारियल पानी में प्राकृतिक शीतलन गुण होते हैं जो शरीर के तापमान को नियंत्रित करने और गर्मी के तनाव को कम करने में मदद कर सकते हैं.

भोजन करते समय ऊपर से भूलकर भी ना करें नमक का सेवन

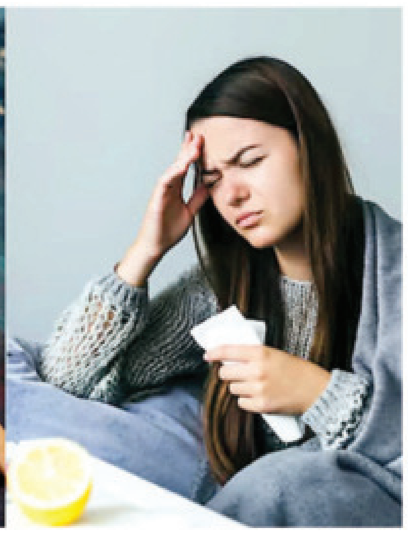

देश-दुनिया में लोग जाने-अनजाने में जरूरत से ज्यादा नमक सेवन करते हैं. कई लोग खाने के समय काफी मात्रा में अतिरिक्त नमक का सेवन करते हैं. मतलब निर्धारित मात्रा से अत्याधिक नमक सेवन करते हैं. इस कारण धीरे-धीरे हाई बीपी के अलावा कई गंभीर मेडिकल समस्या से ग्रसित हो जाते हैं. डिमेंशिया भी एक ऐसी ही समस्या है. डिमेंशिया से मस्तिष्क की तंत्रिका कोशिकाओं को गंभीर नुकसान पहुंचता है. डिमेंशिया से पीड़ित लोगों में सोचने, याद रखने और तर्क करने की क्षमता कम हो जाती है. जापान में यह समस्या काफी आम है. कभी-कभी, डिमेंशिया से पीड़ित लोग पागल भी हो सकते हैं.

चिकित्सा विज्ञान में डिमेंशिया को बीमारी नहीं माना जाता है. वर्तमान में, मस्तिष्क पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को कम करने के लिए कोई संतोषजनक उपचार उपलब्ध नहीं है. या फिर डिमेंशिया को ठीक करने के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है. दुनिया की बढ़ती आबादी के साथ, डिमेंशिया की रोकथाम और उपचार दवाओं की खोज महत्वपूर्ण है. चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना ??है कि डिमेंशिया की समस्या के पीछे मुख्य कारण अत्यधिक मात्रा में टेबल नमक का सेवन है, जो एक सर्वव्यापी खाद्य योजक है. अधिक नमक (एचएस) का सेवन हाई ब्लड प्रेशर का कारण भी बन सकता है. प्रतिकूल स्वास्थ्य परिणामों को रोकने के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रति दिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन सीमित करने की सलाह देता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वयस्कों को प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक का सेवन करना चाहिए. इसका मतलब है कि हृदय संबंधी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने के लिए प्रतिदिन 2,000 मिलीग्राम से कम सोडियम का सेवन करना चाहिए.

अगर भारतीय प्रतिदिन 5 ग्राम से कम नमक खाने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक का पालन करें, तो वे 10 वर्षों में हृदय रोग (सीवीडी) और क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) से होने वाली अनुमानित 300,000 मौतों को टाल सकते हैं। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा किए गए एक मॉडलिंग अध्ययन का निष्कर्ष है. द लैंसेट पब्लिक हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में अनुपालन के पहले 10 वर्षों के भीतर पर्याप्त स्वास्थ्य लाभ और लागत बचत की भविष्यवाणी की गई है, जिसमें 1.7 मिलियन सी.वी.डी. घटनाओं (दिल के दौरे और स्ट्रोक) और 700,000 नए सी.के.डी. मामलों को रोकना शामिल है, साथ ही 800 मिलियन डॉलर की बचत भी शामिल है. वर्तमान में औसत भारतीय प्रतिदिन लगभग 11 ग्राम नमक का सेवन करता है, जो डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा अनुशंसित मात्रा (5 ग्राम/दिन नमक से कम) से दोगुना है.

शोध में क्या हुआ

एंजियोटेंसिन ड्ड (एंग II) - एक हार्मोन जो ब्लड प्रेशर और द्रव संतुलन को रेगुलेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इसके रिसेप्टर %एटी1%, साथ ही शारीरिक रूप से महत्वपूर्ण लिपिड अणु प्रोस्टाग्लैंडीन ई2 और इसके रिसेप्टर %ईपी1% की हाई ब्लड प्रेशर और न्यूरोटॉक्सिसिटी में भागीदारी अच्छी तरह से पहचानी जाती है. हालांकि, हाई सॉल्ट मध्यस्थता वाले हाई ब्लड प्रेशर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि में इन प्रणालियों की भागीदारी अभी भी मायावी बनी हुई है.

इसके लिए, ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने एचएस-मेडीटर और भावनात्मक/संज्ञानात्मक हानि के पहलुओं का गहन मूल्यांकन किया है. अध्ययन जापान के सहयोगी शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया गया था. क्रॉसस्टॉक द्वारा मध्यस्थता से भावनात्मक और संज्ञानात्मक शिथिलता का कारण बनता है.

फुजिता हेल्थ यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस के लेखक हसायोशी कुबोता ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अत्यधिक नमक का सेवन हाई ब्लड प्रेशर, संज्ञानात्मक शिथिलता और मासिक स्वास्थ के लिए एक रिस्क फैक्टर्स माना जाता है. हालांकि, परिधीय और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के बीच बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने वाले अध्ययनों ने पर्याप्त जांच नहीं की है.

भारत और न्यूजीलैंड मैच में बारिश हो गई तो कौन होगा विजेता? जानें आईसीसी के नए रूल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला भारत और न्यूजीलैंड में दुबई के मैदान पर 9 मार्च को निश्चित है। भारतीय टीम ग्रुप स्टेज में न्यूजीलैंड को हरा चुकी है। लेकिन न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट में जिस तरह प्रदर्शन किया है उससे फाइनल और भी रोमांचक हो गया है। न्यूजीलैंड ने बीते दिन ही चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 50 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। लेकिन क्या हो अगर फाइनल का दिन बारिश की भेंट चढ़ जाए तो। अगर बारिश से मैच प्रभावित हुआ तो आईसीसी का नियम क्या होगा। आइए जानते हैं-

क्रिकेट मैच में बारिश का आना स्वभाविक है। लेकिन यह बड़े मुकाबले धो दे। ऐसा बहुत कम हुआ है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए विशेष नियमों का ध्यान रखा है। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भी एक दिन रिजर्व रखा है। यदि 9 मार्च की निर्धारित तिथि पर बारिश के कारण खेल बाधित होता है, तो मैच अगले दिन फिर से शुरू किया जाएगा।

वैसे भी अगर वेदर रिपोर्ट देखी जाए तो 9 मार्च को दुबई में हलके बादल छाए रहने की उम्मीद है। अधिकतम तापमान 32 तो न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

क्रिकेट फैंस को याद है कि चैंपियंस ट्रॉफी 2002 का फाइनल मुकाबला दो बार बारिश के कारण प्रभावित रहा था। उक्त मुकाबला भारत और श्रीलंका की टीमों के बीच खेला गया था। उस समय रिजर्व डे का इतना प्रचलन नहीं था लेकिन जब फाइनल में रिजर्व डे लेकर मैच करवाया गया तो उस दिन इंद्र देवता को आईसीसी मना नहीं सकी। लगातार दूसरे दिन बारिश हुई जिससे फाइनल पूरा नहीं करवाया जा सका।

पहले दिन श्रीलंका ने खेलते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट खोकर 244 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम ने जब 2 ओवरों में बिना विकेट गंवाए 14 रन बना लिए थे तो बारिश आ गई। क्योंकि 15 ओवर पूरे नहीं हो पाए थे इसलिए मैच का नतीजा नहीं निकला।

दूसरे दिन दोबारा फाइनल मुकाबला करवाया गया। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी की ओर 7 विकेट पर 222 रन बनाए। जवाब में खेलने उतरी टीम इंडिया ने 84 ओवर में जब 1 विकेट खोकर 38 रन बना लिए थे तो फिर से बारिश आ गई। इसके बाद मैच शुरू नहीं हो पाया। आईसीसी ने इसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित कर दिया। ऐसा आईसीसी के इतिहास में पहली बार हुआ था।

शुभमन बने एमआरएफ के ब्रांड एंबेसडर

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के उप-कप्तान शुभमन गिल अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण लगातार आगे बढ़ रहे हैं। अब दिग्गज कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने शुभमन को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। ऐसे में वह भी एमआरएफ के स्टीकर लगे बल्ले से खेलते नजर आयेंगे। एमआरएफ ने एक बयान जारी कर कहा कि शुभमन गिल अब एमआरएफ ब्रांड से जुड़ने वाले विराट कोहली सहित अन्य प्रमुख क्रिकेटरों में शामिल हो गये हैं। उन्हें हाल ही में आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में नंबर एक बल्लेबाज के रूप में भी मान्यता मिली है। एमआरएफ ने कहा कि वह लंबे समय से क्रिकेट के विकास से जुड़ा रहा है और ऐसा आगे भी होता रहेगा। शुभमन की यह भागीदारी विराट के साथ कंपनी के पहले से जारी सहयोग के अतिरिक्त होगी। एमआरएफ लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के. एम. मैमन ने कहा, ''हम शुभमन गिल को एमआरएफ परिवार में शामिल करते हुए गर्व महसूस कर रहे हैं। उनका खेल प्रभावशाली है और वह जिस तरह क्रिकेट के सभी प्रारूपों में नेतृत्व कौशल दिखाते हैं, वह प्रेरणादायक है। उनकी इस लोकप्रियता का लाभ एमआरएफ को भी मिलेगा। वहीं शुभमन ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर उत्साहित होकर कहा, ''एमआरएफ क्रिकेट में गुणवत्ता, प्रदर्शन और उत्कृष्टता का प्रतीक है। मैं भी उन क्रिकेटरों को देखकर बड़ा हुआ हूं जो एमआरएफ के बल्ले से जादू बिखेरते थे। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। मैं इस साझेदारी के तहत ऐसी पारियां खेलना खेलने के प्रयास करुंगा जिससे भारतीय टीम शीर्ष पर बना रहे।।

बुमराह के नहीं होने से मुझपर है अधिक जिम्मेदारी : शमी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन कर टीम को फाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है। शमी ने माना है कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के नहीं होने से इस टूर्नामेंट में उनपर अधिक जिम्मेदारी है। इसी कारण उनका ध्यान अपनी लय कायम रखने ओर फिटनेस बनाये रखना रहा है। चोट से उबरकर वापसी कर रहे शमी ने बुमराह की गैर मौजूदगी में नये तेज गेंदबाजी हर्षित राणा और ऑलरांउडडर हार्दिक पांड्या के साथ नई गेंद संभाली। शमी ने अभी तक टूर्नामेंट में 8 विकेट लिए हैं।

उन्होंने फाइनल में पहुंचने पर कहा, 'मैं अपनी लय फिर हासिल करके टीम के लिए ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं। दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाज टीम में नहीं है और मेरे ऊपर ज्यादा जिम्मेदारी है। शमी ने कहा कि बुमराह की गैर मौजूदगी में उनका कार्यभार बढ़ गया है ऐसे में अपना सौ फीसदी से से ज्यादा योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'जब आप अकेले मुख्य तेज गेंदबाज हैं और दूसरा ऑलराउंडर है तो तो कार्यभार रहता है। आपको विकेट के लिए मोर्चे से अगुआई करनी होती है। मुझे इसकी आदत हो गई है और मैं अपना सौ फीसदी से अधिक देने की कोशिश कर रहा हूं।

गौरतलब है कि शमी को विश्व कप 2023 के दौरान टखने में चोट लगी थी और वह लंबे ब्रेक पर रहे। उन्होंने कहा कि अब वह लंबे स्पैल फेंकने की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि किसी को अपनी फिटनेस के बारे में बहुत ज्यादा सोचने की जरूरत है। हमें प्रयास करने होंगे और देखते हैं कि शरीर इसे कैसे लेता है।

शमी ने कहा, 'मैं अब लंबे स्पैल फेंकने के लिए तैयार हूं। छोटे स्पैल हमेशा आसान होते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट में यह मायने नहीं रखता कि दस ओवर फेंकने हैं या छह ओवर। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का भी फायदा मिला है कि भारतीय टीम सारे मैच दुबई में खेल रही है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण ने लंबी छलांग लगायी, रोहित पिछड़े

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष 100 खिलाड़ियों में पहुंच गये हैं। वरुण को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का लाभ मिला है और उन्होंने लंबी छलांग लगाते हुए 143 गेंदबाजों को पीछे छोड़ा है, वरुण के अलावा स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी रैंकिंग में ऊपर आये हैं। वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाने के कारण बल्लेबाजी रैंकिंग में पिछड़े हैं। वरुण 143 पायदान की छलांग लगाकर अब 97वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

वरुण ने चैम्पियस ट्रॉफी 2025 में अब तक 2 मैच खेले, जिसमें 7 विकेट लिए हैं। इन 7 विकेटों में से 5 विकेट एक ही मैच में लिए है। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में यह 5 विकेट लिए थे जबकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 2 विकेट हासिल किए थे।दूसरी ओर बल्लेबाजी रैंकिंग में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली को एक पायदान का फायदा हुआ है और वो चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं। कप्तान रोहित शर्मा 2 पायदान नीचे आकर पांचवें नंबर पर फिसल गए हैं। विराट इस ने चैम्पियंस ट्रॉफी के 4 मैचों में 72.33 के दमदार औसत से 217 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 100 रन बनाये थे।

रोहित की फॉर्म अच्छी नहीं रही है। उन्होंने अब तक 4 मैच खेले, जिसमें 26 के बेहद खराब औसत से 104 रन बनाए। शीर्ष -10 बल्लेबाजों में शुभमन, कोहली और रोहित के अलावा श्रेयस अय्यर भी शामिल हैं। श्रेयस एक पायदान ऊपर आकर 8वें नंबर पर आ गए हैं। दूसरी ओर ऑलराउंडरों की बात करें तो शीर्ष दस में केवल भारत के रविन्द्र जडेजा है। जडेजा को नौवां स्थान मिला है। वहीं भारतीय टीम के अक्षर 17 स्थान ऊपर आकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

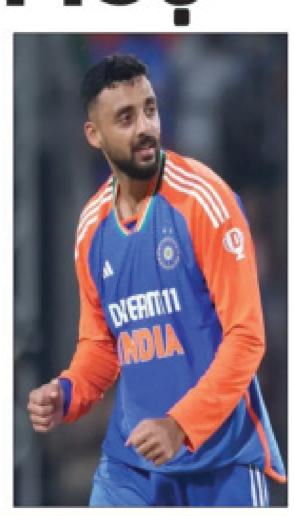

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल में भारत और न्यूजीलैंड के बीच रोमांचक मुकाबल होना तय

दुबई । आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में रविवार को भारतीय टीम का मुकाबला न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम ने अपने सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया। वहीं न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफीका का हराया है। रविवार को अब रोमांचक मुकाबले के आसार हैं क्योंकि भारतीय टीम ने अपने अंतिम लीग मैच में न्यूजीलैंड को हराया था जिससे उसका पलड़ा भारी है। इस मैच में कीवी टीम के बल्लेबाजों के लिए भारतीय स्पिनरों का सामना करना आसान नहीं रहेगा। दूसरे सेमीफाइनल में हार से एक बार फिर दक्षिण अफीकी टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना टूट गया है। इस साफ है कि दक्षिण अफीकी टीम दबाव के सामने बिखर जाती है। भारतीय टीम ने पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया है।

न्यूजीलैंड दौरे पर आकिब ही रहेंगे मुख्य कोच : पीसीबी

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसबी) ने पूर्व तेज गेंदबाज आकिब जावेद को न्यूजीलैंड दौरे के लिए अंतरिम मुख्य कोच बनाया है। वहीं पूर्व कप्तान मोहम्मद युसूफ को बल्लेबाजी कोच बनाया गया है। पाक टीम अपने न्यूजीलैंड दौरे में सीमित ओवरों की एक सीरीज खेलेगी। इसी को लेकर पीसीबी के एक अधिकारी ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड दौरे के बीच समय कम होने के कारण आकिब को ही मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं, 'पीसीबी ने इस बीच नये मुख्य कोच को तलाशने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पिछले साल पीसीबी ने जैसन गिलेस्पी को टेस्ट और गैरी कर्स्टन को सीमित ओवरों के प्रारूप में कोच बनाया था पर दोनों के साथ ही बोर्ड अधिकारियों के मतभेद हो गये थे। ऐसे में इन दोनो ने ही पद छोड़ दिया था। उसके बाद से ही पाक टीम के पास कोई पूर्ण कालिक कोच नही है। इसी कारण आकिब को सफेद गेंद की टीम का अंतरिम मुख्य कोच बनाया गया और दक्षिण अफीका तथा वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीजो में वह टेस्ट टीम के भी मुख्य कोच भी रहे। वह तीन देशों की सीरीज और चैम्पियंस ट्रॉफी में भी टीम के कोच थे पर सभी में पाक को हार का सामना करना पड़ा।

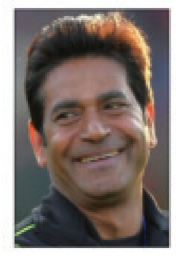

मिलर चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

लाहौर । दक्षिण अफीका के डेविड मिलर ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक शतकीय पारी से एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। मिलर ने इस मुकाबले में 67 गेंदों पर ही शतक लगा दिया। इसी के साथ ही वह चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में इससे पहले सबसे तेज शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के नाम था। सहवाग ने साल 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ केवल 77 गेंदों में ही शतक लगा दिया था। वही इंग्लैंड के जोश इंग्लिश ने भी इसी बार 77 गेंदों में शतक लगाया। इसके अलावा 80 गेंदों में शतक का रिकार्ड भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के नाम है। धवन ने दक्षिण अफीका के खिलाफ साल 2013 में शतक लगाया था। आईसीसी नॉकआउट में मिलर का पहले से प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। साल 2013 में उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 56 रन बनाए थे। इसके बाद 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 रन बनाये। साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने 101 रन बनाए थे।

लक्ष्य का पीछा करने में विराट का जवाब नहीं : क्लार्क

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। क्लार्कने कहा कि लक्ष्य का पीछा करने में विराट सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं। क्लार्क ने कहा कि जिस प्रकार उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए अपनी टीम सेमीफाइनल में जीत दिलायी। उससे ये बात फिर साबित होती है। क्लार्क ने विराट को अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया। कोहली आईसीसी नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करने के लिए क्रीज पर उतरे पर उन्होंने अपने बेहतरीन स्ट्रोक प्ले और स्ट्राइक रोटेशन के जरिये आसानी से टीम को जीत के करीब पहुंचा दिया।

क्लार्क ने कहा, एक बार फिर, उन्होंने हालातों का शानदार तरीके से आंकलन किया। उन्हें पता था कि उनकी टीम को क्या चाहिए और किस प्रकार मैच अपने नियंत्रण में लेना। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने शानदार शतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस बल्लेबाज के पास हर शॉट है और वह किसी भी गेंद को सीमा रेखा से बाहर कर सकते हैं। मेरी राय में, वह अब तक के सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर हैं, और वह सबसे बड़े मंच पर, सबसे ज्यादा दबाव में भी इसे साबित करते रहते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है, और जब सबसे ज्यादा जरूरत होती है, तो वह अच्छा प्रदर्शन करते हैं।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने श्रेयस अय्यर की भी तारीफ की।उन्होंने कहा, तब भारतीय टीम को एक साझेदारी की आवश्यकता थी क्योंकि दुबई की स्पिन-अनुकूल पिचों पर और अधिक विकेट गिरने से टीम ढ़ह सकती थी। ऐसे में अय्यर एक छोर पर कोहली के साथ टिके रहे।।

उन्होंने कहा, श्रेयस ने वाकई बहुत अच्छा खेला। उनके पास आक्रामक दृष्टिकोण और शानदार इरादे हैं और वे हमेशा अपने शॉट्स खेलने की कोशिश करते हैं, जिससे उनके बल्लेबाजी साथी पर से दबाव कम हो जाता है। वे और विराट एक दूसरे के पूरक बनकर उभरे हैं। विराट के अनुभव के कारण वे जरूरत पड़ने पर श्रेयस का मार्गदर्शन कर सकते हैं और उन्हें संयमित रख सकते हैं। उनकी साझेदारी मैच जीतने वाली थी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न । दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 86 वर्ष के थे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया। टिली ने निधन का कारण नहीं बताया। टिली ने कहा, 'उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है। ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया।' स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था। इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे। उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते।

ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात, फाइनल एक नया दिन होगा: डेरिल मिशेल

दुबई (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज डेरिल मिशेल ने कहा कि ग्रुप चरण में भारत से हार अतीत की बात है और फाइनल एक नया दिन होगा। न्यूजीलैंड ने लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान को 50 रन से हराकर चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में प्रवेश किया जहां उसका मुकाबला रविवार 9 मार्च 2025 को भारत से होगा।

उन्होंने कहा, 'फाइनल एक नया मैच होगा और हम वास्तव में इस चुनौती का सामना करने और परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने को लेकर उत्साहित हैं। उम्मीद है कि हम उन पर दबाव बनाने में सफल रहेंगे।% मिशेल इस बहस में नहीं पड़ना चाहते हैं कि भारत को एक ही स्थान पर खेलने का फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'यही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रकृति है। हमने काफी यात्रा की है और हम इसके आदी हो चुके हैं। टूर्नामेंट का कार्यक्रम तैयार करना मेरा काम नहीं है। मैं अभी आईसीसी प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचने पर रोमांचित हूं और अगला मैच खेलने के लिए उत्साहित हूं।' गौर हो कि आईसीसी टूर्नामेंट्स में दक्षिण अफ्रीका की बुरी किस्मत अभी भी जारी है। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका की टीम चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में नहीं पहुंच पाई। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में उनकी टीम को 50 रनों से झेलनी पड़ी। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए रचिन रविंद्र (108) और केन विलियमसन (102) के शतक की बदौलत 362 रन बनाए थे। द. अफ्रीकी गेंदबाज लुंगी एनगिडी को 3 तो कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका को बावुमा और रासी वेन डूसें ने अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरूआत दी लेकिन मध्यक्रम बिखर जाने के कारण पूरी टीम 9 विकेट पर 312 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका के लिए एक आकर्षण डेविड मिलर की पारी रही। उन्होंने 100 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए।

बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर ने संन्यास लिया

ढाका । बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के खराब प्रदर्शन के बाद एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। मुशफिकुर ने अपने संन्यास की घोषणा सोशल मीडिया पर की है। मुशफिकुर ने बांग्लादेश की टीम के सालाना अनुबंधों की घोषणा के ठीक बाद ही खेल को अलविदा कह दिया। इसी के साथ ही उनका दो दशक का करियर समाप्त हो गया। इस क्रिकेटर ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं आज से एकदिवसीय प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं। साथ ही लिखा कि भले ही वैश्विक स्तर पर हमारी उपलब्धियां सीमित रही पर एक बात तो तय है- जब भी मैं अपने देश के लिए मैदान पर उतरा, मैंने समर्पण और पूरी ईमानदारी के साथ अपन पूरा योगदान दिया। इस टूर्नामेंट में मुशफिकुर के अलावा पूरी टीम का प्रदर्शन भी खराब रहा है।

इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, पिछले कुछ सप्ताह मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं और मुझे एहसास हो गया है कि यही मेरी नियति है। मुशफिकुर ने साल 2006 में जिम्बाब्वे के खिलाफ अपना एकदिवसीय प्रारुप में डेब्यू किया था। अब वह इस प्रारूप में सबसे अधिक मैच खेलने वाले बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गये हैं। उन्होंने 274 मैचों में 36.42 की औसत से 7,795 रन बनाए हैं, जिसमें 144 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इसक अलावा उनके नाम नौ शतक भी हैं। उन्होंने 243 कैच लिए और 56 स्टंपिंग भी की हैं।

चैम्पियंस ट्रॉफी में मिली हार से तीन कप्तानों पर गाज गिरी

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट में इस बार टीम की हार के कारण एक नहीं तीन-तीन कप्तानों का करियर खराब हो गया। सबसे पहले इसमें मेजबान टीम पाकिस्तान का आता है। भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के बाद उसके कप्तान मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर कर दिया गया। पाक टीम का प्रदर्शन टूर्नामेंट में बेहद खराब रहा और वह एक मैच भी नहीं जीत पायी। वहीं दूसरी गाज इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर पर गिरी। बटलर को भी टीम के खराब प्रदर्शन के कारण पद गंवाना पड़ा। इंग्लैड टीम का प्रदर्शन भी टूर्नामेंट में खराब रहा। वहीं तीसरे कप्तान ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को तो एकदिवसीय प्रारुप से ही संन्यास लेना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम को भारतीय टीम के खिलाफ सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) रिजवान से इस कदर नाराज हुआ कि टी20 टीम से ही बाहर कर दिया। उनकी जगह न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 का कप्तान सलमान आगा को बनाया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत के दौरे पर आई इंग्लैंड की टीम को एकदिवीसय सीरीज में सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद टीम की तरफ से बयान में कहा गया था कि वो भारत में हार से दुखी नहीं क्योंकि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में हराना चाहते हैं पर वहां भी जब टीम की हालत खराब रही और उसे अफगानिस्तान की टीम से भी हार मिल तो बटलर की के पास पद छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा था। इसी प्रकार की स्थिति ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्मिथ की रही। वह सेमीफाइनल में मिली हार से बेहद निराश देखे और उन्होंने संन्यास का ही ऐलान करना ठीक समझा।

एक नजर

ट्रेन से ट्रैक पर कचरा फेंकते कर्मचारी का वीडियो वायरल

नई दिल्ली : भारतीय रेलवे के एक कर्मचारी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह डस्टबिन से कूड़ा उठाकर चलती ट्रेन से ट्रैक पर फेंकते नजर आ रहा है। इस पर लोग कड़ी आपत्ति जताते हुए देश में कचरे के निपटान पर सवाल उठा रहे हैं। रेल मंत्रालय ने गुरुवार को इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बताया कि घटना वाले दिन ही संबंधित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसे हटा दिया गया था। रेल मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इस कर्मचारी को 27/2 को हटा दिया गया था, उसी दिन जिस दिन उसने यह कृत्य किया था। 49 सेकंड का वायरल वीडियो रिकॉर्ड करने वाले यात्री को अपनी निराशा व्यक्त करते हुए सुना जा सकता है, ह्ये अंकल सारा कचरा बाहर पटरियों पर फेंक रहे हैं। ये भारतीय रेलवे की हालत है। डस्टबिन क्यों लगा रखा है। क्या ऐसे देश आगे बढ़ेगा।

यूक्रेन में रूस का मिसाइल हमला, चार की मौत, 30 से अधिक घायल

कीव : यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने एक्स पोस्ट में कहा है कि रूस ने क्रिवी रिह में एक होटल पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला किया। होटल में पूरी रात बचाव अभियान जारी रहा। हमले से कुछ समय पहले एक मानवाधिकार संगठन के कार्यकर्ता यहां थे। गनीमत रही कि हमले से कुछ समय पहले सब होटल से बाहर चले गए। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 30 घायल हो गए। जेलेंस्की ने कहा कि हमले में बाल-बाल बचे मानवाधिकार कार्यकर्ताओं में यूक्रेन, अमेरिका और ब्रिटेन नागरिक शामिल हैं। उन्होंने मिसाइल हमले में मारे गए लोगों के परिवारों और प्रियजनों के प्रति संवेदना जताई है। राष्ट्रपति ने कहा कि घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई गई है। होटल के आसपास की कई इमारतें भी क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

मलाला यूसुफजई ने पैतृक गांव का किया दौरा

इस्लामाबाद : नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के शांगला जिले के अपने पैतृक गांव बरकाना शाहपुर का दौरा किया। उन्होंने स्थानीय समुदाय के साथ बातचीत की। मलाला बुधवार को इस्लामाबाद से हेलीकॉप्टर के जरिए पहुंचीं। उनके पिता जियाउद्दीन यूसुफजई और मां तूर पेकाई भी थे। शांगला जिला स्वात घाटी में है। यह घाटी दुनिया में मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के लिए जानी जाती है। यह घाटी लंबे समय से राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद से ग्रस्त रही है। मलाला पर इसी घाटी में आतंकी हमला हुआ था। द न्यूज अखबार के अनुसार, बाल अधिकार कार्यकर्ता और नोबेल पुरस्कार विजेता मलाला यूसुफजई का जन्म 12 जुलाई, 1997 को पाकिस्तान की स्वात घाटी के मिंगोरा कस्बे में हुआ था। उनके परिवार और स्कूली बच्चों ने मलाला का भावनात्मक स्वागत किया। मलाला अपने रिश्तेदारों से भी मिलीं। अपनी यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव में मलाला ने मलाला यूसुफजई स्कूल का दौरा किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। उनकी समस्याओं को सुना। इस अवसर पर छात्रों ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उर्दू और पश्तो में देशभक्ति गीत और भाषण प्रस्तुत किए। मलाला ने स्कूल प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने शांगला जैसे दूरदराज के इलाकों में बच्चों, विशेषकर युवा लड़कियों के लिए शिक्षा के महत्व पर भी जोर दिया। मलाला ने शाहपुर गर्ल्स हाईस्कूल में एक कार्यक्रम में भी भाग लिया। मलाला यूसुफजई ने जिंदगी ट्रस्ट के संस्थापक शहजाद रॉय के योगदान को सराहा।

प्रधानमंत्री ने धार्मिक पर्यटन के महत्व को समझते हुए लागू की 'प्रसाद योजना' : केंद्रीय मंत्री शेखावत

एजेंसी

जोधपुर : केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धार्मिक पर्यटन के महत्व को समझते हुए 'प्रसाद योजना' को लागू किया, जिसके तहत राजस्थान सरकार को तनोट माता मंदिर, ब्रिज सर्किट और करणी माता मंदिर के विकास से संबंधित प्रोजेक्ट को केंद्र सरकार ने मंजूरी दे दी है और धनराशि भी उपलब्ध करा दी है।

गुरुवार को जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि करणी माता का मंदिर प्रदेशवासियों के लिए आस्था का विषय है। वहां समग्र रूप से आने वाले दर्शनार्थियों के अनुभव में सुधार किया जा सके, इस दृष्टिकोण से राजस्थान सरकार ने जो प्रोजेक्ट प्रस्तावित किया था, उस प्रोजेक्ट को केंद्र सरकार ने स्वीकृति दे दी है। शेखावत ने कहा कि यह योजना धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का एक अहम कदम है। आने वाले समय में राजस्थान सरकार को और भी प्रोजेक्ट प्रस्तावित करने के लिए आग्रह किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर कोई प्रस्ताव आएगा तो उस पर विचार किया जाएगा।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि बीकानेर के प्रसिद्ध श्री करणी माता मंदिर में ह्यप्रसादह्र योजना के तहत 22.57 करोड़ रुपए की लागत से विकास कार्य कराए जाएंगे। यह कार्य तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान (प्रसाद) योजना पर्यटन मंत्रालय कराएगा। कुछ लोग केवल भ्रम के कारण ऐसे बयान देते हैं। स्टालिन के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ऐसा कोई उपाय नहीं है, जो भ्रम या अफवाहों को दूर कर सके। उन्होंने एक कहावत का उदाहरण देते हुए कहा कि ह्लहकीम के पास भी वहम की दवा नहीं थी, जो यह व्यापक दर्शाता है कि कुछ लोग केवल भ्रम के कारण ऐसे बयान देते हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी को लेकर पूछे सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर से आकर यहां शादी करता है या राजस्थान में कहीं पर भी करता है तो निश्चित रूप से उस विवाह समारोह में आने वाले लोगों के चलते हुए हमारे प्रदेश की अर्थव्यवस्था और शहर की अर्थव्यवस्था बढ़ती है और बहुत बड़ा लाभ भी होता है।

ध्यान, योग, उपवास निवारक स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख घटक : मनसुख मंडाविया

एजेंसी

नई दिल्ली : केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने गुरुवार को कहा कि ध्यान, योग और उपवास निवारक स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख घटक हैं। डॉ. मंडाविया हरियाणा के फरीदाबाद में कर्मचारी राज्य बीमा निगम मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के सहयोग से आरोग्य भारती द्वारा आयोजित स्वास्थ्य चुनौतियां और स्वस्थ जीवन शैली विषय पर आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने ईएसआईसी अस्पताल में तीन अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं डिजिटल मैमोग्राफी, डिजिटल रेडियोग्राफी फ्लोरोस्कोपी सिस्टम और अगली पीढ़ी के अनुक्रमण अनुप्रयोग सहित उन्नत चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण किया। डॉ. मंडाविया ने ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में आयुर्वेद के देवता भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा का अनावरण भी किया। मंडाविया ने अपने संबोधन में स्वस्थ और तंदुरुस्त भारत के निर्माण में निवारक और संवर्धक स्वास्थ्य सेवा के महत्व पर भी बल दिया। श्रम मंत्री ने चरक, सुश्रुत और भगवान धन्वंतरि जैसे प्राचीन भारतीय चिकित्सा अग्रदूतों के ज्ञान का हवाला देते हुए भारत की समृद्ध स्वास्थ्य सेवा की विरासत के बारे में बताया। इसके अलावा उन्होंने निवारक स्वास्थ्य सेवा के प्रमुख घटकों के रूप में ध्यान, योग और उपवास के महत्व पर बल दिया और समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए देशभर में स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने में आरोग्य भारती के प्रयासों की सराहना की। सेमिनार में डॉक्टरों, पैरामेडिक्स, मेडिकल छात्रों, औद्योगिक श्रमिकों और औद्योगिक संघों तथा आरोग्य भारती के पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जो निवारक स्वास्थ्य सेवा और समग्र कल्याण के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वन नेशन वन इलेक्शन जरूरी, विधानसभा में मर्यादा जरूर रखें : तोमर

जोधपुर : मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने वन नेशन वन इलेक्शन को आवश्यक बताते हुए कहा यह जरूरी भी है और ऐसा होना भी चाहिए। वन नेशन वन इलेक्शन होना चाहिए। पांच साल लगातार चुनाव चलते रहते हैं, इससे खर्चा भी बढ़ता है। बार-बार चुनाव होने से विकास की गति भी रुकती है और इसके लिए सभी को एक सहमत होना चाहिए। यह बात उन्होंने जोधपुर एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे की शादी में शामिल होने के लिए जोधपुर आए नरेंद्र सिंह तोमर ने विधानसभा में पक्ष और विपक्ष के बीच होने वाली तकरार को लेकर सवाल पर कहा कि विधानसभा विचार विमर्श का लोकतंत्र में एक सशक्त मंच है और सभी पक्षों को भाषा के स्तर को और उत्तरोत्तर ऊंचाई देने के लिए प्रयास करना चाहिए।

बारबाडोस ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार से किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली : कैरेबियाई देश बारबाडोस ने कोविड-19 महामारी के दौरान रणनीतिक नेतृत्व और बहुमूल्य सहायता के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने देश के सर्वोच्च राष्ट्रीय पुरस्कार ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस से सम्मानित किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि बारबाडोस के ब्रिजटाउन में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से पुरस्कार भारत के विदेश राज्यमंत्री पवित्रा मार्गेरिटा ने ग्रहण किया। बयान के अनुसार, 20 नवंबर 2024 को गुयाना के जॉर्जटाउन में दूसरे भारत-कैरिकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटले और प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात हुई थी। इस दौरान बाराडोस की प्रधानमंत्री मोटले ने कोविड-19 महामारी की विकट परिस्थिति में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समर्थन को मजबूत करने में प्रधानमंत्री मोदी की महत्वपूर्ण भूमिका को सराहते हुए उन्हें ऑनरेरी ऑर्डर ऑफ फ्रीडम ऑफ बारबाडोस देने की घोषणा की थी। विदेश राज्यमंत्री मार्गेरिटा ने इस सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का प्रतिनिधित्व करना और उनकी ओर से यह प्रतिष्ठित पुरस्कार स्वीकार करना उनके लिए बहुत सम्मान की बात है। यह सम्मान भारत और बारबाडोस के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों को रेखांकित करता है साथ ही विशेष रूप से संकट के समय में सहयोग और विकास के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए : मोहन भागवत

एजेंसी

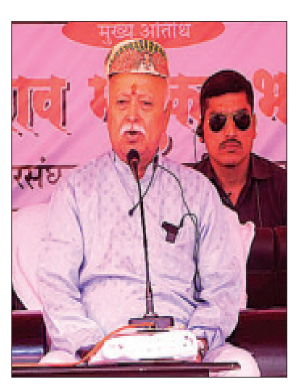

पटना/सुपौल : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को बिहार के सुपौल जिले के वीरपुर में सरस्वती विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमें लोक कल्याण की भावना को लेकर कार्य करना चाहिए। कार्य की सफलता के लिए पुरुषार्थ करना होगा। डॉ. भागवत ने कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए विविध प्रयास करने पड़ते हैं। भाग्य को अनुकूल बनाने के लिए हमें योग्य कर्ता बनाना होगा। विद्या भारती समाज की सहायता से देशभर में 21 हजार विद्यालय संचालित कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं सबका पेट भर सकूं इस भावना से विद्या भारती के विद्यालयों में छात्र तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे देश में शिक्षा को पैसे से गिनने की परंपरा नहीं है। मनुष्य सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी है इसलिए, शिक्षा पाने का अधिकार सबको है। शिक्षा मनुष्य को मनुष्य बनाता है। मनुष्य ने काफी प्रगति कर लिया है, मनुष्य सुखी रहे पर्यावरण की हानि ना हो ऐसा कार्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसी खेती की आवश्यकता है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे। इस अवसर पर संघ उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, लोकशिक्षा समिति बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ सुबोध कुमार, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव डॉ. ललन प्रसाद सिंह, भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री ख्वालीराम, संघ के क्षेत्र प्रचारक रामनवमी जी क्षेत्र सह कार्यवाह दिनेश प्रसाद, क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख मनोज कुमार, उत्तर बिहार के प्रांत प्रचारक रवि शंकर, प्रांत कार्यवाह अभय गर्ग समेत कई प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

समाज की रीढ़ सशक्त महिलाएं : रवि शंकर

एजेंसी

नयी दिल्ली : भारतीय संस्कृति में महिलाओं के सशक्तिकरण के सिद्धांत को लाखों वर्षों से अपनाया गया है। हमारी पौराणिक कथाओं को देखें, तो सभी महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियाँ महिलाओं को दी गई हैं। देवी पुराण और देवी भागवतम में कई निर्देश मिलते हैं- रक्षा मंत्रालय दुर्गा, वित्त मंत्रालय लक्ष्मी और शिक्षा मंत्रालय सरस्वती को सौंपा गया है।

हम अपने देश को भारत माता कहते हैं -दुनिया में कोई अन्य राष्ट्र अपने देश को माता नहीं कहता।

महिलाएँ हमें इस संसार में लाती हैं और हमें जीने की शिक्षा देती हैं। एक माँ ही हमारी पहली गुरु होती है, जो हमें जीवन का पहला पाठ सिखाती है। महिला समाज में कई रूपों में अपनी भूमिका निभाती है- एक पिता के लिए बेटी, भाई के लिए बहन, पुत्र के लिए माता होती है।

माताओं के लिए सुझाव

जब माताएँ अपने बच्चों को डाँटती हैं, तो वे अक्सर ग्लानि महसूस करती करती हैं। आप सोचती हैं, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए लेकिन यह समझने की आवश्यकता है कि बच्चों को डांटना गलत नहीं है। यह लगभग टीकाकरण की तरह है; यह आपके बच्चों को मजबूत बनाता है। यदि वे घर में कोई डांट नहीं सुनते हैं तो बाहर थोड़ा भी विरोध होने पर बिखर जाते हैं।

महिलाएं जन्मजात शिक्षक

आपकी माँ आपकी पहली गुरु होती हैं। महिलाएँ अपने भाइयों, बेटों, पिताओं को सिखाती हैं। इस अर्थ में, हर महिला एक शिक्षक है। आज, कई महिलाएँ स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षक के रूप में काम कर रही हैं क्योंकि उन्हें स्वाभाविक रूप से बच्चों से प्रेम होता है और वे उन्हें संभालना जानती हैं। यदि हम महिलाओं की भूमिका को देखें, तो यह कहना कठिन होगा कि वे क्या-क्या करती हैं, बल्कि यह कहना अधिक उचित होगा कि वे क्या नहीं करतीं। महिलाएँ समाज की रीढ़ होती हैं।

स्वयं की देखभाल भी आवश्यक आज महिलाएँ घर, समाज और राष्ट्र की विभिन्न भूमिकाओं में महत्वपूर्ण योगदान दे रहीं हैं। लेकिन इन सब के बीच उन्हें अपने स्वास्थ्य और मानसिक शांति का भी ध्यान रखना चाहिए। अक्सर महिलाएँ अपनी भलाई की उपेक्षा कर देती हैं और अपनी जिम्मेदारियों में इतना खो जाती हैं कि वे स्वयं को ही भूल जाती हैं। इसका सीधा प्रभाव उनकी भावनात्मक स्थिति पर पड़ता है, जिससे वे तनाव, अवसाद का शिकार हो सकती हैं। इसलिए, हर महिला को चाहिए कि वह अपने लिए भी समय निकाले, अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखे, और स्वयं को केवल एक जिम्मेदारी निभाने वाली नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और खुशहाल व्यक्ति के रूप में देखे।

स्वयं को समझे सशक्त

महिलाओं को स्वयं में सशक्त महसूस करना चाहिए और कभी भी स्वयं को पीड़ित नहीं समझना चाहिए। जब आप स्वयं को पीड़ित महसूस करती हैं, तो आप अपनी ऊर्जा, उत्साह और शक्ति खो देती हैं और एक संकुचित सोच में बंध जाती हैं। यदि आप स्वयं को अपराधी मानती हैं, तो आप कर्ता होने के अपराध बोध में फंस जाती हैं। आध्यात्मिक मार्ग वह है, जहाँ आप पीड़ित मानसिकता और अपराधी मानसिकता, दोनों से छुटकारा पा सकती हैं। इसलिए, खुद को दोष देना बंद करें और अपनी प्रशंसा करना शुरू करें क्योंकि प्रशंसा करना एक ईश्वरीय गुण है।

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मु 'नारी शक्ति से विकसित भारत' सम्मेलन का करेंगी उद्घाटन

नई दिल्ली : अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय विज्ञान भवन में नारी शक्ति से विकसित भारत विषय पर एक राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु इस सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी और राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारी और विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। इस अवसर पर हैश टैग शी बिल्ड भारत के माध्यम से एक व्यापक अभियान भी चलाया जा रहा है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक बलों तथा दिल्ली पुलिस की महिला अधिकारियों के साथ-साथ हमारा युवा भारतह्र के स्वयंसेवक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्य आदि भाग लेंगी। इसके अतिरिक्त, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की महिला अधिकारियों को भी इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में विश्व बैंक, यूनिसेफ, यूएन महिला, यूएनडीपी, यूएनएफपीए जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। उद्घाटन सत्र के बाद दिनभर उच्चस्तरीय पैनल चर्चा कार्यक्रम जारी रहेगा। इस दौरान तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें एसटीईएम, व्यवसाय, खेल, मीडिया और शासन से जुड़ी प्रतिष्ठित महिला नेता एक साथ मंच पर मौजूद रहेंगी। अग्रणी और प्रखर व्यक्तित्व- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की 50वीं वर्षगांठ पर अतीत को झांकना और आगे बढ़ना इस सत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार, खेल, मीडिया और शासन से जुड़ी प्रतिष्ठित महिला नेता अपने अनुभव साझा करेंगी और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेंगी।

प्रधानमंत्री ने घाम तापो से राज्य में शीतकालीन पर्यटन की ब्रांडिंग की

देहरादून : शायद ही किसी ने सोचा होगा कि ह्यघाम तापो पर्यटनह्न से भी ब्रांडिंग हो सकती। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए गुरुवार को गंगोत्री के शीतकालीन प्रवास मुखवा मंदिर में पूजा के बाद घाम तापो थीम पर पर्यटकों को यहां आने की अपील की। घाम तापो का मतलब सर्दी के मौसम में पहाड़ों की चटख धूप का मजा। कड़ाके की सर्दी में धूप सेंकने का आनंद ही कुछ और होता है। प्रधानमंत्री की इस नई सोच ने निश्चिततौर पर उत्तराखंड के पर्यटन विकास के नए द्वार खुलेंगे। मोदी की यात्रा से पहले स्थानीय लोगों के जेहन में एक सवाल था कि प्रधानमंत्री किस तरह से शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करेंगे। गंगा पूजन के दौरान प्रधानमंत्री ने अपने अलग अंदाज में लोगों को शीतकाल में पहाड़ पर आने का न्योता दिया। गंगा के मायके से प्रधानमंत्री का एक-एक शब्द उत्तराखंड के पर्यटन विकास के लिए समर्पित था। हर्षिल से प्रधानमंत्री के संदेश पर गौर करें तो उन्होंने कॉरपोरेट जगत, फिल्म इंडस्ट्री, योग साधक, युवाओं तीर्थ यात्रियों को गहन संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने उत्तराखंड से अपना आत्मीय लगाव, व्यक्त तो किया है, साथ ही प्रत्येक उत्तराखंडवासी को अपना परिवारजन बताते हुए कहा कि वे उत्तराखंड आकर गौरव महसूस करते हैं। शीतकालीन यात्रा के लिए प्रधानमंत्री ने पर्यटकों को उत्तराखंड में आने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सर्दियों में वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए उत्तराखंड को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने फिल्म शूटिंग के लिए भी उत्तराखंड बेहतरीन स्थल बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने घाम तापो पर्यटन थीम पर पर्यटकों को यहां आने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'ये स्पेशल इवेंट बन सकता है।

नेपाल के 80 प्रतिशत छात्र केआईआईटी लौटे अब सभी छात्र ओडिशा लौटने को तैयार

काठमांडू : भुवनेश्वर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय में एक नेपाली छात्रा की संदेहास्पद अवस्था में मौत के बाद तनावपूर्ण माहौल के कारण नेपाल आए छात्रों में से 80 प्रतिशत ओडिशा लौट चुके हैं। नेपाल से लौटे छात्रों ने दोबारा विश्वविद्यालय के निर्धारित पाठ्यक्रम की पढ़ाई शुरू कर दी है। आत्महत्या कांड के बाद नेपाल लौटे बाकी छात्र भी ओडिशा को लौटने को तैयार हैं। ओडिशा के भुवनेश्वर में स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी निजी डीम्ड विश्वविद्यालय है। नेपाल की रहने वाली इंजीनियरिंग कॉलेज में बी-टेक तृतीय वर्ष की छात्रा प्रकृति लामसाल की पिछले माह कालेज के हॉस्टल में संदेहास्पद अवस्था मौत हो गई थी। कैम्पस में नेपाली छात्रों के बीच तनाव फैल गया. उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद उनको जबरन हॉस्टल से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद पनपे तनावग्रस्त माहौल के कारण नेपाल के छात्र-छात्राएं नेपाल लौट गए थे। अब कालेज का माहौल शांत होने के बाद छात्र-छात्राओं ने केआईआईटी लौटना शुरू कर दिया है। केआईआईटी के उपकुलपति शरणजीत सिंह ने गुरुवार को कहा कि बुधवार रात 9 बजे तक 80 प्रतिशत नेपाली छात्रों की वापसी हो चुकी है। इस समय विश्वविद्यालय से बाहर गए 1169 नेपाली छात्रों में 913 छात्र वापस लौट कर नियमित अध्ययन के काम में लग चुके हैं। उन्होंने कहा कि अब तक नहीं लौटे छात्रों के अभिभावकों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर उन्हें वापस बुलाने का प्रयास किया जा रहा है।

बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकी कौशांबी से गिरफ्तार

लखनऊ : उत्तर पुलिस के विशेष कार्य बल और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में राज्य के कौशांबी जिले से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंध रखने वाले बब्बर खालसा इंटरनेशनल के एक आतंकवादी को आज तड़के गिरफ्तार किया गया। अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पंजाब के अमृतसर के रामदास इलाके के कुर्लियान गांव के रहने वाले आरोपी लाजर मसीह को तड़के करीब तीन बजकर 20 मिनट पर कौशांबी जिले के कोखराज थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार आतंकवादी बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के जर्मनी स्थित मॉड्यूल के प्रमुख स्वर्ण सिंह उर्फ जीवन फौजी के लिए काम करता है और पाकिस्तान स्थित आईएसआई के गुर्गों के सीधे संपर्क में है। उन्होंने बताया कि एसटीएफ ने आतंकवादी के पास से कुछ विस्फोटक सामग्री और हथियार बरामद किए हैं। इन हथियारों में तीन हैंड ग्रेनेड, दो डेटोनेटर, एक विदेशी पिस्तौल नोरिन्को एम-54 टोकरेव (यूएसएसआर) के साथ-साथ विदेश में निर्मित 13 कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा उसके पास से सफेद रंग का विस्फोटक पाउडर, एक आधार कार्ड जिसपर गाजियाबाद का पता है, बिना सिम कार्ड वाला एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। यश ने बताया कि यह आतंकवादी 24 सितंबर 2024 को पंजाब में न्यायिक हिरासत से फरार हो गया था।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवसाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातु, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9386895799, 9507466535, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902